रांची, शनिवार
28.12.2024
वर्ष : 10, अंक : 28 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org bihanbharat@gmail.com @bihan_bharat Bihan Bharat RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

मारूति सुजुकी के मानद अध्यक्ष ओसामु सुजुकी का निधन

नई दिल्ली : वाहन निमार्ता जापानी कंपनी सुजुकी मोटर कार्पोरेशन के वरिष्ठ सलाहकार एवं यात्री वाहन बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी मारूति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के निदेशक और मानद अध्यक्ष ओसामु सुजुकी का 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। मारूति सुजुकी ने आज यहां जारी बयान में यह जानकारी देते हुये श्री सुजुकी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। कंपनी ने कहा है कि श्री सुजुकी एक दूरदर्शी नेता थे, जिनके उल्लेखनीय योगदान ने वैश्विक ऑटोमोबाइल उद्योग को आकार दिया। भारत में, उनकी दूरदर्शिता और नेतृत्व ने 1981 में मारुति उद्योग लिमिटेड के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपने विजन के साथ श्री सुजुकी ने लाखों भारतीय परिवारों को किफायती, विश्वसनीय, कुशल और अच्छी गुणवत्ता वाले वाहनों से सशक्त बनाकर भारत को पहियों पर लाने के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भारत में अमेरिकी दूतावास ने तोड़ा रिकॉर्ड, लगातार दूसरे साल 10 लाख वीजा जारी किए

नई दिल्ली। भारत में अमेरिकी दूतावास और उसके वाणिज्य दूतावास ने लगातार दूसरे वर्ष दस लाख से अधिक गैर-आप्रवासी वीजा जारी करके नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह भारतीय नागरिकों की पर्यटन, व्यापार, शिक्षा, चिकित्सा उपचार और अन्य उद्देश्यों के लिए अमेरिका यात्रा को रेखांकित करती है। गैर-आप्रवासी वीजा इन तमाम यात्राओं के लिए अमेरिका में प्रवेश की सुविधा प्रदान करता है। अमेरिकी दूतावास ने शुक्रवार को आधिकारिक बयान में कहा कि पिछले चार वर्षों में भारत से आने वाले पर्यटकों की संख्या में पांच गुना वृद्धि हुई है और 2024 के पहले 11 महीनों में दो मिलियन से अधिक भारतीयों ने अमेरिका की यात्रा की है, जो 2023 की इसी अवधि की तुलना में 26 प्रतिशत की वृद्धि है। पांच मिलियन से अधिक भारतीयों के पास पहले से ही संयुक्त राज्य अमेरिका जाने के लिए गैर-आप्रवासी वीजा है और मिशन प्रत्येक दिन हजारों और लोगों को जारी करता है।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर 7 दिन का राष्ट्रीय शोक, राज्यकीय सम्मान के साथ आज होगा अंतिम संस्कार

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का दिल्ली के एम्स में गुरुवार रात निधन हो गया। डॉ. मनमोहन सिंह ने रात 9 बजकर 51 मिनट पर अंतिम सांस ली। केंद्र सरकार इस दुख की इस घड़ी में 7 दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित करेगी। भारत सरकार के सूत्रों के अनुसार शुक्रवार को 11 बजे पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि देने के लिए कैबिनेट की बैठक होगी। इसके साथ कल होने वाले सभी सरकारी कार्यक्रम रद्द किए जाएंगे। डॉ मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा।

डॉ. मनमोहन लंबे समय से अस्वस्थ थे। गुरुवार को रात आठ बजे उन्हें सांस लेने में तकलीफ हुई। जिसके बाद वे बेहोश होगे। उन्हें तुरंत दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया था।

मनमोहन सिंह के निधन को लेकर दिल्ली एम्स ने विज्ञप्ति के जरिए बयान जारी किया। एम्स की ओर से बताया गया कि मनमोहन सिंह का 92 साल की उम्र में निधन हो गया है। वो उम्र से संबंधित बीमारियों से ग्रसित थे। आज अपने घर पर अचानक बेहोश हो गए थे। उन्हें रात 8:06 बजे एम्स के मेडिकल इमरजेंसी में लाया गया। हालांकि तमाम कोशिशों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। रात 9:51 बजे उन्हें मृत घोषित किया गया।

मनमोहन सिंह एक प्रमुख भारतीय राजनीतिज्ञ, अर्थशास्त्री, शिक्षक और ब्यूरोक्रेट रहे। उन्होंने 2004 से 2014 तक भारत के प्रधानमंत्री के

रूप में कार्य किया और वह जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और नरेन्द्र मोदी के बाद चौथे सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले प्रधानमंत्री है। उन्होंने लोकसभा का सदस्य बनने के बजाय राज्यसभा में असम से 1991 से 2019 और फिर राजस्थान से 2019 से 2024 तक सदस्य के रूप में कार्य किया।

मनमोहन सिंह का जन्म 26 सितंबर 1932 को पश्चिम पंजाब के गाह (जो अब पाकिस्तान में है) में हुआ था। 1947 में भारत विभाजन के दौरान उनका परिवार भारत आ गया। सिंह ने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट किया और 1966 से 1969 तक संयुक्त राष्ट्र में काम किया। इसके बाद उन्होंने भारतीय प्रशासनिक सेवा में अपनी शुरूआत की और कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया।

1991 में, जब भारत गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा था, प्रधानमंत्री पी. वी. नरसिम्हा राव ने उन्हें वित्त मंत्री के रूप में अपने मंत्रिमंडल में शामिल किया। सिंह ने अपनी नीतियों से भारत की अर्थव्यवस्था को उदारीकरण की दिशा में आगे बढ़ाया, जिससे भारत ने आर्थिक संकट से उबरकर तेजी से विकास किया। उनके नेतृत्व में कई महत्वपूर्ण संरचनात्मक सुधार किए गए।

कांग्रेस पार्टी ने सात दिनों के लिए सभी कार्यक्रम रद्द किए

नई दिल्ली। दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह जी के सम्मान में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस समारोह सहित सभी आधिकारिक कार्यक्रम अगले सात दिनों के लिए रद्द कर दिए गए हैं। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आज रात यह जानकारी दी। केसी वेणुगोपाल ने बताया कि इस दौरान रद्द किए जाने वाले कार्यक्रमों में सभी आंदोलनात्मक और आउटरीच कार्यक्रम शामिल हैं। पार्टी के कार्यक्रम 83 जनवरी, 2025 को फिर से शुरू होंगे। शोक की इस अवधि के दौरान पार्टी का झंडा आधा झुका रहेगा।

झारखंड में एक जनवरी तक नहीं होंगे कोई भी राजकीय समारोह

रांची। देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर झारखंड सरकार ने सात दिनों के राजकीय शोक की घोषणा की है। ऐसे में 26 दिसंबर से एक जनवरी तक किसी भी प्रकार के राजकीय समारोह का आयोजन नहीं किया जायेगा। साथ ही राज्य के सभी भवनों, जहां नियमित रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराये जाते हैं, वे आधे झुके रहेंगे। इस संबंध में हेमंत सरकार के संयुक्त सचिव ने शुक्रवार को पत्र जारी किया है। उल्लेखनीय है कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का निधन 26 दिसंबर को दिल्ली के एम्स अस्पताल में हो गया था। उनके निधन पर केंद्र सरकार ने सात दिनों के राजकीय शोक की घोषणा की है।

डा. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार आज 11.45 बजे निगम बोध घाट पर होगा

नई दिल्ली। दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार शनिवार को 11.45 बजे निगम बोध घाट पर राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इसका हवाला देते हुए रक्षा मंत्रालय से पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ उनका राजकीय अंतिम संस्कार किए जाने की व्यवस्था करने का अनुरोध किया है। इससे पहले आज कांग्रेसाध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री से डा. मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार और उनके स्मारक के लिए जगह दिए जाने की मांग की थी, इसलिए कांग्रेस नेताओं में सरकारी निर्णय को लेकर नाराजगी है।

मनमोहन सिंह को एक सुधारवादी नेता के रूप में याद किया जाएगा : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया और देश की प्रगति एवं विकास में उनके योगदान की प्रशंसा करते हुए कहा कि सिंह को हमेशा एक सुधारवादी नेता के रूप में याद किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने एक विशेष वीडियो संदेश में मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल और स्वयं के गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यकाल के दौरान हुई बातचीत को याद किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. सिंह के निधन ने हम

सभी के हृदय को गहरी पीड़ा पहुंचाई है। उनका जाना, एक राष्ट्र के रूप में भी हमारे लिए बहुत बड़ी क्षति है। विभाजन के उस दौर में बहुत कुछ खोकर भारत आना और यहां जीवन के हर क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करना, ये सामान्य बात नहीं है। अभावों और संघर्षों से ऊपर उठकर कैसे ऊंचाइयों को हासिल किया जा सकता है, उनके जीवन से ये सीख भावी पीढ़ी को मिलती रहेगी। उन्होंने कहा कि एक नेक इंसान के रूप में, एक विद्वान अर्थशास्त्री के रूप में और रिफॉर्म्स के प्रति समर्पित लीडर के रूप में उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। एक अर्थशास्त्री के रूप में उन्होंने अलग-अलग स्तर पर भारत सरकार में अनेक सेवाएं दीं। एक चुनौतीपूर्ण समय में उन्होंने रिजर्व बैंक के गवर्नर की भूमिका निभाई।

डॉ. मनमोहन सिंह का निधन मेरे लिए व्यक्तिगत क्षतिः सोनिया गांधी

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। आज शाम जारी अपने शोक संदेश में सोनिया गांधी ने कहा कि डॉ. सिंह का निधन मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति है। वे मेरे मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक थे।

सोनिया गांधी ने कहा कि डॉ. सिंह के निधन से हमने एक ऐसे नेता को खो दिया है जो ज्ञान, बड़प्पन और विनम्रता के प्रतीक थे, जिन्होंने पूरे दिल और दिमाग से हमारे देश की सेवा की। कांग्रेस के लिए एक उज्ज्वल और प्रिय मार्गदर्शक, उनकी करुणा और दूरदर्शिता ने लाखों भारतीयों के जीवन को बदल दिया और उन्हें सशक्त बनाया। उन्हें भारत के लोगों द्वारा उनके शुद्ध हृदय और उत्तम बुद्धि के लिए प्यार किया जाता था। उनकी सलाह, बुद्धिमत्तापूर्ण सलाह और विचारों को हमारे देश के राजनीतिक स्पेक्ट्रम में उत्सुकता से मांगा जाता था और उनका बहुत सम्मान किया जाता था।

प्रिंस खान गिरोह के छह शूटर हथियार के साथ गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

धनबाद। मोस्टवांटेड क्रिमिनल प्रिंस खान के छह शूटरों को धनबाद पुलिस गिरफ्तार करने में सफल रही है। इन शूटरों के पास से भारी मात्रा में हथियार, गोली और अन्य सामान भी बरामद हुआ है।

गिरफ्तार अपराधियों में कतरास निवासी गणेश कुमार (28), कतरास निवासी राजेश बधावन उर्फ बब्लू (27), कतरास निवासी अजय कुमार सिंह (35), मधुबन निवासी करण सिंह राजपूत (21), निचितपुर निवासी बिट्टू उर्फ सागर मल्लाह (20) और पलामू निवासी देव उर्फ भीम उर्फ प्रियेश कुमार सिंह उर्फ राहुल (25) शामिल हैं। वही इनके पास से एक स्विफ्ट कार, एक पल्सर बाइक, तीन पिस्तौल, 16 जिंदा कारतूस और विभिन्न कंपनियों के सात मोबाइल फोन बरामद हुआ है।

शुक्रवार को इस संबंध में जानकारी देते हुए धनबाद के वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दन ने बताया कि 26 दिसंबर को गुप्त सूचना मिली थी कि प्रिंस खान गिरोह के कुछ अपराधी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में है। इसके बाद जिले की नाकाबंदी कर चेकिंग शुरू की गई। इसी क्रम में केंदुआडीह थाना के तहत शिमलाबहाल ब्रिज के समीप स्विफ्ट कार पर सवार राजेश कुमार बधावन, अजय कुमार सिंह और सागर कुमार मल्लाह उर्फ बिट्टू को हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही कतरास थाना क्षेत्र के निचितपुर रेलवे साडिंग के पास से गणेश गुप्ता एवं करण सिंह को मोटरसाइकिल से भागते वक्त पीछा कर के गिरफ्तार किया। इनके पास से भी पुलिस को हथियार मिले। वहीं अन्य सूचना पर इनके एक अन्य साथी प्रियेश कुमार सिंह को धनबाद बस स्टैंड के पास से गिरफ्तार किया गया है।

एसएसपी ने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों ने पूछताछ के क्रम में खुद को प्रिंस खान गिरोह का सदस्य बताते हुए बीते दिनों बरवाअड्डा स्थित कुमीर्डीह निवासी सीमेंट व्यपारी चेतन महतो पर गोलीबारी करने, बीते दो दिसंबर को तेतुलमारी थाना अंतर्गत रेलवे साइडिंग पर फायरिंग करने तथा 19 दिसम्बर को प्रिंस खान के इशारे पर बलियापुर मार्शलिंग यार्ड कर्मी को गोली मारने की बात स्वीकार किया है।

उन्होंने बताया कि गिरफ्त में आए गणेश गुप्ता जो हाल ही में 26 सितंबर को जेल से जमानत पर छूटा था, वहीं इन सभी शूटरों को ऑपरेट कर रहा था। उन्होंने बताया कि सभी पूर्व में भी आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे चुके है।

स्वास्थ्य मंत्री इरफान ने रिम्स अस्पताल का किया निरीक्षण, दिए कई निर्देश

बिभा संवाददाता

रांची। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने शुक्रवार को रिम्स अस्पताल का निरीक्षण किया। मंत्री ने अस्पताल में कई कमरे बंद और मशीनें बेकार पड़ी पाईं। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को फटकार लगाते हुए इन कमरों को खोलने और मशीनों का इस्तेमाल करने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान मंत्री ने देखा कि अस्पताल में कई जगह फर्श टूटे हुए हैं और मरीजों के लिए पर्याप्त बेड नहीं हैं। इसपर उन्होंने गहरी नाराजगी जताई। साथ ही कहा कि मुख्यमंत्री ने रिम्स में सुधार के लिए कई कदम उठाने का आदेश दिया है। पुराने उपकरणों को बदला जाएगा। इमरजेंसी में बेड की संख्या बढ़ाई जाएगी और सेंट्रल लैब को जल्द शुरू किया जाएगा।

मौके पर स्वास्थ्य विभाग के सचिव अजय सिंह ने बताया कि रिम्स में इमरजेंसी में केवल 40 बेड हैं, जिन्हें बढ़ाकर 80 किया जाएगा। यह काम अगले दो महीने में पूरा हो जाएगा।

रिम्स निदेशक ने माना कि अस्पताल में बेड की कमी है और मरीजों को परेशानी होती है। उन्होंने कहा कि वे मंत्री के निदेर्शों का पालन करेंगे और अस्पताल में सुधार लाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। साथ ही कहा कि इमरजेंसी में अतिरिक्त बेड की व्यवस्था करने का निर्देश मंत्री ने दिया है। इंडोर का भी मंत्री ने राउंड किया और दवाओं के बारे में पूछताछ की। इलाज और दवाओं से मंत्री संतुष्ट थे।

श्रीनगर और कश्मीर घाटी के मैदानी इलाकों में मौसम की पहली बर्फबारी

पर्यटक काफी खुश हुए, रात के तापमान में गिरावट, कई रणनीतिक सड़कें बंद हुईं

एजेंसी

श्रीनगर। श्रीनगर और कश्मीर घाटी के अन्य मैदानी इलाकों में शुक्रवार को मौसम की पहली बर्फबारी हुई है, जिससे लंबे समय से चल रहा सूखा खत्म हो गया। डोडा, रामबन और किश्तवाड़ के कुछ हिस्सों से भी बर्फबारी की हुई है, जबकि जम्मू जिले के मैदानी इलाकों में बारिश हो रही है। बर्फबारी के कारण दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले को जम्मू जिले के पुंछ और राजौरी जिले से जोड़ने वाली ऐतिहासिक मुगल रोड, लद्दाख को जोड़ने वाली श्रीनगर-सोनमर्ग-गुमरी रोड के अलावा सिंथन-किश्तवाड़

रोड और कोकरनाग-मारवा-वारवान रोड सहित कुछ रणनीतिक सड़कें भी बंद हो गई हैं।

जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में लंबे समय से चल रहे सूखे के बाद मौसम की पहली बर्फबारी हुई है, जिससे पर्यटक काफी खुश हुए हैं। पर्यटक डल झील के किनारे फैशनेबल बुलेवार्ड रोड पर आलीशान हाउसबोट की पृष्ठभूमि में बर्फ के टुकड़ों का आनंद लेते हुए और जीवन भर के लिए यादगार तस्वीरें क्लिक करते हुए देखे गए। शुक्रवार को बिजबिहाडा, शोपियां, कुलगाम, पुलवामा और काजीगुंड के कुछ हिस्सों, बारामुला और कश्मीर घाटी के अन्य हिस्सों सहित दक्षिण कश्मीर के कई मैदानी इलाकों में मौसम की पहली बर्फबारी दर्ज की गई।

स्वतंत्र मौसम पूवार्नुमानकर्ता फैजान आरिफ ने बताया कि मौजूदा जमीनी अवलोकनों और भविष्य के पूवार्नुमान के आधार पर कुछ ऊंचे इलाकों में महत्वपूर्ण बर्फबारी की उम्मीद है जिसमें 12 से 18 इंच के बीच बर्फबारी हो सकती है। उन्होंने कहा कि दक्षिण कश्मीर के कुछ मैदानी इलाकों में भी अच्छी बर्फबारी हो सकती है। उन्होंने कहा कि मध्य और उत्तरी कश्मीर के मैदानी इलाकों में बर्फबारी की मात्रा या गहराई का अनुमान लगाना मुश्किल हो गया है। इसके बाद 31 दिसंबर तक मौसम शुष्क रहेगा और 1 से 4 जनवरी के दौरान छिटपुट स्थानों पर हल्की बर्फबारी की उम्मीद है। श्रीनगर और कश्मीर घाटी के अन्य हिस्सों में हाड़ कंपाने वाली ठंड में कोई कमी नहीं आई और शुक्रवार को रात के तापमान में गिरावट जारी रही।

पंजाबः बेकाबू बस नाले में गिरी, आठ की मौत

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के बठिंडा में यात्रियों से भरी एक बस बेकाबू होकर नाले में गिर गई। इस हादसे में चालक समेत आठ यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हो गए। पुलिस, एनडीआरएफ की टीमों ने क्षेत्रीय लोगों की मदद से नाले में गिरे यात्रियों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला। हादसे के वक्त बस में 45 यात्री सवार थे। ज्यादातर यात्रियों की मौत नाले में जहरीली गैस के कारण दम घुटने से हुई है।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार को एक निजी कंपनी की यात्रियों से भरी बस सरदूलगढ़ से बठिंडा की तरफ जा रही थी। गांव जीवन सिंह वाला के पास एक नाले पर बने पुल से निकलते समय बस अनियंत्रित होकर गंदे पानी में जा गिरी। बस के नाले में गिरते ही लोगों की चीख पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीण व राहगीर दौड़कर मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के साथ सीढ़ियां लगाकर नाले के पानी में फंसी बस से यात्रियों को बाहर निकाला। इस बीच नाले में जहरीली गैस के कारण यात्रियों का दम घुटने लगा। ग्रामीणों के अनुसार इस बरसाती नाले में आसपास के इलाके से सीवरेज का पानी गिरने और कई सालों से सफाई नहीं हुई है।

हदासे की सूचना पर एसएसपी अमनीत कौंडल ने बताया कि गुरु काशी ट्रांसपोर्ट की बस लोगों को लेकर बठिंडा की तरफ जा रही थी। जीवन सिंह वाला गांव के पास बस अचानक अनियंत्रित होकर नाले में पलट गई। मृतक चालक की पहचान मानसा के रहने वाले बलकार सिंह के रूप में हुई है। घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बठिंडा के उपायुक्त शौकत अहमद परे के अनुसार ग्रामीणों ने राहत कार्यों में काफी सहयोग किया है। बस को क्रेन की मदद से नाले से बाहर निकाल लिया गया है। एंबुलेंस से हादसे में घायल लोगों को तलवंडी साबो अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने इलाज के बाद कुछ लोगों को सिविल अस्पताल में रेफर कर दिया। शवों को मॉच्युर्री रखवाए गए हैं।

संक्षिप्त खबरें

युक्तेश मित्तल रांची परीक्षा केंद्र से सीए फाइनल की परीक्षा में रांची टॉपर बने

रांची(बिभा): दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली के द्वारा नवंबर - 2024 में आयोजित की गई सीए फाइनल परीक्षा का परीक्षफल आज घोषित किया गय। यह परीक्षा अखिल भारतीय स्तर 443 परीक्षा केंद्रों में आयोजित किया गया था। घोषित परिणाम के अनुसार अखिल भारतीय स्तर पर सीए फाइनल की परीक्षा में शामिल कुल विधार्थियों में से दोनों ग्रुप में 13.44 प्रतिशत, प्रथम ग्रुप में 16.80 प्रतिशत और द्वितीय ग्रुप में 21.36 प्रतिशत परीक्षार्थियों ने सफलता प्राप्त किया है। इस परीक्षा में कूल 11,500 विधार्थियों ने सीए कोर्स उत्तीर्ण किया है। अखिल भारतीय स्तर पर सीए फाइनल की परीक्षा में हैदराबाद के हेरम्ब माहेश्वरी और तिरुपति के ऋषब ओस्तवाल आर ने 84.67 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से अखिल भारतीय स्तर पर टॉप किया। घोषित परीक्षाफल के अनुसार रांची परीक्षाकेंद्र के परीक्षार्थियों का परीक्षाफल काफी उल्लेखनीय रहा है। सीए फाइनल में निम्नलिखित परीक्षाथियों ने रांची परीक्षाकेंद्र से टॉप पांच स्थान प्राप्त किये है : पहला स्थान - युक्तेश मित्तल, दूसरा स्थान - ह्रितिक राज, तीसरा स्थान झ्र अनुष्का, चतुर्थ - गौरव कुमार ओझा, पांचवा - आर्यन राज टाक।

रांची शाखा के चेयरपर्सन सीए श्रद्धा बगला ने नव उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को उनकी सफलता के लिए हार्दिक बधाई देते हुए जानकारी दिया कि रांची सेंटर के टॉपर युकतेश मित्तल अपनी परिवार कि तीसरी पीढ़ी हैं जो सीए परीक्षा उत्तीर्ण किया है उनके परिवार में उनके दादा सीए जगता नन्द अग्रवाल और पिता सीए सुमित अग्रवाल भी रांची के वरिष्ठ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स प्रोफेशनल है। सीए सुमित अग्रवाल रांची शाखा के अध्यक्ष भी रह चुके है। उसी प्रकार पांचवा स्थान प्राप्त करने वाले आर्यन राज टाक भी अपने परिवार के तीसरी पीढ़ी के चार्टर्ड एकाउंटेंट्स है उनका दादा सीए कांति चंद्र टाक और पिता सीए राजीव टाक रांची के वरिष्ठ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स हैं और सीए कांति चंद्र टाक रांची शाखा के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

अर्पिता महिला मंडल ने ठंड में जरूरतमंदों के के बीच राहत सामग्री का किया वितरण

रांची(बिभा) : अर्पिता महिला मंडल, सीसीएल मुख्यालय के ऑफिसर्स वाइफ एसोसिएशन की अध्यक्षा श्रीमती प्रीति सिंह और माननीय सदस्यों के मार्गदर्शन में ठंड के मौसम में कांट्रैक्ट कर्मियों की सहायता के लिए एक विशेष पहल का आयोजन किया गया। इस सामाजिक कार्य के तहत, जवाहर नगर कॉलोनी में 32 कांट्रैक्ट कर्मियों को राहत सामग्री वितरित की गई। प्रत्येक कर्मी को 2 कंबल, एक जोड़ी मोजे, भोजन का पैकेट और चूड़ा प्रदान किया गया। इस अवसर पर अर्पिता महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति सिंह और अन्य सम्मानित सदस्यों - श्रीमती शशि दुहान, श्रीमती निशा शुक्ला, श्रीमती रश्मि शर्मा, श्रीमती त्रिवेणी इनामदार, श्रीमती नीता लाल, श्रीमती सरिता सक्सेना, श्रीमती कविता झा, श्रीमती सोनल, श्रीमती संगीता सिंह, श्रीमती पूनम झा, और श्रीमती आरती चंदेल - की उपस्थिति रही। महिला मंडल की इस पहल ने समुदाय के प्रति उनके समर्पण और सेवा भावना को दशार्या है। ठंड के इस कठिन समय में, यह प्रयास न केवल जरूरतमंद कर्मियों के लिए राहत लेकर आया बल्कि समाज में सहयोग और सद्भाव का संदेश भी दिया। अर्पिता महिला मंडल भविष्य में भी इसी प्रकार सामाजिक कल्याण के कार्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखेगा।

श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम मंदिर का शुभ उद्घाटन 5 जनवरी को, तैयारियां जोरों पर

रांची(बिभा) : श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट की एक बैठक ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल की अध्यक्षता मे ट्रस्ट के प्रधान कार्यालय शिवगंज हरमू रोड मे संपन्न हुई। बैठक मे 5 जनवरी को अरगोड़ा पुंदाग मे श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम मंदिर का भाव शुभ उद्घाटन की तैयारीयों पर विस्तृत चर्चा की गई। एवं सदस्यों को विभिन्न कार्यों की जिम्मेवारी दी गई। बैठक में सर्वसम्मति से गुरु जी के परम शिष्य संजय सर्राफ को ट्रस्ट का मीडिया प्रभारी मनोनीत किया गया। श्री कृष्ण प्रणामी शिव धाम मंदिर का शुभ उद्घाटन 5 जनवरी को प्रातः 10 बजे ट्रस्ट के संस्थापक संत शिरोमणि श्री श्री 1008 स्वामी श्री सदानंद जी महाराज के कर कमलों द्वारा तथा प्रणामी समाज के संत महात्माओं की उपस्थिति मे होगा। साथ में 5 जनवरी से 8 जनवरी तक चार दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा, वाणी चर्चा एवं बीतक कथा, तथा परमहंस संत शिरोमणि डॉ स्वामी श्री सदानंद जी महाराज के द्वारा श्रीमद् भागवत कर कृष्ण अमृत कथा एवं परम पूज्य श्री श्री 108 श्री मोहन प्रियाचार्य जी महाराज के मुखारविंद से तारतम वाणी तथा अन्य संत महात्माओं के द्वारा दिव्य प्रवचन किया जाएगा।बैठक में ट्रस्ट उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल जालान, सचिव मनोज चौधरी, पूरणमल सर्राफ, सज्जन पाड़िया, विशाल जालान, विष्णु सोनी, संजय सर्राफ, सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

डॉ. मौसमी पॉल बनी अभाविप की प्रदेश अध्यक्ष

रांची(बिभा): जमशेदपुर निवासी डॉ. मौसमी पॉल अभाविप की प्रदेश अध्यक्ष और मनोज सोरेन झारखंड प्रदेश मंत्री पद के लिए निर्वाचित किए गए हैं. अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष तथा प्रदेश मंत्री के निर्वाचन प्रक्रिया के चुनाव अधिकारी अभाविप की प्रदेश छात्रा प्रमुख प्रो. पुष्कर बाला ने निर्वाचन परिणामों को घोषित किया. कार्यालय मंत्री सुभम पुरोहित ने यह जानकारी दी. उन्होंने रांची स्थित अभाविप के प्रदेश कार्यालय में लगातार न्यूज डॉट कॉम को बताते हुए कहा कि धनबाद में तीन दिवसीय 25वां अधिवेशन होना है. यह अधिवेशन तीन से पांच जनवरी तक चलेगा. जिसमें दोनों लोगों को कार्यभार दिया जाएगा. डॉ. मौसमी पॉल जमशेदपुर महानगर की निवासी हैं. 2015 से अभविप से जुडा है. वर्तमान में लालबहादुर शास्त्री मेमोरियल महाविद्यालय में अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्ष के पद पर कार्यरत हैं. इन्होंने 20 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किया है. इनके शोध विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित किए जा चुके हैं. वर्तमान में कोल्हान क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण के कार्यक्रमों में संचालित कर रही हैं. चाईबासा नगर उपाध्यक्ष, जमशेदपुर महानगर उपाध्यक्ष, जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष समेत कई दायित्वों का निर्वहन कर चुकी हैं. अभाविप झारखंड की प्रदेश उपाध्यक्ष हैं. आगामी सत्र 2024-25 के लिए प्रदेश अध्यक्ष के दायित्व पर निर्वाचित हुई हैं.

समय, काल और परिस्थितियों के मद्देनजर मनमोहन सर्वश्रेष्ठ प्रधानमंत्री रहे : बंधु तिर्की

बिभा संवाददाता

रांची : पूर्व मंत्री, झारखण्ड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य एवं झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा है कि समय, काल और परिस्थितियों के मद्देनजर डॉ. मनमोहन सिंह वैसे सर्वश्रेष्ठ प्रधानमंत्री थे जिनके द्वारा लिये गये अनेक दूरगामी निर्णय के कारण देश उन्हें हमेशा याद रखेगा. पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए श्री तिर्की ने कहा कि अपनी सादगी, विनम्रता, विद्वता, देशभक्ति, सुदृढ़ फैसले और समय की अनुकूल सटीक निर्णय लेना मनमोहन सिंह की ऐसी पहचान थी जो हमेशा न केवल सभी को प्रेरणा देती रहेगी बल्कि उनकी पहचान को चीरकाल तक कायम रखेगी.

श्री तिर्की ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह विद्वान, सौम्य, बौद्धिक, अनुभवी और जानकार तो थे लेकिन वह कांग्रेस के ऐसे समर्पित सिपाही थे जो कांग्रेस के प्रत्येक नेता और कार्यकर्ता को उत्प्रेरित करता रहेगा. उन्होंने कहा कि राज्यसभा में वोटिंग के दौरान व्हीलचेयर पर पर भी सदन में आकर मतदान करना और प्रतिकूल स्वास्थ्य होने के बावजूद संसदीय समितियों की बैठक में उनकी सहभागिता हमें याद दिलाती है कि देश के प्रति हम अपने कर्तव्यों का निर्वहन किस प्रकार से कर सकते हैं? वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि मनरेगा और सूचना के अधिकार जैसे वैधानिक प्रावधान डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में ही लागू किया गया जो कांग्रेस की जन सरोकार का प्रमाण है जबकि प्रधानमंत्री के रूप में डॉ. सिंह, लोगों के प्रति समर्पित सभी योजनाओं को शत प्रतिशत जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप में लागू करवाना चाहते थे. श्री तिर्की ने कहा कि उनके द्वारा किये गये योगदान के कारण ही आज कांग्रेस की नीतियों का फायदा जमीनी स्तर पर करोड़ों लोगों को मिल रहा है. श्री तिर्की ने कहा कि डॉ. सिंह अपने पूरे जीवन में चाहे जिस पद पर भी रहे हों लेकिन उन्होंने पूरी जिम्मेदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया और वित्त मंत्री के रूप में उदारीकरण, वैश्वीकरण और खुले बाजार की रणनीति से देश, आर्थिक दृष्टिकोण से बहुत अधिक मजबूत हुआ. श्री तिर्की ने कहा कि आज केवल कांग्रेस ही नहीं बल्कि, प्रत्येक राजनीतिक दल के प्रत्येक नेता और कांग्रेस के एक-एक कार्यकर्ता को मनमोहन सिंह से प्रेरणा लेकर देश के प्रति अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने की जरूरत है.

आर्थिक सुधारों के महानायक के रूप में जाने जाएंगे डॉ. मनमोहन सिंह : सुबोधकांत सहाय

रांची/नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने कहा कि डॉ मनमोहन सिंह के निधन के समाचार से मैं शोकाकुल हूं।

वे एक महान अर्थशास्त्री और उत्कृष्ट नेता थे। प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री के रूप में देश के प्रति उनका योगदान हमेशा स्मरणीय रहेगा। श्री सहाय ने कहा कि वर्ष 2004 से लेकर वर्ष 2014 तक डॉ.मनमोहन सिंह के मंत्रिमंडल में शामिल होकर कार्य करने का उन्हें अवसर प्राप्त हुआ। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री के रूप में देश के आर्थिक विकास में उनका अविस्मरणीय योगदान रहा है। झारखंड से भी उनका गहरा लगाव था। औद्योगिक विकास के प्रति उनकी सकारात्मक सोच अनुकरणीय है। एचईसी के पुनर्जीवन और रिवाइवल के प्रति भी उन्होंने गंभीरता दिखाई। एशिया प्रसिद्ध एचईसी कारखाना को उनके नेतृत्व में ही रिवाइवल पैकेज मिला। अपने प्रधानमंत्रित्व काल में झारखंड के विकास के लिए वे सदैव तत्पर रहा करते थे। मनरेगा जैसी जनहित में बनाई गई कल्याणकारी योजना को लॉन्च करने के लिए उन्होंने झारखंड को ही चयनित किया था। भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत करने की दिशा में डॉ.सिंह द्वारा उठाए गए ऐतिहासिक कदम यादगार रहेंगे। श्री सहाय ने

उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी दूरदर्शिता और नेतृत्व ने भारत को एक नई आर्थिक दिशा दी।

देश में उनके द्वारा लाई गई आर्थिक क्रांति और प्रगतिशील बदलावों के लिए उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

देश ने अब तक के सबसे बेहतर अर्थ शास्त्री को खो दिया है : नेहा तिर्की

रांची : देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह को कांग्रेस नेताओं ने कर्नाटक के बेलगाम में श्रद्धा सुमन अर्पित की . इस मौके पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धा रमैया , उप मुख्यमंत्री वी के शिवकुमार सहित कैबिनेट के मंत्री शामिल हुए . पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में झारखंड की कृषि , पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की भी शामिल हुई . मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा है कि देश ने अब तक के सबसे बेहतर अर्थ शास्त्री को खो दिया है. आर्थिक मंदी के उस दौर में जब हर तरफ निराशा दिख रही है तब डॉ मनमोहन सिंह ने देश की अर्थ व्यवस्था को ना सिर्फ संभाला , बल्कि विकास की गति को निरंतर जारी रखा . सौम्य हृदय और मृदु भाषी डॉ मनमोहन सिंह को देश की जनता हमेशा एक सफल प्रधानमंत्री के तौर पर याद रखेगी . डॉ मनमोहन सिंह के व्यवहार कुशलता के धनी थे और विपक्ष के सदस्य भी उनके इस व्यवहार के सदा कायल रहे .

भारत के आर्थिक विकास के जनक थे : स्पीकर

रांची : झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किए हैं । अध्यक्ष ने कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के निधन से दुखी हूँ । वे भारत के आर्थिक विकास के जनक थे। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर,भारत के वित मंत्री एवं भारत के प्रधानमंत्री रहते हुए उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ता के लिए जिस प्रकार की योजनाएं बनायी इसके लिए वे सदैव याद किए जाएंगे। आज वे हमारे बीच नहीं रहे हैं। उनके कुशल आर्थिक नीतियां देश को दिशा दी हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था की मार्गदर्शक के रूप में जब भी एक राजनेता को याद किया जाएगा स्वर्गीय मनमोहन सिंह की कमी हमेशा खलेगी। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति दे एवं उसके चाहने वालों को इस विकट घड़ी में सहन शक्ति प्रदान करें।

देश के आर्थिक सुधारो में उनका योगदान सदैव याद किया जाएगा : संजय सेठ

नई दिल्ली/रांची। रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ ने आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री मनमोहन सिंह जी के निधन पर उनके आवास जाकर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें नमन किया। इस अवसर पर श्री सेठ ने कहा कि मनमोहन सिंह जी का निधन संपूर्ण भारत की अपूरणीय क्षति है। मनमोहन सिंह जी इस देश में ऐसे व्यक्तित्व के रूप में जाने जाएंगे, जिन्होंने अर्थव्यवस्था की सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। देश के सबसे प्रतिष्ठित नेताओं में डॉ. मनमोहन सिंह जी का नाम सदैव याद किया जाएगा। एक सामान्य परिवार से उठकर एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री तक की उनकी यात्रा प्रेरणादाई है। उन्होंने वित्त मंत्री सहित विभिन्न सरकारी पदों पर कार्य किया और वर्षों तक हमारी आर्थिक नीति पर अपनी गहरी छाप छोड़ी। वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए व्यापक प्रयास किए।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का निधन देश के लिए अपूरणीय क्षति: केशव महतो

रांची। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन से देश को अपूरणीय क्षति हुई है, इसकी भरपाई नहीं हो सकती। डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने योजना आयोग के उपाध्यक्ष रिजर्व बैंक के गवर्नर प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार के पद से होते हुए प्रधानमंत्री पद पर अपने कार्यकाल के दौरान आर्थिक सुधारो की दिशा मे महत्वपूर्ण कार्य किया। उनके वित्त मंत्रीत्व काल को भारत में आर्थिक सुधारो का प्रणेता माना गया। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने भारत को विश्व के विकसित देशों की श्रेणी में खड़ा करने का प्रयास किया जिसमें काफी हद तक सफल रहे। आर्थिक सुधारो की दिशा में उनके द्वारा किए गए कार्यों को जनमानस हमेशा याद रखेगा। जब देश आर्थिक पतन के कगार पर था तब रुपए का अवमूल्यन कर और विदेशी निवेश को प्रोत्साहित कर देश की अर्थव्यवस्था को बदलने और आर्थिक मजबूती प्रदान करने के लिए उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

श्रद्धा सुमन अर्पित करते कांग्रेस विधायक दल नेता प्रदीप यादव ने कहा कि उन्होंने देश की आर्थिक स्थिति को सुधारने के साथ-साथ सामाजिक और संरचनात्मक सुधारो में भी आमूलचूल बदलाव लाने का काम किया।विश्व व्यापी मंदिर के दौर में भी भारत इससे अछूता रहा। मनरेगा जैसी योजना लागू करके ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करके ग्रामीणों के आजीविका में उल्लेखनीय सुधार किया। भारतीय अर्थव्यवस्था के नए युग के सूत्रपात के जनक के रूप में देश उन्हे हमेशा याद रखेगा।

विधायक दल उप नेता राजेश कच्छप ने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान मनरेगा के माध्यम से ग्रामीण परिवार को 100 दिन के रोजगार की गारंटी, सूचना का अधिकार,आधार कार्ड, डीबीटी जैसी योजनाएं लागू कर क्रांतिकारी बदलाव किया था। जिससे आम नागरिकों का अधिकारो और उनके कल्याणकारी योजनाओं की व्यापकता बढ़ गई।आम नागरिकों के कल्याण हेतु वितरण की व्यवस्था को डीबीटी के माध्यम से सुवस्थित किया। आर्थिक सुधारो को बढ़ाने की दिशा में लाइसेंस राज को खत्म किया देश में विदेशी कारोबार के निवेश को प्रोत्साहित किया।

पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप बलमुचु ने कहा की डॉ. मनमोहन सिंह का योगदान देश भुला नहीं पाएगा। आर्थिक सुधारो के कारण वह एक जीवित किदवंती बन चुके थे।उन्होंने वैट लागू किया सेल्स टैक्स के नियमों को सरल किया आधार के द्वारा देशवासियों को विशिष्ट पहचान प्रदान किया।

रविंद्र सिंह,जयशंकर पाठक, राजीव रंजन प्रसाद,राकेश सिन्हा सतीश पॉल मुजनी,संजय पांडे सोनाल शांति,अमूल्य नीरज खलको, कमल ठाकुर,ऋषिकेश सिंह ने भी उनके निधन पर शोक व्यक्त किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने जताया शोक

रांची : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने महान अर्थशास्त्री, सहज, सरल एवं सौम्य व्यक्तित्व के धनी पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। दुखद सूचना से मन व्यथित है। देश के आर्थिक सुधारों में उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिजनों को यह अपार दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

हमने एक बहुत ही प्रतिष्ठित नेता, एक प्रख्यात अर्थशास्त्री और एक महान इंसान को खो दिया : डॉ. पी.के. मिश्रा

रांची : डॉ. मनमोहन सिंह के निधन से हमने एक बहुत ही प्रतिष्ठित नेता, एक प्रख्यात अर्थशास्त्री और एक महान इंसान को खो दिया है। डॉ. मनमोहन सिंह से जुड़ी मेरी यादें उस समय की हैं जब वे दिल्ली स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स में पढ़ाते थे। मैं उन दिनों एम.ए. के प्रथम वर्ष में था। उस दौर के दिग्गज प्रोफेसरों के बीच उन्हें पाना पश्चिमी ओडिशा के संबलपुर जिले से आये मेरे जैसे एक छात्र के लिए बहुत ही सुकून देने वाला था। वे दिन थे जब अमर्त्य सेन, मृणाल दत्ता चौधरी, ए.एम. खुसरो, के.एन. राज, सुखमय चक्रवर्ती, धर्म कुमार और अन्य जैसे बहुत ही प्रतिष्ठित प्रोफेसर वहां पढ़ाते थे। डॉ. मनमोहन सिंह में अंतरराष्ट्रीय व्यापार के जटिल विषयों को हर छात्र की समझ में आने वाले तरीके से समझाने की अद्भुत क्षमता थी, जिससे छात्रों के लिए सीखना आसान हो जाता था। वे बेहद विनम्र और शांत स्वभाव के थे। बाद में मुझे उनके साथ बातचीत करने का सौभाग्य मिला, जब प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान मैं राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सचिव और भारत सरकार के कृषि मंत्रालय में सचिव के रूप में काम कर रहा था। जब भी मैं उनसे मिला, मैंने उनके व्यवहार में वही सादगी, ईमानदारी और विनम्रता पाई। इस कठिन समय में मेरी गहरी संवेदनाएं और भावनाएं उनके परिवार और दोस्तों के साथ हैं।

इतिहास आपको याद ही नहीं बल्कि आपका दिवाना रहेगा : तेजस्वी

रांची : पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के निधन पर नेता प्रतिपक्ष श्री तेजस्वी यादव का संदेश में कहा कि देश में आर्थिक सुधारों के जनक, आर्थिक बदलाव के शिल्पकार, मजबूत शख्सियत, महान राजनेता पूर्व प्रधानमंत्री व अभिभावक डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त करता हूँ। ईश्वर से प्रार्थना है कि पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। सरदार डॉ. मनमोहन सिंह जी ने दशकों तक हमारी अर्थव्यवस्था, देश की अभूतपूर्व प्रगति और विकास की ऐतिहासिक अध्यक्षता की। उनकी बुद्धिमता, सहनशीलता, दूरदर्शिता, विनम्रता और समर्पण को सदैव याद रखा जाएगा।

अगले सात दिनों के लिए पार्टी के सभी कार्यक्रम रद्द : राकेश

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बताया कि दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के सम्मान में, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस समारोह सहित सभी आधिकारिक कार्यक्रम अगले सात दिनों के लिए रद्द कर दिए गए हैं। इसमें सभी आंदोलनकारी और आउटरीच कार्यक्रम शामिल हैं। पार्टी के कार्यक्रम 3 जनवरी 2025 को फिर से शुरू होंगे। अंत्येष्टि के उपरांत कल शाम 4 बजे कांग्रेस कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा आयोजित होगी जिसमें कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे

भारतीय ज्ञान प्रणाली सिर्फ अतीत का अवशेष नहीं बल्कि एक जीवंत परंपरा है: कुलपति

बिभा संवाददाता

इंडियन इकोनॉमिक एसोसियेशन का 107 वा अधिवेशन

रांची : 27 दिसंबर से 29 दिसंबर तक कुरुक्षेत्र में तीन दिवसीय इंडियन इकोनॉमिक एसोसियेशन का 107 वा वार्षिक अधिवेशन आयोजित किया जा रहा है। इस तीन दिवसीय आयोजन में राष्ट्रीय स्तर पर लब्ध प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री और शिक्षाविद् शामिल हो रहे हैं। इस तीन दिवसीय अधिवेशन के प्रारंभ में देश के पूर्व प्रधानमंत्री और अर्थशास्त्री और इंडियन इकोनॉमिक एसोसियेशन के पूर्व अध्यक्ष रहे डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर उपस्थित शिक्षाविदों और अर्थशास्त्रियों ने शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि प्रकट की। इसके उपरांत इस तीन दिवसीय अधिवेशन की शुरूआत हुई। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची के कुलपति प्रो डॉ तपन कुमार शांडिल्य ने आज इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन, जो कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सौजन्य से कुरुक्षेत्र में आयोजित किया जा रहा है, में बतौर अध्यक्ष शामिल हुए। उन्होंने पहले दिन इस अधिवेशन की अध्यक्षता करते हुए सस्टेनेबल, डेवलप्ड एंड आत्मनिर्भर भारत, विषय पर अपना अध्यक्षीय संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा से ज्ञान की भूमि रहा है, सभ्यता का उदगम स्थल रहा है जिसने दुनिया की कुछ सबसे गहन और स्थाई ज्ञान परंपराओं को पोषित किया है। आम भाषा में कहा जाए तो भारतीय ज्ञान प्रणाली ज्ञान हस्तांतरण की एक विधि है और एक संगठित प्रणाली है जो ज्ञान को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचाती है। इसके उपरांत उन्होंने कहा कि चूंकि यह एक आर्थिक सम्मेलन है तो इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में लंबे समय से अर्थ की अवधारणा भारतीय दर्शन के लोकाचार में गहराई से निहित है। उन्होंने कहा कि जैसा कि चाणक्य ने कहा है कि, सुख का मूल धर्म है, और धर्म का मूल अर्थ है। यह कथन इस बात को रेखांकित करता है कि भौतिक समृद्धि ही वह आधार है जिस पर नैतिक और आध्यात्मिक उद्देश्य टिके रहते है। आज प्रथम दिन में कई तकनीकी सत्र आयोजित किए गए जिसमें देश के महत्वपूर्ण अर्थशास्त्री और शिक्षाविद् जैसे कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ सोमनाथ सचदेव, देवेंद्र अवस्थी, अशोक कुमार चौधरी, अटल बिहारी बाजपेई, बिलासपुर के कुलपति प्रो डॉ एडीएन बाजपेई, विजय कुमार पटनायक, पूर्व मुख्य सचिव, ओड़ीसा, अशोक मित्तल, पूर्व कुलपति, बी आर आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा और टी एन साहू, कुलपति, झारखंड ओपन यूनिवर्सिटी शामिल हुए। यह जानकारी पीआरओ प्रो राजेश कुमार सिंह ने दी।

ज्ञानी जैल सिंह की पुण्यतिथि गरीब जरूरतमंद लोगों के बीच गर्म वस्त्र वितरण कर एवं फ्री मेडिकल कैंप आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची : विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच एवं ग्रामीण आरोग्या सेवा संस्था के संयुक्त तत्वावधान में भारत भूतपूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह के पुण्यतिथि के अवसर पर तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

25 दिसंबर को पुण्यतिथि के अवसर पर ज्ञानी जैल सिंह के तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित की गई।

26 दिसंबर को गरीब जरूरतमंद लोगों के बीच गर्म वस्त्र वितरण किया गया एवं आज 27 दिसंबर को पिस्कामोड़ सुखराम मार्केट के निकट फ्री मेडिकल कैंप आयोजन कर 36 जरूरतमंद लोगों एवं मरीजों की जांच कर निःशुल्क दवाइयां दी गई। डॉ.बी.के.सिंह (आयुर्वेदाचार्य) द्वारा मरीजों की जांच की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मंच के मुख्य संयोजक संतोष कुमार श्रेयांश ने ज्ञानी जैल सिंह के जीवन इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा उनका वास्तविक नाम जनरैल सिंह था। वे भारत के सातवें राष्ट्रपति थे।उनका जन्म 5 मई 1916 को फरीदकोट जिले के संगवान में हुआ था एवं निधन 25 दिसंबर 1994 को हुआ।वे पंजाब के मुख्यमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री के रूप में भी देश की सेवा किए थे।आज श्रद्धांजलि संगीत द्वारा तीन दिवसीय कार्यक्रम की समापन की गई।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को अंबा प्रसाद ने दी श्रद्धांजलि

आर्थिक सुधारों के पुरोधा, विश्व विख्यात अर्थशास्त्री का खोना देश के लिए बहुत बड़ी क्षति : अंबा प्रसाद

रांची(बिभा): अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय सचिव सह पश्चिम बंगाल सह प्रभारी बड़कागांव की पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह को दिल्ली स्थित आवास पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस दुख की घड़ी में अंबा प्रसाद ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आर्थिक सुधारों के पुरोधा, विश्व विख्यात अर्थशास्त्री व भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद हैं। अंबा प्रसाद ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें व शोक-संतप्त परिजनों को संबल प्रदान करने की कामना की।

स्टेट हज इंस्पेक्टर के लिए आवेदन आमंत्रित

रांची(बिभा) : हज-2025 में जाने वाले हज यात्रियों की खिदमत (सेवा) के लिए सउदी अरब में स्टेट हज इंस्पेक्टर (पूर्व में खादिमुल हुज्जाज) के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं। हज कमिटि ऑफ इंडिया, अल्पसंख्यक मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा इस संबंध में अधिसूचना जारी की गयी है। इच्छुक आवेदक मुस्लिम सरकारी सेवक (वरिष्ठ अधिकारी छोडकर)/ सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई/वैधानिक निकाय में सेवारत अधिकारी/कर्मचारी 04 जनवरी 2025 तक ऑनलाइन आवेदन दे सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन, नियम एवं शर्तों का अवलोकन हज कमिटि की वेबसाईट www.hajcommittee.gov.in पर किया जा सकता है।

ट्रक की चपेट में आने से डीएसपीएमयू के छात्र की मौत, 2 घायल

रांची(बिभा) : रांची-टाटा मुख्य मार्ग प्लांडू में एक हाईवा ट्रक की चपेट में स्कूटी सवार आ गया। मौके पर ही युवक की मौत हो गयी। वहीं 2 युवतियां घायल हो गई। बताया जा रहा है कि स्कूटी पर एक युवक और 2 युवतियां सवार थीं। स्कूटी सवार रामपुर से सिदरौल की ओर जा रहे थे। वहीं हाईवा ट्रक सिदरौल से रामपुर की ओर जा रहा था। इसी दौरान यह घटना घटी। सूचना पाते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दोनों घायल युवती को ईलाज के लिए रिम्स भेजा। दोनों की स्थिति गंभीर बतायी जा रही है। मृत युवक माही कौशल खलखो(19) करमटोली का रहनेवाला था। वह श्यामा प्रसाद मुखर्जी युनिवर्सिटी में बीए फर्स्ट ईयर का छात्र था। कौषल के पिता निषुष खलखो सिविल कोर्ट में वकील हैं। उन्होंने बताया कि वह घर से दिन के 12 बजे स्कूटी लेकर दोस्तों के साथ पिकनिक जाने की बात कहकर निकला था। घायल युवती में एक कौशल की क्लासमेट है जो कांटाटोली के पास रहती है। वहीं दूसरी युवती की पहचान के लिए पुलिस पूछताछ कर रही है।

विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

रांची(बिभा) : माननीय झालसा के निर्देश पर रांची जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव के मार्गदर्शन में डालसा रांची द्वारा रातु प्रखंड के तिगड़ा पंचायत में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मौजूद महिला पुरुष एवं बच्चों के बीच नालसा के दस स्कीम के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया साथ ही साथ डीएलएसए रांची के द्वारा गरीबों महिलाओं तथा पात्रता रखने वाले व्यक्तियों को मुफ्त कानूनी सहायता देने के बारे में बताया गया। बाल विवाह, बाल श्रम आदि कुप्रथाओं के रोकथाम और उन्मूलन के बारे में जागरूक किया गया। श्रम कार्ड बनाने , विकलांग पेंशन, विधवा पेंशन, आयुष्मान कार्ड, बालिकाओं को शिक्षित करने, बच्चों के टीकाकरण से संबंधित विषयों पर जानकारी दी गई। जागरूकता शिविर में वीरेंद्र प्रताप, लॉ स्टूडेंट, पारा लीगल वॉलेंटियर पुष्पलता कुमारी, सुनीता कुमारी, नीतू देवी, बेबी देवी, जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस के शौर्य,पंचायत के मुखिया, एनजीओ के धीरज राय तथा अन्य उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में बाल विवाह के रोकथाम और उन्मूलन के लिए सामूहिक रूप से शपथ लिया गया।

रांची रोटरी क्लब ने बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर एईडी मशीन स्थापित की

रांची(बिभा): रांची रोटरी क्लब ने सामुदायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची पर एक अत्याधुनिक ऑटोमेटेड एक्सटर्नल डिफिब्रिलेटर (एईडी) मशीन स्थापित की है। यह पहल आपातकालीन चिकित्सा सहायता प्रदान करने और जीवन रक्षा के प्रति क्लब की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। एईडी मशीन एक अत्याधुनिक उपकरण है, जो कार्डियक अरेस्ट जैसी स्थिति में तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसे बिना किसी चिकित्सा पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति भी आसानी से उपयोग कर सकते हैं। हृदय गति रुकने की स्थिति में यह मशीन विद्युत झटके के माध्यम से हृदय को पुनः सक्रिय करती है, जिससे आपात स्थिति में मरीज को आवश्यक समय मिल सके। एयरपोर्ट जैसे उच्च-यातायात वाले सार्वजनिक स्थलों पर अएऊमशीन का होना अत्यंत आवश्यक है। यह अचानक हृदय गति रुकने (सडन कार्डियक अरेस्ट) जैसी आपात स्थितियों में त्वरित सहायता प्रदान कर जीवन बचाने में सहायक हो सकती है। रांची रोटरी क्लब के अध्यक्ष गौरव बागरॉय ने कहा, बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर एईडी मशीन की उपलब्धता यात्रियों और कर्मचारियों दोनों की सुरक्षा को सुनिश्चित करेगी। आपातकालीन चिकित्सा सहायता तक त्वरित पहुंच जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर पैदा कर सकती है। यह कदम हमारे सामुदायिक कल्याण और सार्वजनिक सुरक्षा प्रयासों का हिस्सा है। झारखंड के प्रमुख हवाई अड्डे, बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर रोजाना हजारों यात्री आवागमन करते हैं। ऐसे में, यहां अएऊमशीन की स्थापना न केवल यात्रियों बल्कि एयरपोर्ट कर्मचारियों के लिए भी एक सुरक्षा कवच साबित होगी।

सीएम के निर्देश पर रांची के परिक्षेत्रीय (जोनल) पुनर्विकास की पहल शुरू

राजधानी के हृदयस्थली स्थित प्रमुख सड़कों का गुणात्मक सुधार करें: प्रधान सचिव

- ♦ सड़कों की कम से कम खुदाई कर पाइप लाइन बिछाने का निर्देश
- ♦ रविद्र भवन का कार्य जल्द से जल्द पूरा करने का एजेंसी को आदेश

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर राजधानी रांची के परिक्षेत्रीय पुनर्विकास की पहल शुरू हो गयी है। इस क्रम में नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने शुक्रवार को रांची के प्रमुख मार्गों का भौतिक निरीक्षण किया। राज्य सरकार की पेयजल उपलब्धता की प्राथमिकता को देखते हुये प्रधान सचिव ने रूक्का में निमार्णाधीन जल शोधन संयंत्र का मुआयना भी किया। इसके अलावा राजधानी में सांस्कृतिक गतिविधियों को गति प्रदान करने के उद्देश्य से निमार्णाधीन रविद्र भवन का निरीक्षण किया।

पूरे निरीक्षण के क्रम में प्रधान सचिव के साथ सुडा निदेशक अमित कुमार , रांची नगर निगम के प्रशासक संदीप कुमार, जुडको के पीडीटी गोपालजी , पीडीए अरविंद कुमार मिश्र, पीडीएफ अमित चक्रवर्ती, जीएम एस सेनगुप्ता, डीजीएम आलोक कुमार, डीपीडी उत्कर्ष मिश्र, पीएम शितांषु वैभव, पीएम अनुराग कुमार, पीएम शशांक शेखर , डीपीएम राहुल कुमार, डीपीएम प्रत्युष आनंद, डीपीएम ऋजु श्रीवास्तव और एपीएम अभिषेक कुमार उपस्थित रहे।

पेयजला पूर्ति के लिए ससमय कार्य पूरा करने का निर्देश

प्रधान सचिव सुनील कुमार ने रूक्का जलागार स्थित निमार्णाधीन जल शोध संयंत्र का निरीक्षण किया । उन्होंने एजेंसी और जुडको के अभियंताओं को आगामी गरमी के मौसम को देखते हुये जल शोधन संयंत्र का काम ससमय पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने रांची शहरी पेयजलापूर्ति से संबंधित पाइप लाइन के नेटवर्किंग का नक्शा भी देखा और पाइप लाइन बिछाने के कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पाइप बिछाने के क्रम में कम से कम सड़क की कटाई एवं खुदाई की जाये। प्रधान सचिव ने जुडको के अभियंताओं को तिलता चौक से रातू पिस्का मोड़ तक पाइप बिछाने के काम में आ रही बाधा पर एनएचआई के साथ समन्वय बना कर काम करने का निर्देश दिया।

रांची का जोनल पुनर्विकास के लिए सड़कों का सुंदरीकरण

प्रधान सचिव सुनील कुमार ने जुडको द्वारा रांची के परिक्षेत्रीय विकास से संबंधित तैयार किये गये प्रस्तावों को बारीकी से देखा और रांची नगर निगम क्षेत्र के समेकित पुनर्विकास के लिए चिह्नित विभिन्न सड़कों और चौक चौराहों का भौतिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में प्रधान सचिव कचहरी चौक, चडरी मार्ग और नियोजन कार्यालय स्थित मार्ग के विकास से संबंधित संभावनाओं को देखा। वर्तमान में उन मार्गों की वस्तुस्थिति को देखने के बाद उन्होंने कई आवश्यक दिशा निर्देश जुडको के अभियंताओं को दिया। कुमार ने अभियंताओं से कहा कि यह सभी मार्ग राजधानी की हृदयस्थली में स्थित हैं। इनकी स्थिति में संयुक्त गुणात्मक सुधार की जरूरत है। इसलिए सड़क यातायात एवं आम नागरिकों की सुविधा से जुड़ी सभी पहलुओं को प्राथमिकता देते हुये प्रस्ताव को त्वरित अंतिम रूप से तैयार किया जाये। उन्होंने निर्देश दिया कि पुनर्विकास कार्यक्रम के तहत सड़कों का सतह नवीनीकरण करते हुये गुणवत्ता के साथ विकास किया जाये। सड़कों पर समुचित ड्रेनेज सिस्टम की व्यवस्था की जाये। पैदल चलने वाले राहगीरों को आरामदायक फुटपाथ के साथ खूबसूरत स्ट्रीट लाइटिंग का इंतजाम किया जाये। साथ ही सड़कों पर डेकोरेटिव लाइट लगाये जायें। जनसुविधा के निमित्त शौचालय और ट्राफिक बूथ का निर्माण कराया जाये। सड़कों के डिवाडर का तकनीकी रूप से सुयोग्य विकास एवं उन्नयन कार्य किये जाये। डिवाडरों पर आकर्षक पौधे भी लगाये जायें।

रविद्र भवन के काम में तेजी लायें

प्रधान सचिव सुनील कुमार ने निमार्णाधीन रविंद्र भवन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने एजेंसी को निर्देश दिया कि राशि की कमी नहीं होगी समय पर राशि उपलब्ध होगी इसलिए जल्द से जल्द काम पूरा किया जाये। प्रधान सचिव ने पूरे रविद्र भवन के निर्माण कार्यों सधनता से अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि राज्य की संस्कृति पर आधारित इस सांस्कृतिक रविद्र भवन के संचालन के लिए दिल्ली के भारत मंडपम की नियमावली का अध्ययन भी किया जाये।

पौष मेला में सजेगा बंग परिवेश, परंपरा के साथ पारंपरिक व्यंजनों से रूबरू होंगे शहरवासी

बंगाली युवा मंच चैरिटेबल ट्रेस्ट की ओर से जेल पार्क में होगा दो दिवसीय आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची : भगवान बिरसा मुंडा स्मृति पार्क (जेल पार्क) अगले दो दिनों तक बंग परिवेश में ढला नजर आयेगा. बंगाली युवा मंच चैरिटेबल ट्रेस्ट की ओर से 28 और 29 दिसंबर को पौष मेला का द्वितीय संस्करण आयोजित होगा. शहरवासियों के लिए यह पारंपरिक मेला निःशुल्क होगा. जिसके लिए प्रवेश द्वार ईस्ट जेल रोड स्थित गेट से तय किया गया है. मेला में पहुंचने वाले आगंतुक बंग समुदाय की परंपरा और पारंपरिक व्यंजनों से रूबरू हो सकेंगे. प्रवेश द्वार से ही बंग परिवेश की सज्जा नजर आयेगी. पारंपरिक ढेका, चलनी, टुकरी और ताड़ के पत्ते से बने हाथ पंखे से परिवेश को सजाया गया है. दो दिवसीय पौष मेला के दौरान सांस्कृति कार्यक्रम के साथ-साथ कई प्रतियोगिताएं भी होगी. यह बातें ट्रस्ट के मुख्य संरक्षक सुप्रियो भट्टाचार्य ने शुक्रवार को आयोजित प्रेस मीट के दौरान कहीं. उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के बाद देश में सात दिन का राष्ट्रीय शोक की घोषणा की गयी है. इसे देखते हुए आयोजन समिति ने मेला के उद्घाटन समारोह को सादगीपूर्ण तरीके से संपन्न कराने का निर्णय लिया है. तय कार्यक्रम के मुताबिक शनिवार, 28 दिसंबर को दोपहर एक बजे से मेला शुरू हो जायेगा, इसका विधिवत उद्घाटन शाम 05:30 बजे निर्धारित किया गया है.

रंगमंच के साथ होगा कलामंच

दो दिवसीय पौष मेला में राज्य समेत आस-पास के राज्यों से कलाकार अपनी प्रस्तुति देने पहुंचेंगे. 28 दिसंबर को सुबह एक बजे से पेंटिंग एंड ड्रॉइंग का आयोजन होगा, इसमें कलाकार अपने हस्तकला का प्रदर्शन करेंगे. वहीं, शाम छह बजे फैशन शो होगा. इसमें मॉडल बंगला परिधान के साथ राज्य के पारंपरिक परिधान को पेश करेंगे. वहीं, शाम 06 :40 बजे से मौलाली रंगशिल्पी कोलकाता की ओर से हांस्य नाटक का मंचन होगा. वहीं, शाम 07 :30 बजे से सारेगामा कोलकाता के फेम गुरुजीत सिंह अपनी प्रस्तुति से उत्सव का माहौल तैयार करेंगे. वहीं, 29 दिसंबर को पेंटिंग, छऊ गुरु ललित कुमार महतो और टीम की ओर से छऊ नृत्य की प्रस्तुति देने पहुंचेंगे. देर रात तक तय आयोजन में डांसर्स गिल्ड कोलकाता के कलाकार की ओर से नृत्यनाटिका की प्रस्तुति होगी. वहीं, मेला का समापन सारेगामा कोलकाता फेम अर्पिता चक्रवर्ती के गीतों के साथ होगी.

स्टॉल में स्थानीय व पारंपरिक हस्तशिल्प व व्यंजन

मेला परिसर में 17 स्टॉल आगंतुकों के लिए सजाये जायेंगे. यहां झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओड़िसा के हस्तशिल्प और कलाकृतियों से लोग परिचित हो सकेंगे. इन स्टॉलों में बंग समुदाय के पारंपरिक खाद्य व्यंजनों का भी लुत्फ उठाया जा सकेगा. प्रेस मीट के दौरान ट्रस्ट के अध्यक्ष सिद्धार्थ घोष (राजा दा), अमित दास, गौतम साहा, सुभज्योति चटर्जी, विश्वजीत भट्टाचार्य, बिरेन चक्रवर्ती, अनुप चक्रवर्ती समेत अन्य उपस्थित थे.

गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों के लिए बड़ी खबर, 15 जनवरी तक करें आवेदन

बिभा संवाददाता

- 15 जनवरी 2025 तक ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करना है
- फील्ड वेरिफिकेशन में सफल विद्यालय को मान्यता प्रदान की जाएगी

रांची : उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के निदेर्शानुसार शुक्रवार को झारखंड शिक्षा परियोजना रांची के कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला शिक्षा अधीक्षक रांची सह नोडल पदाधिकारी शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009, बादल राज के द्वारा जिले में संचालित गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों के संबंध में बैठक आयोजित कि गई।

इस बैठक में अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी एवं प्रभाग प्रभारी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान जिला शिक्षा अधीक्षक के द्वारा रांची जिले में कुल 766 गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय संचालित हैं उसपर विचार किया गया एवं प्रभाग प्रभारी को निर्देश दिया गया की अगले दो दिनों के अंदर गैर मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों को मान्यता से संबंधित ऑनलाइन आवेदन सरकार के वेबसाइट पर, वैसे सभी गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय, जहाँ किसी भी स्तर पर वर्ग 1 से 8 की पढ़ाई होती है, को शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के प्रावधान के अनुरूप अनिवार्य रूप से मान्यता प्राप्त किया जाना है।

जानकारी हो कि 15 जनवरी 2025 तक ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करना है। प्राप्त आवेदन को ऑनलाइन स्क्रुटनी जिला स्तर पर 20 जनवरी तक किया जाएगा। जिला स्तर ऑनलाइन स्क्रुटनी में सफल विद्यालय का 20 फरवरी 2025 तक फील्ड वेरिफिकेशन किया जाएगा । 20 फरवरी 2025 तक जिला प्रारंभिक शिक्षा समिति की बैठक आयोजित कर फील्ड वेरिफिकेशन में सफल विद्यालय को मान्यता प्रदान की जाएगी। असफल विद्यालय को उन्हें कारण सहित सूचित किया जाएगा ।

राज्य में बारिश और कोहरे के साथ बढ़ेगी ठंड

बिभा संवाददाता

रांची। राज्य में 28 और 29 दिसंबर को राजधानी रांची सहित कई जिलों में बारिश की संभावना है। झारखंड में पश्चिमी विक्षोभ का असर होगा, जिससे बारिश होगी। साथ ही 29 दिसंबर को बारिश के बाद से कोहरा छाया रहेगा। बादल के हटते ही राज्य में कनकनी बढ़ेगी। मौसम विभाग के अनुसार, 28 दिसंबर को गढ़वा, पलामू, हजारीबाग, कोडरमा, चतरा, गिरिडीह, लातेहार, लोहरदगा, रामगढ़, गुमला, रांची, सिमडेगा और खूंटी जिलों में हल्के दर्जे की जबकि 29 दिसंबर को रांची, गुमला, खूंटी, पूर्वी-पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला में मध्यम दर्जे की बारिश का अनुमान है।

राजधानी रांची सहित राज्य में शुक्रवार को सुबह में कोहरा और आंशिक रूप से बादल छाए रहे। मौसम विभाग के अनुसार, एक और दो जनवरी को राज्य में कोहरा छाया रहेगा। धीरे-धीरे मौसम साफ होगा।

मृतक की मां के बयान पर स्कूटी मालिक सहित पांच के खिलाफ प्राथमिकी, एक ने किया सरेंडर

बिभा संवाददाता

रांची। मधुकम रूगड़ीगढ़ा में रहने वाले समीर आइंद उर्फ सन्नाटा की पिटाई से हुई मौत के मामले में सुखदेवनगर थाना में शुक्रवार को हत्या की प्राथमिकी दर्ज की गयी है। मृतक की मां कुसुम आइंद के बयान पर मामले में लक्ष्मण मिस्त्री, पुकंलू, विकास कुमार, महेश कुमार सहित एक अन्य को आरोपित बनाया गया है।

प्राथमिकी दर्ज होने के बाद लक्ष्मण विश्वकर्मा (मिस्त्री) ने सुखदेव नगर थाना में सरेंडर कर दिया। उल्लेखनीय है कि समीर आइंद उर्फ सन्नाटा पर स्कूटी चोरी का आरोप लगा कर स्कूटी मालिक लक्ष्मण विश्वकर्मा (मिस्त्री) सहित अन्य आरोपितों ने मारपीट की थी। इलाज के दौरान समीर की रिम्स में मौत हो गयी थी। कुसुम आइंद ने प्राथमिकी में कहा है कि वह मूल रूप से खूंटी जिला के कर्रा थाना क्षेत्र के जरिया गोविंदपुर की रहने वाली है। वर्तमान में मधुकम के झारखंड चौक में बहन जूली कच्छप के घर में रहती है। 24 दिसंबर को रूगड़ी गढ़ा निवासी सभी नामजद आरोपित हमारे पैतृक गांव जरिया गोविंदपुर गये और वहां से मेरे बेटे समीर आइंद को स्कूटी चोरी का आरोप लगा रूगड़ीगढ़ा ले आये। इसके बाद उसके साथ बुरी तरह से मारपीट की। जब वह गंभीर रूप से घायल हो गया, तो आरोपित उसे झारखंड चौक पर छोड़ कर भाग गये। वहां काफी देर तक समीर गंभीर स्थिति में तड़पता रहा। इसकी सूचना मिलने पर वह झारखंड चौक पहुंची। पुत्र को ई-रिक्शा से सदर अस्पताल लाकर उसे भर्ती कराया। वहां चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया। इलाज के क्रम में समीर आइंद की देर रात मौत हो गयी। कुसुम आइंद ने प्राथमिकी में कहा है कि उसके पुत्र की मौत पांचों आरोपितों के जरिये की गयी पिटाई के कारण हुई है।

नये वर्ष में मार्च-अप्रैल तक नामकोम स्थित ईएसआईसी में 300 बेड के अस्पताल प्रारंभ हो जायेगा

मेडिकल कॉलेज के संचालन से चिकित्सकों की कमी दूर होगी:राजीव रंजन

बिभा संवाददाता

रांची : कर्मचारी राज्य बीमा निगम, झारखण्ड के क्षेत्रीय निदेशक राजीव रंजन एवं अन्य विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में आज चैंबर भवन में नियोक्ताओं की एक बैठक संपन्न हुई। क्षेत्रीय निदेशक ने कहा कि नियोक्ता हमारे मुख्य स्टेकहोल्डर्स हैं। चिकित्सकीय सुविधा में सुधार के लिए बीमा निगम द्वारा नियोक्ता और बीमितों के फीडबैक से सुधार के निरंतर प्रयास हो रहे हैं। नये वर्ष में मार्च-अप्रैल तक नामकोम स्थित 300 बेड के अस्पताल का संचालन प्रारंभ हो जायेगा। ईएसआइसी द्वारा इस वर्ष देश भर में 10 नये मेडिकल कॉलेज खोलने का प्रस्ताव दिया गया है जिसके तहत नामकोम में भी एक मेडिकल कॉलेज प्रस्तावित है। अगले सत्र से मेडिकल कॉलेज भी शुरू होगा। मेडिकल कॉलेज के संचालन से चिकित्सकों की कमी दूर होगी और इससे चिकित्सकीय सेवा में भी बेहतर सुधार होगा।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा किये जा रहे प्रयासों की प्रशंसा करते हुए चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी ने सभी नियोक्ताओं से इसका लाभ लेने की अपील की। निगम की योजनाओं से नियोक्ता और कर्मचारी अधिकाधिक लाभान्वित हो सकें, इस हेतु उन्होंने इस प्रकार के शिविर का आयोजन राज्य के प्रत्येक जिले में करने का सुझाव भी दिया। श्रम उप समिति चेयरमेन प्रमोद सारस्वत ने निगम के पोर्टल में सुधार, ईएसआईसी अस्पताल से प्राइवेट अस्पताल में मरीज को रेफर करने में परेशानी, ईएसआईसी अस्पताल में चिकित्सकों की कमी, बीमा निगम की योजनाओं पर नियमित रूप से जागरूकता कार्यशाला का आयोजन करने, जमशेदपुर स्थित अस्पताल का संचालन जल्द प्रारंभ करने, बीमितों की बढती संख्या को देखते हुए मेन रोड, रातू रोड और हरमू रोड में डिसपेंसरी खोलने की बात कही। बीमितों और नियोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु प्रत्येक माह ऑनलाइन सुविधा समागम बैठक का आयोजन पुनः प्रारंभ करने के कार्यकारिणी सदस्य संजय अखौरी के आग्रह पर क्षेत्रीय निदेशक ने सहमति जताई। राजधानी रांची में बीमितों की बढती संख्या को देखते हुए हटिया क्षेत्र में एक अतिरिक्त अस्पताल के निर्माण का प्रस्ताव देने की बात पर क्षेत्रीय निदेशक ने इसपर विचार के लिए आश्वस्त किया। उन्होंने यह भी कहा कि अब बीमित व्यक्ति विशेषज्ञ डॉक्टर्स से ऑनलाइन अपायंटमेंट भी ले सकते हैं।

नियोक्ताओं द्वारा रखी गई समस्या पर क्षेत्रीय निदेशक ने अवगत कराया कि रांची से बाहर के जिलों के बीमितों को ईलाज के लिए रांची पर निर्भर नहीं रहना पडे तथा उनका ईलाज जिले में ही हो सके, इस हेतु निगम द्वारा प्राइवेट अस्पताल के डॉक्टर्स को इंपैनल किया जा रहा है। अगले एक-दो माह में सुधार देखने को मिलेंगे। पलामू, खूंटी, साहेबगंज, गोड्डा में डॉक्टर इंपैनल किये गये हैं। चैंबर अध्यक्ष के आग्रह पर उन्होंने आश्वस्त किया कि निगम द्वारा जल्द ही एक सूचि चैंबर को सौंपी जायेगी, जिसमें इसका उल्लेख रहेगा कि कौन से विशेषज्ञ डॉक्टर किस जिले में किस दिन उपलब्ध रहेंगे।

बीमा निगम के अभिषेक कुमार ने चिंता जताते हुए कहा कि तुपुदाना और ओरमांझी के डिसपेंसरी में रोजाना औसतन एक मरीज आते हैं। जबकि इस क्षेत्र में औद्योगिक इकाइयां और प्रतिष्ठान हैं। इस क्षेत्र के मरीजों को अपने ईलाज के लिए क्षेत्र में स्थित डिसपेंसरी में आना चाहिए। चचाओं के क्रम में निगम और चैंबर द्वारा संयुक्त रूप से क्षेत्र में जागरूकता कैंप लगाने का निर्णय लिया गया। कार्यशाला के दौरान रिबर्समेंट के विलंब में होनेवाली कठिनाई भी रखी गई। यह बताया गया कि रिम्बर्समेंट की समस्या में सुधार के लिए मेडिकल बोर्ड की संख्या बढाई गई है। नियोक्ताओं के आग्रह पर अधिकारियों ने टाटा रोड में भी डीसपेंसरी की व्यवस्था पर विचार की बात कही।

उपाध्यक्ष राहुल साबू, ज्योति कुमारी और महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने बीमा निगम की सेवाओं में सुधार के लिए अपने विचार साझा किये। कार्यशाला का धन्यवाद ज्ञापन सह सचिव नवजोत अलंग ने किया। बैठक में चैंबर के सह सचिव विकास विजयवर्गीय, कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य संजय अखौरी, मुकेश अग्रवाल, साहिज्य पवन, श्रम एवं ईएसआईसी उप समिति चेयरमेन प्रमोद सारस्वत, सदस्य किशन अग्रवाल, राजीव चौधरी, शषांक भारद्वाज, राजीव सहाय, सुनिल टिबडेवाल, राजकुमार गुप्ता, सौरव बोस, बिनय जोशी, अभिषेक पाठक, निर्भय सिंह, निरंजन कुमार के अलावा ईएसआईसी के सहायक निदेशक अभिषेक कुमार, डॉ राजेश प्रसाद, बरूण कुमार समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे। उक्त जानकारी प्रवक्ता सुनिल सरावगी ने दी।

संक्षिप्त खबरें

इनॉक्स कंपनी के मजदूरों की समस्याओं का समाधान

बोकारो/बिभा संवददाता। शुक्रवार को बोकारो के सेक्टर नाइन झारखंड क्रांतिकारी मजदूर यूनियन कार्यालय में इनॉक्स इंडिया एयर एप्रोडक्ट कंपनी में कार्यरत विभिन्न ठेका मजदूरों की समस्याओं को लेकर महामंत्री डीसी गोहाई के नेतृत्व में बैठक किया गया। बैठक में कंपनी के ठेकेदार के साथ वार्तालाप कर मजदूरों के मांगों पर सहमति बनी। ज्ञात हो की इससे पूर्व इनॉक्स एयर प्रोडक्ट कंपनी के ठेका मजदूरों की समस्याओं को लेकर समाहरणालय के पास जोरदार प्रदर्शन करते हुए बोकारो के उपायुक्त को ज्ञापन सौपा गया था। उपयुक्त महोदय ने उप श्रमायुक्त बोकारो को निर्देश देते हुए कहा था संबंधित मांगों पर तत्काल समाधान का रास्ता निकाला जाए। इसी क्रम को लेकर आज शुक्रवार को कंपनी और मजदूरों के बीच बैठक की गई और मजदूरों की समस्या के निपटने पर सहमति बनी। बैठक में इस्लाम अंसारी, प्रदीप तुरी, बबलू रजवार, जहांगीर हुसैन, बुधन हेंब्रम, रमेश कुमार, अलाउद्दीन, विश्वनाथ महतो, रहमत अंसारी सहित दर्जनों मजदूर उपस्थित थे।

घर पर आग लगने से हजारों की सम्पत्ति जलकर खाक

बोकारो/बिभा संवददाता। चंदनकियारी प्रखण्ड पंचायत नयावन पाबराटांड़ के कुंती देवी पति सीताराम महतो के घर अचानक आग लग जाने से हजारों की संपत्ति जलकर खाक हो गया। घर मे रखा चावल, धान, सरकारी कागजात, नगदी रुपये, बर्तन, बच्चों की पुस्तक सहित अन्य समान जल गया। सीताराम महतो मजदुरी करने सियालजोरी गया था। कुंती देवी घर बंद करके जंगल लकड़ी के जुगाड़ में गयी थी। घर कोई नहीं था। बच्चे घर के बाहर खेल रहे थे। घर पर अचानक आग की लपक देखने पर हल्ला करने पर ग्रामीण जुटे तथा ग्रामीण की तत्परता से आग पर काबू पाया गया। अग्नि शामक की गाड़ी पहुंची लेकिन तबतक आग बुझा लिया गया था। पीड़ित कुंती देवी ने उपायुक्त से आवास व आपदा प्रबंधन योजना के लाभ की मांग की है। आग लगने की खबर सुनते ही मुखिया रीता देवी, मुखिया प्रतिनिधि गोवर्धन शेखर, बार्ड सदस्य पहुंचे। हरसंभव आपदा प्रबंधन के तहत सरकारी लाभ दिलाने का आश्वासन दिया। मुखिया ने आर्थिक मदद किया। जेएलकेएम नेता सह पुर्व प्रत्याशी अर्जुन राजवार को जानकारी मिलतें ही पीड़ित परिवार से मिलकर हरसंभव मदद करने का आश्वासन दिया। उन्होंने सरकारी प्रावधान के तहत सरकारी लाभ देने का भरोसा दिलाया।

बनगडिया ओपी भवन निर्माण को लेकर बैठक

बोकारो/बिभा संवददाता। बोकारो जिला के बनगडिया ओपी भवन निर्माण को लेकर चंदनकियारी सीओ के पत्रांक 1763 के आलोक में पंचायत नयावन के पंचायत भवन में पंचायत मुखिया रीता देवी की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक मे भवन निर्माण को लेकर कर मुखिया, पंचायत समिति, बार्ड सदस्य व ग्रामीणों की उपस्थिति में विस्तृत चर्चा व विचार विमर्श किया गया। भवन निर्माण मौजा पर्वतपुर मौजा नंबर 204, खाता 236, प्लोट नंबर 697 , रकवा एक एकड़ 73 डीसमिल मे होना है।बैठक में बार्ड सदस्य सोमा मंडल, आमवाती देवी, सुभा देवी, लक्ष्मण महतो, बबीता सिंह, निमाई रवानी, संकुंतला देवी, मधुसूदन गोराई, अमृत कुमार, सरीता कुमारी ग्रामीण आदि उपस्थित थे। बैठक के पुर्व भारत के पुर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शौक सभा कर आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मोन धारण किया गया।

एमजीएम स्कूल बोकारो की जूडो टीम झारखंड राज्य प्रतियोगिता के लिए रवाना

बोकारो/बिभा संवददाता। एमजीएम स्कूल बोकारो की 40 सदस्य टीम झारखंड राज्य जूडो प्रतियोगिता के लिए जी डी गोयंका पब्लिक स्कूल नामकुम रांची के लिए रवाना हुई राज्य प्रतियोगिता का आयोजन 28 एवं 29 दिसंबर को किया जाएगा बोकारो जूडो संघ के सचिव राजीव सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ी जनवरी मैं पुणे महाराष्ट्र में होने वाले राष्ट्रीय सब जूनियर एवं सीनियर राष्ट्रीय जूडो में भाग लेंगे चयनित होने वाले खिलाड़ियों में अंशु कुमार पार्थ नारायण प्रिंस कुमार पांडे प्रियांशु राज सिंह राजवीर सिंह सिद्धार्थ कुमार शुभ कुमार आयुष पटेल सत्यम केसरी शशांक कुमार आयुष कुमार अर्पित टोप्पो हर्षवर्धन सिंह प्रिंस कुमार सोलंकी अभिनव संकल्प साक्षी सिंह सोलंकी आयशा रंजन प्राची कुमारी प्रियदर्शनी सिंह जया कुमारी प्रियांशी गौरव रिचानंद आराध्या रावत प्रवीण कुमार धानांतर कुमार शुभम कुमार सक्षम कुमार ऋतिक वर्मा ओम आनंद राहुल कुमार इत्यादि खिलाड़ियों के साथ पुरुष वर्ग टीम कोच आयुष कुमार ठाकुर टीम मैनेजर चिन्मय कुमार वहीं महिला वर्ग में टीम कोच साक्षी श्रीवास्तव टीम मैनेजर जैबा नाज साथ में दीपक रंजन निर्णायक की भूमिका में अथवा आयुष पाठक सहायक प्रशिक्षक के रूप में रहेंगे इस अवसर पर बोकारो जूडो संघ के पदाधिकारी ने खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन पर की उम्मीद जताई तथा बोकारो जूडो संघ के अध्यक्ष विनय आनंद ने सभी खिलाड़ियों को जीत की शुभकामनाएं भेंट की।

ट्रेक्टर की चपेट आने से चार वर्षीय बच्चे की मौत

घटना के बाद ग्रामीणों ने किया दांतु खेतको चलकरी पथ जाम

बिभा संवाददाता

बोकारो। कसमार थाना क्षेत्र अंतर्गत दांतू-खेतको-चलकरी पथ के सोनपुरा गांव करमाली टोला के मदन करमाली घर के सामने गुरुवार सुबह ट्रेक्टर की चपेट में आने से एक बच्चे की मौत हो गई। बताया जाता है कि खेतको की ओर से आर रही अवैध बालू लदे एक ट्रेक्टर तथा कसमार की ओर से बालू बेचकर लौटने के क्रम में दोनों ट्रेक्टर का सीधी भीड़ंत हो जाने से खाली ट्रेक्टर मदन करमाली के बरामदे की मुड़ गया जिससे बरामदे में बैठे दोनों बच्चों को चपेट ले लिया। जिससे श्रीयांश करमाली (4वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं ढ़ाई वर्षीय बच्ची रिद्धिमा कुमारी को भी हल्की चोटें आई। ग्रामीणों के सहयोग से दोनों बच्चों को बीजीएच ले जाया गया जहां ईलाज के दौरान श्रीयांश की शाम को मौत हो गई। वहीं

रिद्धिमा की प्राथमिक ईलाज के बाद घर ले आया गया। ईधर आक्रोशित ग्रामीणों ने दोनों ट्रेक्टरों को रोक कर दोनों चालकों को भी पकड़ कर पुलिस के जिम्मे कर दिया। उसके बाद मुआवजे की मांग को लेकर दांतू -खेतको-चलकरी पथ को जाम कर दिया। घटनास्थल पर सुबह से ही कसमार सीओ प्रवीण कुमार, थाना के अलावा पेटरवार व जरीडीह थाना प्रभारी भी दल बल के साथ डटे रहे और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। घटना में मृत बच्चा श्रीयांश करमाली युधिष्ठिर करमाली का पुत्र था। उग्र ग्रामीणों के साथ पुलिस की खूब कहा सूनी हुई। ग्रामीणों का कहना था कि पुलिस अवैध बालू ढो रहे वाहनों पर नकेल कसे जो तेज़ रफ़्तार में 24 घंटे धड़ल्ले से बालू की ढुलाई करते हैं। वहीं जेएलकेएम नेत्री पूजा कुमारी ने पुलिस प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस प्रशासन की मिलीभगत से ही दांतू-खेतको-चलकरी पथ में अवैध बालू व कोयले की करोबार चल रही है। बिना नंबर लगे एक ट्रेक्टर खेतको निवासी अख्तर अंसारी तथा दूसरा ट्रेक्टर कामेश्वर यादव की है। अख्तर अंसारी की गाड़ी में बालू लदा था तथा दूसरा कामेश्वर यादव की गाड़ी कसमार की और बालू बेचकर खेतको जा ही रहा था। मौके पर जिप सदस्य अमरदीप महाराज, जेएलकेएम नेत्री पूजा महतो, सोनपूरा मुखिया चन्द्रशेखर हेम्ब्रम , दांतू मुखिया चन्द्रशेखर नायक, जेएलकेएम नेता भुनेश्वर महतो, प्रशांत कुमार महतो, अरविंद सिंह, उपेंद्र करमाली, कसमार थाना प्रभारी भजनलाल महतो, जरीडीह थाना प्रभारी विक्रम कुमार सिंह , पेटरवार थाना प्रभारी राजू कुमार मुंडा जिला पुलिस दलबल, चौंकीदार समेत दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

पदाधिकारी, कर्मियों ने मौन रख दी श्रद्धांजलि

पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह को किया नमन

बिभा संवाददाता

बोकारो। शुक्रवार को समाहरणालय स्थित प्रथम तल्ले पर उपायुक्त विजया जाधव की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पदाधिकारियों कर्मियों ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. डा. मनमोहन सिंह को दो मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि दी एवं नमन किया।

मौके पर उप विकास आयुक्त गिरजा शंकर प्रसाद, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर, जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खालखो, जिला भू अर्जन पदाधिकारी द्वारिका बैठा, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मो. सफीक आलम, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डा. सुमन गुप्ता, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, सभी कार्यालयों के कार्यालय प्रधान/कर्मी आदि उपस्थित थे।

वहीं, प्रखंड सह अंचल कार्यालयों में भी संबंधित बीडीओ/सीओ की अध्यक्षता में दो मिनट का मौन रख कर पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस्पातांचल स्वदेशी मेला 2025 के लिए भूमि पूजन संपन्न, मेला 6 जनवरी से

बिभा संवाददाता

बोकारो। स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित इस्पातांचल स्वदेशी मेला 2025 का भूमि पूजन आज दिनांक 27 दिसंबर 2024 को मजदूर मैदान जनवृत - 4 में 11.30 बजे महानगर संघचालक रणजीत बरनवाल के करकमलों से हुआ I मेला की जानकारी देते हुए प्रान्त मेला प्रमुख दिलीप कुमार वर्मा ने कहा कि मेले परिसर का निर्माण कार्य आज से ही आरंभ हो जायेगा। मेले में छोटे बडे. कुल 143 स्टॉल होगें 10 दिवसीय इस्पातांचल स्वदेशी मेला 6 जनवरी से आरम्भ हो कर 15 जनवरी 2025 तक चलेगा। देश के कोने कोने से स्टॉलधारक अपने अपने प्रान्तों के कलाकृति के साथ इस प्रदर्शनी में सहभागी बनेंगे। अब तक खादी के कपड़े, सहारनपुर के फर्नीचर, भदोही के कारपेट, बनारस के बनारसी साड़ी, पंजाबी फुलकारी, पंजाबी जूती, राजस्थानी जूती, राजस्थान का मशहूर अचार, बड़ी, फर्नीचर, उषा के सिलाई मशीन, कोचीना का चिमनी,

आशियाना जैसे मशहूर बिल्डर, गुजरात की कसीदाकारी कपड़े गैस चूल्हे ,टीवीएस मोटरसाइकिल ,टाटा पावर, लाल्स के टमाटर केचप बच्चों के लिए झुले के साथ खाने पीने का स्टॉल के साथ बोकारो स्टील प्लांट, सेंट्रल कोलफील्ड लिमिटेड जैसे कंपनियां का स्टॉल बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े संस्थान एवं छोटे-बड़े उद्योग से संबंधित स्टॉल इस मेले का आकर्षण का केन्द्र होगा। क्षेत्रीय संयोजक अमरेन्द्र सिंह ने कहा कि स्वदेशी जागरण मंच स्वदेशी मेला के द्वारा युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने का काम कर रहा है जिसके माध्यम से यह मेला लाखों लोगों का जिविका का साधन बना है। भूमि पूजन में प्रांत के संपर्क प्रमुख अजय कुमार चौधरी जिला संयोजक प्रमोद कुमार सिन्हा, जयशंकर प्रसाद नवीन कुमार सिन्हा ददन प्रसाद, पूनम सिन्हा, अनुजा सिंह मनोरमा चौधरी आशा सिन्हा, राधा सिंह, ममता वर्मा, रीता सिन्हा, नीलम सिंह, दीपक कुमार, सुरेश सिन्हा, मनीष श्रीवास्तव, कृष्णा राय, बिनोद कुमार ,संजीव कुमार, श्याम मंडल, अवधेश सिंह, हरिओम एवं अन्य कार्यकर्ताओं के अलावा दर्ज़नों पत्राकार बंधु उपस्थित थे।

दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

बिभा संवाददाता

बोकारो। चिन्मय विद्यालय बोकारो में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड नई दिल्ली के द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। कार्यशाला का विषय ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर था। जिसमें 80 विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य , उप-प्राचार्य, सीनियर शिक्षक एवं शिक्षक उपस्थित थे। उन्होंने इस कार्यशाला का लाभ उठाया। कार्यशाला का शुभारंभ रवि प्रकाश, प्रमुख, सी.ओ.ई, सी.बी.एस.ई पटना, शैलेश कुमार सोनी, उपनिदेशक आई.एस.टी.एम (भारत सरकार), आशीष बोस, राघवेंद्र कुमार, अनुभाग अधीकारी सी.बी.एस.ई, पटना ज्योति प्रसाद, सी.बी.एस.ई, पटना चिन्मय विद्यालय के सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा, उप-प्राचार्य नरमेंद्र कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया।

विद्यालय प्राचार्य सूरज शर्मा ने सभी मुख्य अतिथियों, वक्ताओं, विभिन्न विद्यालय से आए प्राचार्य, उप-प्राचार्य एवं शिक्षकों का स्वागत करते हुए कहा कि सी.बी.एस.ई नई दिल्ली लगातार यह प्रयास करते रहती है कि उसके विद्यालय के शिक्षक नित्य नए तरीके से अपडेट रहे। जिससे वे विद्यालय में अध्यनरत बच्चों को नई शिक्षा नीति एवं उसकी पद्धति के माध्यम से शिक्षा प्रदान कर सके। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर कि इस कार्यशाला से अनुभव प्राप्त कर विभिन्न विद्यालयों में नई शिक्षा नीति के प्रति और अधिक जागरूक बढेगी ।

कार्यशाला के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री एवं महान अर्थशास्त्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर दो मिनट मौन रख कर श्रद्धांजली अर्पीत की गई।

विस्थापितों ने बीटीपीएस के गेट पर दिया धरना

बोकारो। बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी के 500 मेगावाट वाले पावर प्लांट गेट के समक्ष गुरुवार को पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत विस्थापित एवं स्थानीय संघर्ष समिति ने पांच सूत्री मांगों को लेकर धरना दिया. नेतृत्व समिति के सचिव वाजिद हुसैन, केंद्रीय कमेटी के महासचिव बालेश्वर यादव, अध्यक्ष करीमुद्दीन अंसारी, बोकारो जिला भाकपा माले के पंचानन मंडल कर रहे थे. धरना आंदोलन को बेरमो विधायक कुमार जयमंगल का समर्थन प्राप्त था. धरना को संबोधित करते हुए उपरोक्त नेताओं ने डीवीसी प्रबंधन हमेशा से विस्थापितों की मूलभूत मांगों को अनसुना कर उनके साथ सौतेला व्यवहार करता आ रहा है. प्रबंधन विस्थापितों की मांगों पर गंभीरता से विचार कर पूरा नहीं करता है तो एक पखवारे के बाद पावर प्लांट गेट पर चक्का जाम आंदोलन चलाया जायेगा. मौके पर पर दिनेश यादव, छत्रधारी गोप, मिथिलेश रजवार, कृष्णा कुमार, रोशन आरा, सुरेंद्र घांसी, मुबारक अंसारी, हरीश यादव, संजय रजवार, रवींद्र कुमार, एनुल अंसारी, मंटू यादव, बबली अंसारी, हबीब अंसारी सहित सैकड़ों विस्थापित मौजूद थे।

डीपीएस चास, बोकारो के विद्यार्थियों ने लिया पिकनिक का आनंद

बिभा संवाददाता

बोकारो। अपने छात्रों के लिए एक सकारात्मक और समृद्ध वातावरण बनाने के लिए डीपीएस चास, बोकारो ने दिनांक 26 एवं 27 दिसंबर को विद्यालय परिसर में ही विद्यार्थियों के लिए एक आनंददायक पिकनिक का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को एक अवकाश प्रदान करना, सौहार्द और विश्राम को बढ़ावा देना था। विद्यार्थियों ने हँसी मजाक, खेल, गीत-संगीत, नृत्य सहित अनेक गतिविधियों से भरे दिन का आनंद लिया। इस कार्यक्रम ने न केवल शैक्षणिक दिनचर्या से छुटटी प्रदान की, बल्कि छात्रों के बीच टीम निर्माण और सामाजिक संपर्क को भी प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विद्यालय की चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस मोहन ने केक काटकर बच्चों के साथ

मिलकर पिकनिक का आनंद उठाया। उन्होंने विद्यालय द्वारा आयोजित ऐसे कार्यक्रमों के महत्व पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पिकनिक जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए आवश्यक हैं। इस तरह का आयोजन एक जीवंत विद्यालयीय वातावरण के निर्माण में योगदान देते हैं। तथा इससे अध्ययन में मानसिक शांति, सुकून व शारीरिक स्फूर्ति तथा एकाग्रता आती है। इस अवसर पर डीएस मेमोरियल सोसायटी चास के सचिव सुरेश अग्रवाल ने भी बच्चों के साथ पिकनिक का आनंद उठाया तथा उन्हें ढेर सारी बधाइयाँ दी।

कथारा वाशरी में ठेका सप्लाई मजदूरों ने किया प्रदर्शन

बोकारो। सीसीएल कथारा क्षेत्र अंतर्गत कथारा वाशरी परियोजना में ठेका सप्लाई मजदूरों ने रोजगार सहित कई मांगों को लेकर असंगठित मजदूर कांग्रेस (इंटक) के बैनर तले गुरुवार को परियोजना वन फाइव कार्यालय परिसर में प्रदर्शन किया. इंटक नेता इसराफिल अंसारी उर्फ बबनी, संतोष कुमार आस एवं मुर्शीद अंसारी ने कहा कि गत कई वर्षों से कथारा वाशरी में 117 एवं स्वांग वाशरी में 42 ठेका सप्लाई मजदूर उत्पादन से जुड़े विभिन्न सेक्शनों में कार्यरत थे, जिनका पांच माह का वेतन भी बकाया है. उक्त मजदूरों ने जब बकाया राशि भुगतान का आवाज बुलंद की तो तत्कालीन क्षेत्र के जीएम बीके सिंह ने स्थानीय प्रबंधन को मौखिक आदेश देकर गत 25 नवंबर 2016 से उन्हें काम से बैठा दिया।

शिक्षकों की व्यावसायिक क्षमता निर्माण के लिए जॉय ऑफ लर्निंग फाउंडेशन के साथ एमओए

बिभा संवाददाता

बोकारो। बीएसएल के सीएसआर विभाग ने मिडिल और हाई स्कूल विज्ञान शिक्षकों को व्यावसायिक क्षमता निर्माण प्रदान करने के लिए जॉय ऑफ लर्निंग फाउंडेशन के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए. मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास), मनीष जलोटा, तथा निदेशक (जॉय ऑफ लर्निंग फाउंडेशन) अंशुमाला गुप्ता कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे. कार्यक्रम में नीरज त्रिपाठी, वरीय प्रबंधक (सीएसआर), शिक्षकगण तथा सीएसआर विभाग के संतोष कुमार शामिल थे. एमओए के अनुसार, विज्ञान शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला 30 दिसंबर, 2024 तक बोकारो स्टील सिटी में जारी रहेगी. इस कार्यक्रम में 45 चयनित शिक्षकों का एक समूह कार्यशाला में भाग लेगा। पहला कार्यशाला

डीएवी इस्पात पब्लिक स्कूल, सेक्टर-8 में आयोजित किया गया और यह आने वाले महीनों में निर्धारित चार कार्यशाला श्रृंखला का एक हिस्सा है. इसका उद्देश्य मध्य और उच्च विद्यालय के विज्ञान शिक्षकों के लिए व्यावसायिक क्षमता निर्माण करना है. कार्यशाला में भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और पर्यावरण विज्ञान में मौलिक महत्व के विषय शामिल होंगे. प्रशिक्षण से वैचारिक स्पष्टता बनाने के लिए पूछताछ, व्यावहारिक प्रयोग और तर्क करने की क्षमता विकसित होगी और अनुभव, अवलोकन और सिद्धांत के बीच अंतर को पाटने का लक्ष्य रखा गया है।

वेदांता ईएसएल ने अगरबत्ती निर्माण इकाई का किया उद्घाटन

बिभा संवाददाता

बोकारो। ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक कदम बढ़ाते हुए, वेदांता ईएसएल ने दृष्टि फाउंडेशन के सहयोग से अपनी प्रमुख महिला सशक्तिकरण पहल, प्रोजेक्ट जीविका के तहत अगरबत्ती (अगरबत्ती) निर्माण इकाई का उद्घाटन किया। नई इकाई का उद्देश्य मधुनिया में महिलाओं को कौशल-आधारित प्रशिक्षण और उद्यमशीलता के अवसरों से लैस करके उनके लिए स्थायी आजीविका बनाना है।

वेदांता ईएसएल द्वारा दृष्टि फाउंडेशन के सहयोग से महिला सशक्तिकरण की एक प्रमुख पहल, प्रोजेक्ट जीविका का उद्देश्य कौशल-आधारित प्रशिक्षण और आजीविका सृजन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की

सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बढ़ाना है। यह परियोजना महिलाओं को बांस हस्तशिल्प, मुर्गी पालन, मशरूम की खेती और डिटर्जेंट उत्पादन जैसे विभिन्न व्यवसायों में सूक्ष्म-उद्यमों को विकसित करने के लिए आवश्यक ज्ञान और उपकरणों से लैस करने पर केंद्रित है। बाजार से जुड़ाव पर विशेष जोर देते हुए, जीविका ने हजारों महिलाओं के जीवन को बदल दिया है, आत्मनिर्भरता और स्थायी आजीविका को बढ़ावा दिया है। भारतीय बाजार में अगरबत्ती की बढ़ती मांग और स्थानीय महिलाओं द्वारा व्यक्त की गई रुचि को देखते हुए, अगरबत्ती निर्माण इकाई को परियोजना जीविका के तहत प्रमुख अवसर के रूप में पहचाना गया। यह पहल न केवल ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देती है, बल्कि स्थानीय रूप से उपलब्ध कच्चे माल का उपयोग भी करती है जो पर्यावरणीय स्थिरता के लिए वेदांता ईएसएल की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। बोकारो के मधुनिया में अगरबत्ती निर्माण इकाई का उद्घाटन समारोह सम्मानित अतिथियों, वेदांता ईएसएल के सीएसआर प्रमुख कुणाल दरिपा, दृष्टि फाउंडेशन के प्रोजेक्ट लीड राजीव रंजन, मधुनिया पंचायत के मुखिया प्रदीप कुमार और वार्ड सदस्य अब्दुल जब्बार की उपस्थिति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बोलते हुए, वेदांता ईएसएल के सीएसआर प्रमुख कुणाल दरिपा ने कहा, "वेदांता ईएसएल में, हम आर्थिक और सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने में महिलाओं की परिवर्तनकारी शक्ति में विश्वास करते हैं। जीविका परियोजना के तहत अगरबत्ती निर्माण इकाई कौशल विकास और उद्यमिता के माध्यम से हमारी महिलाओं को सशक्त बनाने की एक पहल है। हमें ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और अपने समुदायों में सार्थक योगदान देने के लिए उपकरण और अवसर प्रदान करने पर गर्व है।"

इस पहल को स्थानीय समुदाय से अपार समर्थन मिला है और कई महिलाओं ने इस इकाई द्वारा लाए जाने वाले अवसरों के बारे में आशा व्यक्त की है। लाभार्थियों को बड़े बाजारों से जोड़कर, यह इकाई ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने का केंद्र बनने के लिए तैयार है।

21वां बोकारो ओपन बास्केटबॉल चैंपियनशिप 30 से 31 दिसंबर तक

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो के जनवृत 12 स्थित बास्केटबॉल कोर्ट में 21वा बोकारो ओपन बास्केटबॉल चैंपियनशिप 30से 31 दिसम्बर तक आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता में बोकारो की लगभग 30 टीमें भाग लेगी। प्रतियोगिता में अंडर 14 बालक एवं बालिका, किड्स ग्रुप एवं सीनियर टीम भी भाग ले रही है। सभी मैच लीग मैच के आधार पर कराई जाएगी। प्रतियोगिता के संयोजक डॉ उमाकांत सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि प्रतियोगिता के माध्यम से नए खिलाड़ियों के प्रतिभा को निखारना, बास्केटबॉल के नए नियमों की जानकारी साझा करना, नए पुराने खिलाड़ियों का समावेश कराना मुख्य उद्देश्य है। यह प्रतियोगिता पिछले 21 वर्षों से लगातार अपने निर्धारित समय पर सफलतापूर्वक आयोजित किया जा रहा है। इसके आयोजन सभी पुराने एवं नए खिलाड़ी बढ़ चढ़ कर भाग लेते हैं। प्रतियोगिता में ही बेहतर प्रदर्शन के आधार पर अंडर 14, 16 के बालक एवं बालिका खिलाड़ियों का चयन भी किया जाएगा एवं चयनित खिलाड़ियों को आगामी प्रतियोगिता के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। खिलाड़ियों के रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 28 दिसम्बर एवं टीमों का चयन 29 दिसंबर को शाम में 5 बजे किया जाएगा। प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए राम नारायण पंडित, राम लखन मिस्त्री, विजय मिंज,संजीव सिंह, मनिंदर कुमार,सुधीर कुमार, निखिल ओझा, रण विजय ओझा, मनोज दुबे एवं सभी वरीय खिलाड़ियों ने शुभकामनाएं दी।

संक्षिप्त खबरें

मुरहू के पाण्डु घाट बालू के लिए वैध उपलब्धता का शुभारंभ

खूँटी/बिभा संवाददाता। बालू की वैध उपलब्धता सुनिश्चित करने और अवैध खनन पर रोक लगाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा झारखंड राज्य खनिज विकास निगम अंतर्गत संचालित मुरहू प्रखंड स्थित पाण्डु बालू घाट से बालू खनन शुरू किया है। उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने कहा कि बालू की वैध उपलब्धता सुनिश्चित कराने को लेकर जिला प्रशासन लगातार प्रयासशील है, इसी दिशा में मुरहू के पाण्डु घाट का शुभारंभ किया गया है, जिससे आमजनों को आसानी से बालू उपलब्ध हो सके और बालू की कालाबजारी पर पुर्णतया विराम लगाया जा सके। उन्होंने कहा कि यह कदम जिले में निर्माण कार्यों को सुगम बनाने और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायक होगा। लोगों से अपील किया गया है कि वे अधिकृत घाटों से बालू खरीदें। प्रशासन का यह प्रयास जिले के विकास कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान करेगा। उल्लेखनीय है कि खूँटी जिला में झारखंड राज्य खनिज विकास निगम द्वारा संचालित डोड़मा एवं पाण्डु बालू स्टॉक यार्ड से बालू खरीदी जा सकती है, इसके लिए वेबसाइट jsmdc-sand.jharkhand.gov.in पर पंजीकरण कर बालू प्राप्त किया जा सकता है। साथ ही, 6 निजी स्टॉक यार्ड भी क्रियाशील है। इनमें सोदे रनिया, बकसपुर जरियागढ़, अरमेरा तोरपा, सर्गेया अड़की, मेरोमबीर रनिया एवं तपकरा स्थित स्टॉक यार्ड शामिल है। पर्यावरणीय स्वीकृति मिलने के पश्चात जल्द हीं रनिया के सोदे बालू घाट से भी आमजनों को बालू उपलब्ध हो सकेगा।

जिलेभर में हो रही सड़क दुर्घटना से सुरक्षा के लिए उपायुक्त ने लिये बैठक

खूँटी/बिभा संवाददाता। समाहरणालय स्थित सभागार में शुक्रवार को उपायुक्त ने सड़क सुरक्षा से संबंधित बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात प्रबंधन, एवं सड़क सुरक्षा को लेकर व्यापक चर्चा की गई। उपायुक्त ने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की पहचान कर वहां रम्बल स्ट्रिप एवं साइनेज बोर्ड लगाना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, शहरी क्षेत्रों में सड़क जाम एवं अतिक्रमण की समस्याओं के समाधान के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने यह भी कहा कि सड़क पर यातायात नियमों का पालन कराने के लिए नियमित वाहन जाँच अभियान चलाया जाए। हिट एण्ड रन जैसी घटनाओं पर रोकथाम के लिए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, साथ ही पीड़ित परिवारों को निर्धारित समय पर मुआवजा भुगतान की जाए। सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया गया कि सड़क सुरक्षा से संबंधित योजनाओं को प्राथमिकता के साथ लागू किया जाए ताकि दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। बैठक में एसडीपीओ, जिला परिवहन पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, पुलिस विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया।

जिले प्रशासन ने वृद्धा आश्रम में रह रहे बुजुर्गों को किया कंबल वितरण

खूँटी/बिभा संवाददाता। बढ़ती ठंड को ध्यान में रखते हुए सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा संचालित कंबल वितरण योजना के तहत उपायुक्त, उपविकास आयुक्त , प्रखंड विकास पदाधिकारी आदि ने शुक्रवार देर शाम वृद्धाश्रम का दौरा किया। उपायुक्त ने वृद्धाश्रम में व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया और बुजुर्गों से बातचीत कर उनकी जरूरतों और समस्याओं को समझा। उन्होंने आश्रम प्रबंधन को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और सुनिश्चित किया कि ठंड के मौसम में आश्रम में रहने वाले सभी बुजुर्गों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएँ। साथ ही, इस दौरान उन्होंने आश्रम में रह रहे बुजुर्गों के बीच कंबलों का वितरण कर उन्हें ठंड से राहत प्रदान की।

जिले में 39.5 एकड़ भूमि पर लगे अफीम फसल किया गया विनष्ट

खूँटी/बिभा संवाददाता। जिलेभर में पुलिस प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे अफीम फसल विनष्टीकरण अभियान के क्रम में शुक्रवार को विभिन्न थाना क्षेत्रों में अवैध अफीम खेती के विरुद्ध खेतों तक पहुँच अफीम फसल विनष्टीकरण किया गया। इस दौरान खूँटी थाना क्षेत्र के ग्राम अरगोड़ी में 03 एकड़, मारंगहादा थाना क्षेत्र के नावाडीह में 08 एकड़, अड़की थाना क्षेत्र के ग्राम गुड बेड़ा में 05 एकड़, मुरहू थाना क्षेत्र के ग्राम तोनेर में 8.5 एकड़ सायको थाना क्षेत्र के ग्राम माइलबुरु के आस पास क्षेत्रों में करीब 15 एकड़ जिले में करीब 39.5 एकड़ में लगे अवैध अफीम की खेती को विनष्ट किया गया।

विस्थापित युवाओं को बीसीसीएल रोजगार दे : अमरदीप

कतरास। विस्थापित संघर्ष मोर्चा कोर कमेटी का बैठक आजसू कर्यालय निचितपुर में हुआ. बैठक की अध्यक्षता सोनू कुंभकार ने किया। मुख्य रूप से उपस्थित विस्थापित संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष अमरदीप महतो रहे बैठक में सर्व सहमति से निर्णय लिया गया की जमीन हमारा राज तुम्हारा नीति नहीं चलेगा। श्री अमरदीप महतो ने कहा कि विस्थापित युवाओं को बीसीसीएल प्रबंधक रोजगार दे अन्यथा तीव्र आंदोलन किया जाएगा।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में साफ़ सफाई रखें : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

खूँटी। जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सक अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने व अस्पतालों में साफ सफाई को प्राथमिकता दें। उक्त बातें उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग के समीक्षा के दौरान कही। शुक्रवार को समाहरणालय के सभागार में शुक्रवार को उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक की गई।

बैठक में मुख्य रूप से अस्पतालों में साफ़ सफाई, चिकित्सक एवं नर्स की उपस्थिति, मरीजों का जांच, मशीनों का शतप्रतिशत इस्तेमाल, रोगी कल्याण समिति की नियमित बैठक, एमटीसी बेड की शत प्रतिशत ऑक्यूपेंसी, ओपीडी/आईपीडी का संचालन, एएनसी रजिस्ट्रेशन, सिकल सेल, लक्ष्य के अनुरूप आयुष्मान कार्ड निर्माण एवं मरीजों को इसका लाभ समेत अन्य विषयों पर उपायुक्त ने गहन समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

इस दौरान उपायुक्त ने प्राथमिकता के आधार पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने को लेकर निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित एमओआईसी यह सुनिश्चित करें कि उनके स्वास्थ्य केंद्रों में अनिवार्य रूप से चिकित्सक एवं नर्स उपस्थित रहे, एवं नियमानुसार प्रतिदिन के रोस्टर का निर्धारण किया जाए। जिससे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में आने वाले मरीजों को इलाज कराने में समस्या ना हो। समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि बिना किसी कारण के समान्य मामलों को चिकित्सक रेफरल ना करें, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के स्तर से संभव इलाज को प्राथमिकता के आधार पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर ही करें। जिससे मरीजों को सदर अस्पताल का चक्कर लगाना न पड़े। सभी चिकित्सक इस बात का विशेष ख्याल रखें। इस बैठक में मुख्य रूप से अनुमंडल पदाधिकारी, सिविल सर्जन, सभी एमओआईसी समेत अन्य संबंधित उपस्थित थे।

गुमला में जलती चिता में बुजुर्ग को जिंदा झोंक दिया

बिभा संवाददाता

गुमला। गुमला जिले में एक खौफनाक घटना सामने आई है। सदर थाना क्षेत्र के कोराम्बी गांव में 60 वर्षीय बुजुर्ग को मारपीट के बाद जलती चिता में फेक दिया गया। इससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना के बाद से गांव में दहशत का माहौल है। मृतक की पहचान बुधेश्वर उरांव के रूप में हुई है। मृतक के बेटे संदीप उरांव ने बताया कि गुरुवार को गांव की बुजुर्ग महिला मंगरी उरांव कुएं पर नहाने के दौरान फिसलकर गिर गई थी। इससे उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद शाम को महिला का दाह संस्कार किया जा रहा था। इसी दौरान मंगरी उरांव के भाई झंड़ी उरांव और पुत्र करमापाल उरांव ने बुधेश्वर उरांव पर हमला कर दिया। मारपीट के उन्हें जलती चिता में फेंक दिया गया। सुबह जब बुधेश्वर उरांव घर नहीं लौटे तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। गांववालों से घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार मौके पर पहुंचा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। रांची से फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है। थाना प्रभारी सुरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर सरेंडर कर दिया है। बताया जा रहा है कि बुधेश्वर उरांव पहले ओझा-गुणी का काम करते थे, जिससे ग्रामीणों में डायन-बिसाही का शक था। पुलिस मामले की तह तक जाने की कोशिश कर रही है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई का भरोसा दिला रही है।

नीति आयोग के प्रदर्शन सूचकांक में कर्रा प्रखंड अव्वल, पुरस्कार राशि से सम्मानित

बिभा संवाददाता

खूँटी। नीति आयोग द्वारा आयोजित केंद्र स्तरीय समीक्षा बैठक में खूँटी जिले के कर्रा प्रखंड को शानदार प्रदर्शन करने साथ ही समूचे छठवाँ पूर्वी जोन में प्रथम स्थान हासिल करने हेतु 1.5 करोड़ रुपये की राशि पुरस्कार स्वरूप दिया गया।आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम अंतर्गत नीति आयोग शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण, बुनियादी ढाँचा, कृषि एवं सामाजिक विकास जैसे छह प्रमुख प्रक्षेत्रों में प्रगति की निगरानी करता है। इन क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रखंडों को प्रोत्साहन के रूप में अतिरिक्त संसाधन दिए जाते हैं ताकि विकास कार्यों को और अधिक प्रभावी तरीके से संचालित किया जा सके। कर्रा प्रखंड ने आकांक्षी प्रखंड के सभी छः प्रक्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति प्राप्त किया है। उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने कर्रा प्रखंड की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, यह हमारे जिले के लिए गर्व का क्षण है। यह पुरस्कार न केवल कर्रा प्रखंड की टीम और स्थानीय प्रशासन के प्रयासों का परिणाम है, बल्कि इसमें समुदाय की सक्रिय भागीदारी भी महत्वपूर्ण रही है। पुरस्कार राशि का उपयोग जन कल्याणकारी परियोजनाओं को गति देने और क्षेत्र में जीवन स्तर को बेहतर एवं सुदृढ़ बनाने के लिए किया जाएगा। उन्होंने प्रखंड की टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि नीति आयोग द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य करने और विकास में पारदर्शिता बनाए रखने का प्रमाण है। इस सफलता ने खूँटी जिले को राज्य और देशभर में एक नई पहचान दिलाई है।

एक सप्ताह में समाधान नहीं तो आंदोलन बढ़ेगा आगे : जगत महतो

बिभा संवाददाता

कतरास। अंचल कार्यालय बाघमारा में धरना दे रहे रैयतों का पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शुक्रवार को बाघमारा सीओ का पुतला दहन कार्यक्रम निर्धारित था। लेकिन तय समय मे स्थानीय पुलिस प्रशासन के हस्तक्षेप से धरना दे रहे रैयतों ने फिलहाल पुतला दहन कार्यक्रम को स्थगित कर दिया। बताया जाता है कि समस्याओं का निष्पादन नहीं होने के कारण शुक्रवार को लगभग 2:30 बजे रैयतों ने अंचल अधिकारी बाघमारा बाल किशोर महतो का पुतला दहन करने की तैयारी कर ली थी। सभी रैयत पुतला पकड़कर बाघमारा सीओ के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला में आग लगाने ही वाले थे कि बाघमारा सीओ के पहल पर स्थानीय प्रशासन ने पुतला दहन करने से रोक दिया। पुलिस के हस्तक्षेप से सभी रैयतों के साथ बाघमारा सीओ ने अपने कक्ष में वार्ता की। मीडिया को जानकारी देते हुए ग्राम स्वराज के संस्थापक जगत महतो व रैयत सह आरटीआई कार्यकर्ता अरबिन्द सिन्हा ने कहा कि बाघमारा सीओ ने आश्वासन दिया है कि 1 सप्ताह में सभी मामलों का बिंदुवार रूप से समाधान किया जाएगा। जगत महतो ने कहा कि 5 तारीख तक यदि रैयतों के मामलों का निष्पादन नही हुआ तो आंदोलन आगे बढ़ेगा जिसका जिम्मेदार अंचल अधिकारी बाघमारा होंगे। इधर बाघमारा सीओ ने मीडिया को बताया कि रैयतों के साथ सकारात्मक वार्ता हुई है। आगामी 5 जनवरी से 10 जनवरी के बीच सभी मांगों का बिंदुवार रूप से निष्पादन करने का आश्वासन दिया हूं। आज के कार्यक्रम में रैयत मुसीब अख्तर खान, सुमित्रा देवी, रैयत सह आरटीआई कार्यकर्ता अरबिन्द सिन्हा, विशाल कुमार महतो, तीता कुमारी उर्फ लक्ष्मी देवी, कैलाश रजवार, कमल महतो, दिलीप कु महतो, सलिक मिस्त्री, रूपेश रवानी, राजा राम महतो आदि उपस्थित थे।

जनप्रतिनिधि श्रेय न लेकर भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया के लिए आगे आएँ : दिलीप मिश्रा

खूँटी। जिले के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण चिर-प्रतिच्छित मांग बायपास सड़क निर्माण कार्य के लिए केंद्र सरकार के द्वारा प्रक्रिया पूरी करने के बाद अब भूमि अधिग्रहण का मामला अटक गया है। जिसके कारण बायपास का मामला अधर में लटक गया है। वहीं बाईपास की मांग पर कई तरह की बात आने से ग्रामीणों में आक्रोश है। वहीं जेवीएम के पूर्व जिलाध्यक्ष रहे समाजसेवी दिलीप मिश्रा ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को चाहिए कि बायपास सड़क निर्माण करना मुख्य मांग है। जिसे जनता के हित में कार्य करना चाहिए। वहीं जनप्रतिनिधि श्रेय लेना बंद करें व भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू करने के लिए कार्य कराए। ताकि जनता के हित में यह मांग पूरा हो सके। उन्होंने कहा कि बायपास का काम जितना जल्द शुरू होगा उतना जल्दी कार्य समाप्त होकर उपयोग में सड़क पर वाहन चलना शुरू होगा। उन्होंने कहा कि खूँटी का मार्ग विभिन्न राज्यों से होकर यहाँ से वाहन गुजरने से बोझ बढ़ गया है। जिससे कई तरह की समस्याएं उत्पन्न हो रही है। अगर यह मामला अटक गया तो सड़क से लेकर सदन तक जनता के इस मांग पर जनता की आवाज गूंजेगी।

गढ़वा जिले में पुलिस संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

बिभा संवाददाता

गढ़वा। भारतीय रिजर्व बैंक, राँची क्षेत्रीय कार्यालय ने गढ़वा जिले में पुलिस संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया। भारतीय रिजर्व बैंक, राँची कार्यालय के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन प्रसाद सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में दीपक कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक, गढ़वा, दिवयांश शुक्ला, प्रशिक्षु आईपीएस, राहुलदेव बड़ाईक, अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान), गढ़वा एवं पुलिस उपाधीक्षक एवं 50 अनुसंधानकर्ताओं ने भाग लियें। क्षेत्रीय निदेशक श्री सिंह ने अपने उद्घाटन संबोधन में राज्य स्तरीय समन्वय समिति और उसकी उपसमिति सहित विभिन्न महत्वपूर्ण समितियों और उनके सक्रिय सहयोग के महत्व का उल्लेख करते हुए हाल के वर्षो में हुई बैंकिंग प्रगति, तकनीकी नवाचार, बढ़ती सुविधाओं एवं जरूरी सावधानियों इत्यादि पर प्रकाश डाला और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इस दिशा में उठाये गये कदमों को रेखांकित किया। रिजर्व बैंक द्वारा विभिन्न क्षेत्रों और लक्षित समूहों के बीच व्यापक जन जागरूकता बढ़ाने के अभियानों की श्रृंखला की एक और कड़ी के रूप में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य मुख्य तौर पर पुलिस अधिकारियों को गैर निगमित इकाइयों द्वारा अनाधिकृत जमाराशियाँ एकत्र करने संबंधित मामलों, वित्तीय धोखाधड़ी एवं उनकी कार्यविधि एवं उनसे संबंधित कानूनी प्रावधानों इत्यादि से अवगत कराना है। अन्य उपयोगी जानकारियों एवं समर्थकारी प्रावधानों के साथ-साथ कार्यक्रम में अविनियमित जमाराशियों के निषेध संबंधी BUDS अधिनियम 2019 पर भी चर्चा की गई एवं इससे संबंधित जानकारियाँ साझा की गईं। इस अवसर पर भारतीय रिजर्व बैंक के शिकायत निवारण तंत्र यथा एकीकृत लोकपाल योजना एवं सचेत पोर्टल के बारे में भी खास तौर पर बताया गया।

भूमि अधिग्रहण को लेकर राज्य सरकार पर दबाव बनाएँ जनप्रतिनिधि : मनोज

खूँटी। नगर पंचायत क्षेत्र में वाहनों के बढ़ते बोझ से आवागमन व सड़क जाम की स्थिति से निजात दिलाने के लिए बायपास सड़क की मांग पर भारत सरकार द्वारा शहर के किनारे से बायपास पथ का निर्माण पर प्रक्रिया शुरू तो कर दी लेकिन भूमि अधिग्रहण क मामला अटका हुआ है। वहीं भूमि अधिग्रहण होते भी बायपास सड़क निर्माण का कार्य शुरू हो जायगा। वहीं पूर्व केंद्रीय मंत्री और खूँटी के पूर्व सांसद अर्जुन मुण्डा की पहल पर पथ एवं राजमार्ग मंत्री रहे नितिन गडकरी ने बायपास सड़क कि शिलान्यास भी कर दिया व उसकी निर्माण राशि भी तय कर दी। लेकिन अब भूमि अधिग्रहण का काम नहीं हुआ है। जिसपर पूर्व जिला सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार ने कहा कि सारा काम अर्जुन मुण्डा के पहले पर कर दिया जा चुका है।

निरसा के पलासिया जंगल में चल रही थी अवैध खदान, सीआईएसएफ ने कराई भराई

बिभा संवाददाता

धनबाद। सीआईएसएफ की टीम ने बीसीसीएल सीबी एरिया अंतर्गत निरसा के पलासिया जंगल में चल रही अवैध कोयला खदान का पर्दाफाश किया. बीसीसीएल प्रबंधन व सीआईएसएफ ने खदान के मुहाने की भराई शुरू कराई. गुरुवार को तीसरे दिन भी भराई की गई. मिली जानकारी के अनुसार, जंगल में छापेमारी में करीब 100 अवैध मुहाने पकड़े गए। सूत्रों ने बताया कि जंगल में प्रतिदिन शाम 4 बजे से इन खदानों में तस्कर कोयले का अवैध खनन शुरू कराते हैं. यहों 20 से 30 हजार अवैध कोयले की बोरियां देखने को मिलती हैं। क्षेत्र के फटीक चंद्र दास, रमेश चंद्र दास (दोनों गोपीनाथपुर), पिंटू यादव (भालुकसुंदा), रॉबिन गोराई, विकास गोराई, गौरांग गोराई, विधान गोराई व प्रेमानंद गोराई (सभी पलासिया के रहने वाले) यहां कोयले का अवैध कारोबार चला रहे हैं. इस सिंडिकेट को विशु गोराई नामक व्यक्ति संचालित करता है. स्थानीय लोगों के अनुसार, उसका कहना है कि यह जमीन उसकी है, रॉयल्टी दो और अवैध खदान खोलकर जितना मर्जी कोयला निकालो. इन अवैध खदानों से कोयला निकालकर आसपास के भट्ठों में खपाया जाता है।

चाँपी, गाड़ाटोली, मिटकोरा एवं उकड़ीमाड़ी में जंगली हाथियों के झुंड के संभावित खतरा से निषेधाज्ञा लागू

बिभा संवाददाता

खूँटी। कर्रा प्रखंड के जरिया गढ़ थाना क्षेत्र अन्तर्गत चाँपी, गाड़ाटोली, मिटकोरा, एवं उकड़ीमाड़ी गाँव में जंगली हाथियों के झुंड के विचरण के कारण संभावित खतरे को ध्यान में रखते हुए अनुमंडल दंडाधिकारी दीपेश कुमारी ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के तहत निषेधाज्ञा लागू किया है। उन्होंने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि यह निषेधाज्ञा 27 दिसंबर 2024 से 01 जनवरी 2025 के मध्याह्न 6:00 बजे तक प्रभावी रहेगी।

यह निर्णय उन्होंने तब लिया जब चाँपी गाँव में 21 हाथियों का झूंड जंगल से निकलकर खेतों में पहुँच गये और उन हाथियों के झूंड के पीछे सैकड़ों ग्रामीणों के दौड़ने का संज्ञान उन्हें मिला। जिस खतरे को देखते हुए निषेधाज्ञा लागू किया है। उन्होंने निर्देशित किया कि उपरोक्त वर्णित ग्राम के समीप वैसे सभी स्थल, जहाँ जंगली हाथियों का झुण्ड उपस्थित हो, 05 (पाँच) या उससे अधिक व्यक्तियों को किसी प्रकार से एकत्रित होने एवं आम रास्ता को किसी प्रकार के माँग को लेकर अवरूद्ध करने पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। यह निषेधाज्ञा कर्त्तव्य पर प्रतिनियुक्त सरकारी कर्मियों, बाजार-हाट या मेला में एकत्रित आम लोगों, मंदिर-मस्जिद, गिरजाघर में पूजा-अर्चना, शादी-विवाह के लिए आमंत्रित लोगों एवं शव यात्रा पर लागू नहीं होगा।

इन निषेधित क्षेत्रों में अनुज्ञप्त हथियारों को धारण करने पर निषेध लगाया गया है एवं किसी प्रकार का घातक हथियार / आग्नेयास्त्र या विस्फोटक पदार्थ लाने अथवा ले जाने की पूर्णतः मनाही है। हथियार में (वृद्ध एवं अपंगों के टहलने की छड़ी, नेपालियों का 6 की खुखरी व सिख समुदाय का कृपाण के साथ अपने कर्त्तव्य पर तैनात सुरक्षा कर्मी की लाठी या आग्नेयास्त्र को छोड़कर) साथ ही एक साथ 03 (तीन) से अधिक वाहनों (पुलिस / सरकारी वाहनो को छोड़कर) के परिचालन पर भी पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। निषेधित क्षेत्र में किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम के लिए पूर्वानुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

अनुमंडल दंडाधिकारी ने जनता से अपील किया है कि वे इस आदेश का पालन करें और जंगली हाथियों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। लोगों को सलाह दी गई है कि अनावश्यक रूप से भीड़ न लगाएं, जिससे अप्रिय घटनाओं को रोका जा सके। यह आदेश लोक परिशांति और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए लागू किया गया है। किसी भी उल्लंघन पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

चाँपी गाँव में 21 हाथियों के दल पहुँचने से ग्रामीणों में दहशत

खूँटी। जिले के जरिया गढ़ वन क्षेत्र वर्तमान में हाथियों का दल के विचरण को देख ग्रामीणों में दहशत सा बन गया है। जिसमें जरिया गढ़ थाना क्षेत्र के चाँपी गाँव में शुक्रवार सुबह से ही छोटा चाँपी गाँव के किनारे 21 हाथियों का दल अड्डा जमा दिया। जिसे देखने व भगाने के लिए बच्चे बड़े सभी गाँव से निकलकर हाथियों वाले जगह पहुँच गये और हल्ला मचाते हुए हाथियों के निकट पहुँच गये। जिससे खतरा का अंदेशा बढ़ा रहा था। कभी कभी हाथी पीछे मुड़कर मनुष्य के भीड़ की ओर भी दौड़ जाते थे। वहीं ग्रामीण स्थानांतरित करने के लिए एकजुट हुए और हाथी भगाओ दल के सहयोग से हाथियों को सुरक्षित रास्ता दिखाया जाने लगा। हालांकि हाथियों का झूंड टस से मस नहीं हो रहे थे। वहीं वन विभाग शाम को चाँपी गाँव पहुँची और फिर काफी प्रयास के बाद हाथियों को हाथी भगाओ दल द्वारा हाथियों को सुरक्षित जगह ले जाने में लग गए। ग्रामीण सुधीर सिंह ने बताया कि हाथी शुक्रवार सुबह से ही जंगल से निकलकर कर गांव के निकट खेत पर आ गये जिससे ग्रामीणों में डर समा गया है। वहीं 21 हाथियों के झूंड में शावक भी है जिससे हाथी को इधर उधर कर पाना मुश्किल हो गया लेकिन ग्रामीणों के एकजुटता के कारण अब उन्हें क्षेत्र से हटाया गया। लोगों ने बताया कि कुछ दिनों से हाथियों का दल चाँपी, गाड़ाटोली, मिटकोरा, एवं उकड़ीमाड़ी गाँवों में जंगली हाथियों के झुंड विचरण कर रहे हैं। जिससे जान–माल का खतरा बना हुआ रहता है।

महान अर्थशास्त्री असरदार सरदार डॉ मनमोहन सिंह

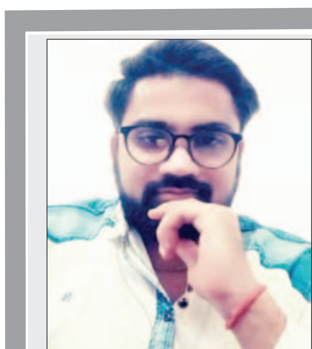

दिलीप कुमार पाठक

दुनिया के सबसे बड़े मुल्क अमेरिका के प्रभावशाली राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा था कि डॉक्टर मनमोहन सिंह जी जब बोलते हैं तो पूरी दुनिया सुनती है' हालांकि बहुत कम बोलते हैं लेकिन जितना भी बोलते हैं, कमाल बोलते हैं' पूरी दुनिया उनकी अर्थशास्त्र की जानकारी और उनके ज्ञान से प्रभावित रही है कैंब्रिज, ऑक्सफोर्ड, जैसे बड़े-बड़े विश्वविद्यालय में डॉक्टर मनमोहन सिंह के व्याख्यान भविष्य में विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन का काम करेंगे' ये मुकाम डॉक्टर मनमोहन सिंह की विद्वता को दशार्ता है, शायद इस मुल्कों को दोबारा ऐसा विद्वान प्रधानमंत्री मिले'

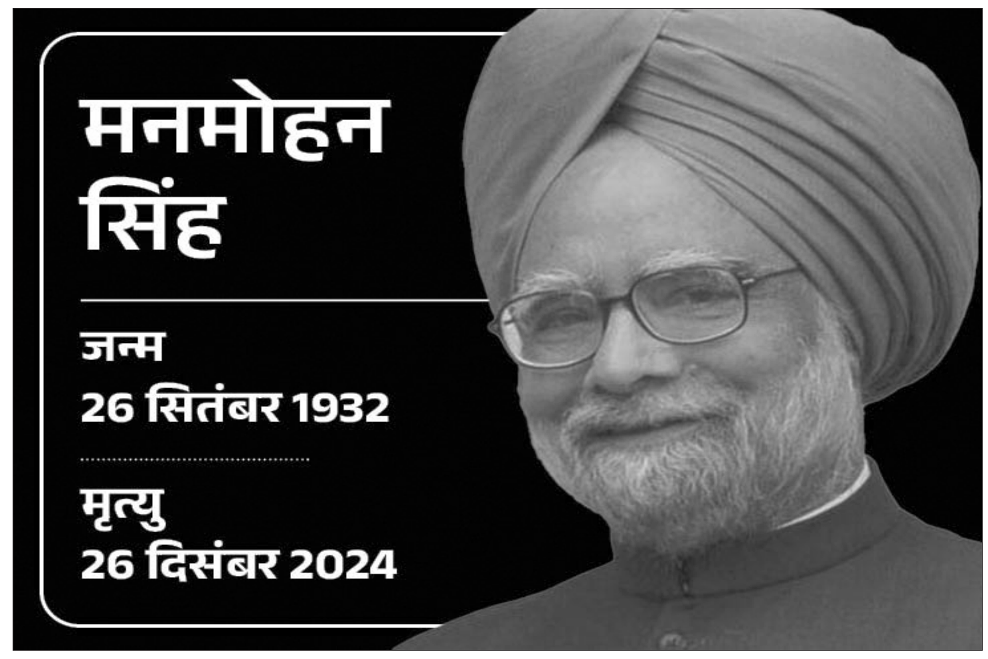

भारत देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह का निधन हो गया है, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, सहित पूरे देश सहित पूरी दुनिया के उनके शुभचिंतकों ने शोक व्यक्त किया है' डॉ मनमोहन सिंह का जाना भारतीय राजनीति में एक बड़ा नुकसान है' डॉ साहब जब आप पीएम थे तब मुल्क आपके साथ न्याय नहीं कर सका, आपको वो इज्जत नहीं दे सका जिसके आप हकदार थे' 2014 में एक इंटरव्यू में आपने कहा था, मेरा पूरा विश्वास है कि मौजूदा मीडिया और संसद में मौजूद विपक्षी पार्टियों की तुलना में इतिहास मेरे प्रति ज्यादा दयालु होगा मुझे लगता है इतिहास आपके साथ न्याय करेगा' अलविदा डॉ साहब ये मुल्क आपको डिजर्व नहीं करता था' डॉ मनमोहन सिंह दो बार प्रधानमंत्री जरूर बने लेकिन वे कभी भी खुद को राजनेता नहीं मानते थे, पार्टी के आदेश पर जीवन में सिर्फ. एक बार लोकसभा का चुनाव लड़े, लेकिन हार गए' मनमोहन सिंह को बहुत अच्छी तरह से पता था कि उनका राजनीतिक जनाधार नहीं है' उन्होंने कहा था, राजनेता बनना अच्छी बात है, लेकिन लोकतंत्र में राजनेता बनने के लिए आपको पहले चुनाव जीतना पड़ता है, और मैं चुनाव नहीं जीत सकता इसलिए मैं खुद को नेता नहीं मानता' फि र उन्होंने चुनाव से तौबा कर ली'

डॉ मनमोहन सिंह ने एक दशक अधिक समय तक अभूतपूर्व बढ़ोतरी और विकास का नेतृत्व किया। डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में, भारत ने अपने इतिहास में सबसे अधिक बढ़ोतरी दर देखी, जो औसतन 7.7% रही और लगभग दो ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनी, 1971 में डॉ. मनमोहन सिंह वाणिज्य मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार के रूप में शामिल हुए। 1972 में उनकी नियुक्ति वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार के रूप में हुई। उन्होंने वित्त मंत्रालय के सचिव; योजना आयोग के उपाध्यक्ष; भारतीय रिजर्व बैंक के अध्यक्ष; प्रधानमंत्री के सलाहकार; विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह 1982 से 1985 तक भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर थे। उनके कार्यकाल के दौरान बैंकिंग क्षेत्र से संबंधित व्यापक कानूनी सुधार किए गए और भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम में एक नया अध्याय जोड़ा गया और शहरी बैंक विभाग की स्थापना की गई। आरबीआई में अपने कार्यकाल के बाद, उन्होंने वित्त मंत्री नियुक्त होने से पहले कई पदों पर काम किया। वित्त मंत्री के रूप में उनका कार्यकाल इस तथ्य के लिए उल्लेखनीय था कि उन्होंने भारत में उदारीकरण और व्यापक सुधारों की शुरूआत की।

डॉ. मनमोहन सिंह ने 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मंत्री के रूप में कार्य किया जो स्वतंत्र भारत के आर्थिक इतिहास में एक निर्णायक समय था। आर्थिक सुधारों के लिए व्यापक नीति के निर्धारण में उनकी भूमिका को सभी ने सराहा है। भारत में इन वर्षों को उनके व्यक्तित्व के अभिन्न अंग के रूप में जाना जाता है। अर्थशास्त्र के जानकार कहते हैं कि डॉ मनमोहन सिंह अगर 1991 में वित्तमंत्री नहीं बने होते तो शायद भारत कभी भी आर्थिक आपातकाल से बाहर नहीं आता' बतौर वित्तमंत्री मनमोहन सिंह ने आर्थिक दर को जो आयाम दिया जिसके कारण आज भी भारत को फायदा होता है' वित्तमंत्री, प्रधानमंत्री आएंगे, जाएंगे लेकिन मनमोहन सिंह जी जैसा अर्थशास्त्र का जानकार उनके जैसा विद्वान शायद ही इस मुल्क को मिले इसलिए ही डॉक्टर मनमोहन सिंह को अर्थशास्त्र का आर्किटेक्ट कहा जाता है' डॉ मनमोहन सिंह जी को अब तक के भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में सबसे बेहतर वित्तमंत्री के रूप में याद रखा जाएगा' वहीं प्रधानमंत्री के रूप में उनके पहले कार्यकाल को स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा' आरटीआई, मनरेगा, फूड सिक्योरिटी बिल, परमाणु समझौता जैसे महान सुधारों के लिए याद किया जाएगा'

दुनिया के सबसे बड़े मुल्क अमेरिका के प्रभावशाली राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा था कि डॉक्टर मनमोहन सिंह जी जब बोलते हैं तो पूरी दुनिया सुनती है' हालांकि बहुत कम बोलते हैं लेकिन जितना भी बोलते हैं, कमाल बोलते हैं' पूरी दुनिया उनकी अर्थशास्त्र की जानकारी और उनके ज्ञान से प्रभावित रही है कैंब्रिज, ऑक्सफोर्ड, जैसे बड़े-बड़े विश्वविद्यालय में डॉक्टर मनमोहन सिंह के व्याख्यान भविष्य में विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन का काम करेंगे' ये मुकाम डॉक्टर मनमोहन सिंह की विद्वता को दशार्ता है, शायद इस मुल्कों को दोबारा ऐसा विद्वान प्रधानमंत्री मिले'

देश का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण, भारतीय विज्ञान कांग्रेस का जवाहरलाल नेहरू जन्म शताब्दी पुरस्कार

वर्ष के वित्त मंत्री के लिए एशिया मनी अवार्ड और वित्तमंत्री के लिए यूरो मनी अवार्ड , कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय का एडम स्मिथ पुरस्कार; कैम्ब्रिज के सेंट जॉन्स कॉलेज में विशिष्ट प्रदर्शन के लिए राइट पुरस्कार.. उनको जापानी निहोन किजई शिम्बुन एवं अन्य संघो की तरफ से सम्मानित किया जा चुका है। डॉ. मनमोहन सिंह को कैंब्रिज एवं ऑक्सफोर्ड और अन्य कई विश्वविद्यालयों की तरफ से मानद उपाधियां प्रदान की गई हैं। डॉ. मनमोहन सिंह ने कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों और सम्मेलनों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने 1993 में साइप्रस में राष्ट्रमंडल प्रमुखों की बैठक में और वियना में मानवाधिकार पर हुए विश्व सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया है। अपने राजनीतिक जीवन में उन्होंने 1991 से भारतीय संसद के उच्च सदन (राज्य सभा) के सदस्य रहे जहां वे 1998 से 2004 तक विपक्ष के नेता थे। वहीं डॉ. मनमोहन सिंह ने 2004 के आम चुनाव के बाद 22 मई 2004 को प्रधानमंत्री के रूप के शपथ ली और 22 मई 2009 को दूसरी बार प्रधानमंत्री बने। पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह को न केवल उनके विजन के लिए जाना जाता है, जिसने भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनाया, बल्कि उनकी कड़ी मेहनत और उनके विनम्र, मृदुभाषी व्यवहार के लिए भी जाना जाता है। वह एक ऐसे प्रधानमंत्री रहे हैं जिन्हें न केवल उन छलांगों और सीमाओं के लिए याद किया जाएगा, जिनसे उन्होंने भारत को आगे बढ़ाया, बल्कि एक विचारशील और ईमानदार व्यक्ति के रूप में भी याद किया जाएगा।

संपादकीय

दिल्ली की नौटंकी

राजधानी दिल्ली की राजनीति निंदा, आलोचना, समीक्षा, प्रशंसा आदि की हदों से पार हो गईहै। जब आपके सामने हो रहा नाटक आपकी कल्पनाओं को भी पीछे छोड़.दे तो आप कोई टिप्पणी करने की बजाय हैरत से सिर्फ तमाशा देखते हैं। दिल्ली में इस समय ऐसा ही तमाशा चल रहा है। आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल, जो हमेशा अपनी वाणी-व्यवहार के कारण सुर्खियों में बने रहने के मनोरोग की हद तक आदी हो गए हैं, इस समय दिल्ली में उन भावी योजनाओं को लेकर जो तब लागू की जाएंगी जब वह एक बार फिर चुनाव जीतकर मुख्यमंत्री पद पर आसीन हो जाएंगे। उनकी एक योजना है महिला सम्मान योजना जिसके तहत दिल्ली की प्रत्येक वयस्क मतदाता महिला को प्रति माह 2100 रुपये दिए जाएंगे और दूसरी संजीवनी योजना है जिसके अंतर्गत 60 साल से ऊपर के प्रत्येक बुजुर्ग का निशुल्क इलाज उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिएवे अपनी पार्टी के साथ पंजीकरण अभियान चला रहे हैं। इसमें केजरीवाल को कुछभी अटपटा नहीं दिखाई देता कि जो पंजीकरण किसी भी तर्क के अनुसार मुख्यमंत्री पद पर आसीन हो जाने के बाद कराया जाना था, वह मुख्यमंत्री बनने के लिए कराया जा रहा है। जाहिर है विरोधी दल इस योजना को अनैतिक और फ्रॉड़ बता रहे हैं लेकिन असल तमाशा यह है कि दिल्ली सरकार के जिन दो विभागों से ये योजनाएं संबंधित हैं, उन दोनों ने अधिसूचना जारी करके दिल्ली की जनता को सचेत किया है कि ये योजनाएं उनके विभागों में अधिसूचित नहीं हैं। इसलिए दिल्ली की जनता इनसे सावधान रहे। दूसरी ओर, भाजपा के नेता प्रवेश वर्मा अपने घर पर निर्धन महिलाओं, जो उनके क्षेत्रकी मतदाता हैं, को 1100 रुपये की नकद सहायता राशि उपलब्ध करा रहे हैं। उनका कहना है कि यह यह राशि अपने स्वयंसेवी संगठन के माध्यम से प्रदान कर रहे हैं। कोई कानून गरीब महिलाओं की मदद करने पर रोक नहीं लगाता। इस पर मुख्यमंत्री आतिशाी का कहना है कि वर्मा के घर करोड़ों की नकदी मौजूद है और ईड़ी, सीबीआई को कार्रवाई करनी चाहिए। पूरा देश इस नौटंकी को देखरहा है, कोईहंस रहा है, कोई क्षुब्ध हो रहा है, लेकिन इस नौटंकी के किसी भी पात्र को अपने गिरेबां में झांकने की फुर्सत नहीं है। यह बेहद दुखद स्थिति है जिससे निकलने के उपाय खोजे जाने चाहिए।

चिंतन-मनन

प्रोध पर काबू पाना सीखों

यदि आपको कोई कुत्ता कहता है तो आप उसे भौंकें नहीं बल्कि मुस्कुराएँ। गालियाँ देने वाला स्वयं ही शर्मिन्दा हो जाएगा। अन्यथा सचमुच कुत्ता बन जाओगे। यह बात राष्ट्रसंत मुनिश्री तरुण सागर जी महाराज ने प्रवचन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि यदि कोई आपको गालियाँ देता है और आप उसे स्वीकार नहीं करते तो वह गालियाँ उसी के पास रह जाती हैं। भगवान महावीर को भी लोगों ने गालियाँ दीं। उन्होंने कहा कि जीवन में शांति पाने के लिए प्रोध पर काबू पाना सीख लो। जिसने जीवन से समझौता करना सीख लिया वह संत हो गया। वर्तमान में जीने के लिए सजग और सावधान रहने की आवश्यकता है।

तथाकथित आधुनिक सभ्यता एवं पाश्चात्य संस्कृति का अनुकरण कर रही नई पीढ़ी को समझाइश देते हुए मुनिश्री ने कहा कि शादी करना है तो जागते हुए करो। परिजनों की मर्जी को दरकिनार कर घर से भागने की प्रवृत्ति आपके जीवन को अंधकारमय बना सकती है। उन्होंने युवतियों से कहा कि कभी भी घर से भागकर शादी मत करना। विधर्मी से शादी करने पर आपको वह सब भी करना पड़ सकता है जिसकी कल्पना आपने कभी न की होगी। उन्होंने कहा कि फिल्म के तीन घन्टे तथा जीवन में काफी अंतर होता है। वास्तु शास्त्र, ज्योतिष व धर्म के नाम पर पाखण्ड एवं ग्लैमर की चकाचौंध को लेकर श्रद्धालुओं को खबरदार करते हुए मुनिश्री ने कहा कि जिसके भाग्य में जो लिखा है वही मिलेगा और परेशान होने से कुछ अतिरिक्त प्राप्त नहीं होने वाला। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च सत्ता ईश्वर ही होता है और वह यदि आपसे नाराज है तो दुनिया की कोई ताकत या वास्तु शास्त्र आदि आपकी मदद नहीं कर सकता।

चुनावी पारदर्शिता का अभाव लोकतंत्र बनाम राजतंत्र

सनत जैन

भारत का लोकतंत्र, अपनी विविधता और पारदर्शिता के लिए जाना जाता है। संविधान के अंतर्गत संवैधानिक संस्थाओं का गठन हुआ था न्यायपालिका संवैधानिक संस्थाओं विधायिका और कार्यपालिका के सभी कार्यों की संवैधानिक एवं कानूनी समीक्षा कर निर्णय देती थी लेकिन पिछले 10 वर्षों में धीरे-धीरे संवैधानिक संस्थाएं और न्यायपालिका सरकार के ऊपर निर्भर होती चली जा रही हैं, जिसके कारण वर्तमान में संविधान संवैधानिक संस्थाओं और लोकतंत्र को बचाए रखना बड़ा मुश्किल नजर आ रहा है। चुनाव आयोग आज सबसे ज्यादा सवालों के घेरे में है न्यायपालिका ने पिछले 10 वर्षों में जिस तरह से सरकार के पक्ष में निर्णय दिए हैं उसके कारण न्यायपालिका की विश्वसनीय और साख भी कमजोर हुई है अब तो लोकसभा और राज्यसभा की आसंदी भी विवादों के घेरे में है। ऐसी स्थिति में चुनाव प्रक्रिया, जो लोकतंत्र की रीढ़ की हड्डी की तरह है, उसमें गड़बड़ी, पारदर्शिता की कमी और चुनाव आयोग को लेकर अविश्वास से लगातार चिंताएं बढ़ने लगी हैं। हाल ही में चुनाव आयोग और कानून मंत्रालय द्वारा जो नए संशोधन किए गए हैं। इन संशोधनों ने चुनाव आयोग की स्थिति को और अविश्वसनीय बना दिया है। विशेष रूप से हाल ही में कानून मंत्रालय द्वारा रूल 93/2 में किए गए संशोधन के बाद चुनावी दस्तावेजों को सार्वजनिक निरीक्षण से दूर कर दिया गया है। जिससे चुनावों की निष्पक्षता को लेकर जो गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं उसके बाद इसमें नया विवाद पैदा हो गया है। हाल ही में हरियाणा और मुंबई हाईकोर्ट द्वारा चुनाव आयोग को लेकर कुछ आदेश जारी किए गए थे। उनसे बचने के लिए यह संशोधन लाए गए हैं। जिसके कारण देश में एक बार फिर चुनाव आयोग और केंद्र सरकार की विश्वसनीयता और निष्पक्षता पर सवाल उठ खड़े हुए हैं। ईवीएम और वीवीपैट जैसे मुद्दे पर पहले से ही विपक्ष और नागरिक, समाज द्वारा न्यायपालिका में लड़ाई लड़ी जा रही है। लेकिन न्यायपालिका द्वारा सरकार और चुनाव आयोग के पक्ष में निर्णय किए जा रहे हैं। यहां तक कि चुनाव आयोग की पुरानी परंपरा और नियमों को दरकिनार करते हुए इस तरह के आदेश न्यायपालिका से जारी हो रहे हैं, जिसके कारण नागरिकों और राजनीतिक दलों में चिंता बढती ही जा रही है। अब केंद्र सरकार द्वारा चुनाव आयोग को अपार अधिकार देकर, उसे किसी भी प्रश्न से अछूता रखने तथा संवैधानिक जवाबदेही से बचाने का प्रयास किया गया है। इससे न केवल चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता एवं निष्पक्षता पर खतरा पैदा हो गया है, बल्कि जनता के विश्वास पर भी कुठाराघात हुआ है। कानून मंत्रालय ने यह संशोधन ऐसे समय पर किया है, जब चुनाव आयोग कटघरे में खड़ा हुआ है। चुनाव आयोग को लेकर कई याचिकाएं विभिन्न हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं। चुनावों में गड़बड़ी की संभावना और उसके खिलाफ सबूत जुटाने में विपक्ष और लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका को सीमित कर दिया गया है। हरियाणा और महाराष्ट्र के जो चुनाव परिणाम आए हैं, चुनाव आयोग द्वारा मतदान के रिकॉर्ड और मतगणना के रिकॉर्ड में लगातार परिवर्तन किए गए हैं। चुनावों में बीजेपी के बढ़ते प्रभुत्व और चुनाव आयोग की भूमिका से इस मुद्दे को और गंभीर बना दिया है। विपक्षी दलों की अपील और अदालतों में दाखिल याचिकाएं भी, संशोधनों के चलते बेअसर हो जाएंगी। एक तरह से यह नागरिक अधिकारों को खत्म करने जैसा माना जा रहा है। चुनाव आयोग को जिस तरह से किसी भी तरह की जवाबदेही से दूर करते हुए उसे अधिकार दिए जा रहे हैं। सरकार द्वारा चुनाव आयोग को दिए गए अधिकार, आपातकाल के दौरान नागरिकों के मौलिक अधिकार को कम करने और न्यायपालिका की शक्ति को कम करने जैसा ही माना जा रहा है। वर्तमान स्थिति मे आवश्यक है, चुनाव आयोग अपनी विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए पारदर्शिता को प्राथमिकता दे। केंद्र सरकार की जिम्मेदारी थी कि ऐसे समय पर वह इस तरीके के परिवर्तन ना करे जिससे लोगों के बीच में गलत संदेश जाए लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं है बल्कि यह लोकतंत्र में नागरिक अधिकार, जनता के विश्वास और संविधान की भावना के अनुरूप होना चाहिए। यदि जनता को चुनाव आयोग पर विश्वास नहीं रहेगा, कि उसके मत का सही उपयोग हो रहा है। ऐसी स्थिति में लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा। बांग्लादेश में चुनाव आयोग और सरकार ने मिलकर जरूर चुनाव जीत लिया था लेकिन जनता ने उस पर विश्वास नहीं किया और देखते ही देखते बांग्लादेश की प्रधानमंत्री को देश छोड़कर भागना पड़ा अन्य देशों में भी इसी तरीके की स्थितियां देखने को मिल रही हैं। वर्तमान में भारत में जिस तरह की परिस्थितियों बनी हुई है उसमें सरकार, चुनाव आयोग और न्यायपालिका को अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन इस तरह से करना होगा जिससे नागरिकों का विश्वास न्यायपालिका विधायिका और कार्यपाल का के साथ-साथ संवैधानिक संस्थाओं पर भी बना रहे अभी जिस तरह की स्थितियां दिख रही हैं। उसके बाद यह कहा जाने लगा है कि यह अघोषित आपातकाल है जो लोकतंत्र को राजतंत्र की ओर ले जा रहा है राजतंत्र और तानाशाह दोनों के स्वरूप एक से ही माने जाते हैं राजा जो चाहता है वह करता है। तानाशाह भी जो चाहता है, वह करता है। भारत में महंगाई बेरोजगारी आर्थिक मंदी तथा अर्थव्यवस्था में जिस तरीके के बदलाव देखने को मिल रहे हैं ऐसे समय पर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग ने जिस तरह की परिवर्तन किए हैं उसको स्वीकार कर पाना आम जनता के लिए शायद संभव नहीं होगा ऐसी स्थिति में यदि न्यायपालिका ने भी अपनी जिम्मेदारी ठीक तरह से नहीं निभाई तो भारत में भी वही सबको देखने को मिल सकता है जो बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे देशों में हुआ है।

प्रधानमंत्री के रूप में डॉ. मनमोहन सिंह का अतुलनीय योगदान

विश्वजीत कुमार सिंह
मीडिया प्रभारी
भाजपा, राँची महानगर

आर्थिक मामले और विदेश नीति के वास्तुकार, भारत के एक लाल पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, भारतीय राजनीति और अर्थव्यवस्था के एक महान नेता और विद्वान, आज हमारे बीच नहीं रहे।

यह निश्चित रूप से एक बहुत ही दुखद और शोकप्रद घटना है। परन्तु उनकी विरासत उनके योगदानों से जीवित रहेगी, जैसे भारत के आर्थिक सुधार, उनकी नेतृत्व क्षमता, और भारतीय राजनीति में उनके विचारशील दृष्टिकोण से। वे भारतीय राजनीति में एक स्थायी और सम्मानित स्थान रखते हैं।

डॉ.मनमोहन सिंह, भारतीय राजनीति और अर्थव्यवस्था के एक महान नेता और विद्वान रहे, 2004 से 2014 तक भारत के प्रधानमंत्री रहे। उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत ने कई महत्वपूर्ण आर्थिक और कूटनीतिक बदलाव देखे।

भारत के आर्थिक सुधार और विकास में डॉ. मनमोहन सिंह ने भारत की आर्थिक नीतियों में बड़े बदलाव किए, खासतौर पर आर्थिक उदारीकरण की प्रक्रिया को जारी रखा, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का महत्व बढ़ा।

भारत-अमेरिका परमाणु समझौता (2008)ः उन्होंने भारत और अमेरिका के बीच परमाणु समझौता किया, जिसने भारत को परमाणु ऊर्जा के वैश्विक बाजार में शामिल होने का अवसर दिया भारत वैश्विक स्तर पर मजबूत हुआ ।

सोशल वेलफेयर योजनाएँ लाकर उन्होंने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम जैसी योजनाओं को लागू किया, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़े और गरीबी में कमी आई।

वैश्विक कूटनीति में मनमोहन सिंह के नेतृत्व में भारत ने अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अपनी स्थिति मजबूत की और वैश्विक रिश्तों में सुधार किया।

उनके कार्यकाल के दौरान कुछ विवाद भी रहे, जैसे भ्रष्टाचार के आरोप और फैसलों को लेकर आलोचनाएं, लेकिन उन्होंने एक विचारशील और संतुलित नेतृत्व प्रदान किया।

मनमोहन सिंह का प्रधानमंत्री के रूप में योगदान भारतीय राजनीति में हमेशा याद किया जाएगा, और उनके ज्ञान और नेतृत्व को मान्यता प्राप्त है।

मनमोहन सिंह एक प्रमुख विद्वान और अर्थशास्त्री रहे हैं। उनकी शिक्षा और विशेषज्ञता उन्हें भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण स्थान देती है, विशेषकर आर्थिक नीतियों और वित्तीय मामलों में। उनके विद्वान होने के कुछ प्रमुख कारण निम्नलिखित हैंः

शिक्षा और अकादमिक पृष्ठभूमि

मनमोहन सिंह ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा भारत में की और इसके बाद उन्होंने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में मास्टर डिग्री प्राप्त की। इसके बाद, उन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से DPhil (डॉक्टरेट) की डिग्री प्राप्त की। उनका शैक्षिक दृष्टिकोण और अकादमिक उत्कृष्टता उनके विद्वान होने का सबसे महत्वपूर्ण प्रमाण है।

आर्थिक सुधारों के निमार्ता

1991 में जब वे भारत के वित्त मंत्री थे, तो उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को समृद्ध बनाने के लिए ऐतिहासिक आर्थिक सुधारों की शुरूआत की। उन्होंने भारत में आर्थिक उदारीकरण (लिबरलाइजेशन), निजीकरण और वैश्वीकरण (छढक्ष्) की नीति अपनाई, जो भारतीय अर्थव्यवस्था को वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धी बनाने में सहायक साबित हुई।

अर्थशास्त्र में गहरी समझ

मनमोहन सिंह ने भारतीय आर्थिक सुधारों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया और उनकी नीतियां आज भी भारतीय अर्थव्यवस्था में प्रभावी हैं। उनका विशेषज्ञता क्षेत्र विशेष रूप से आर्थिक नियोजन, वित्तीय नीति, और विकासशील देशों के लिए आर्थिक रणनीतियों में था।

वैश्विक स्तर पर पहचान

मनमोहन सिंह को अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा भी एक विद्वान अर्थशास्त्री के रूप में सम्मानित किया गया है। वे विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (क्टत्रृ) जैसी वैश्विक संस्थाओं में भी प्रभावी रूप से जुड़े रहे हैं, जहाँ उन्होंने विकासशील देशों की आर्थिक नीतियों पर गहरी समझ दिखाई।

लेखक और विचारक

मनमोहन सिंह ने कई लेख और किताबें भी लिखी हैं, जिनमें उनके विचार और आर्थिक दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से व्यक्त होते हैं। उनके विचारों में भारत की आर्थिक नीति, सामाजिक न्याय, और विकास के मुद्दों पर गहरी अंतर्दृष्टि होती है। मनमोहन सिंह, जो एक प्रख्यात अर्थशास्त्री और भारतीय राजनीति के वरिष्ठ नेता रहे हैं, ने अपनी यात्रा और विचारों को कई पुस्तकों के माध्यम से साझा किया है। उनकी कुछ प्रमुख किताबें निम्नलिखित हैंः

"Changing India" (2014)

यह पुस्तक मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल पर आधारित है। इसमें उन्होंने भारतीय राजनीति, अर्थव्यवस्था, और समाज में आए बदलावों पर अपने दृष्टिकोण को साझा किया है। इसमें उन्होंने अपनी नीतियों और निर्णयों की व्याख्या की है और उनके प्रभाव को समझाने की कोशिश की है।

"The Accidental Prime Minister: The Making and Unmaking of Manmohan Singh" (2014)

यह पुस्तक लेखक संजय बारू द्वारा लिखी गई है, जो मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री बनने से पहले उनके मीडिया सलाहकार थे। पुस्तक में मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री बनने के पीछे की प्रक्रिया, उनके निर्णय, और राजनीति में उनके रोल को समझाया गया है। हालांकि यह मनमोहन सिंह द्वारा नहीं लिखी गई, लेकिन यह उनके कार्यकाल और उनके साथ के अनुभवों को प्रस्तुत करती है।

"India's Economic Transformation: A Story of Inclusive Growth" (2017)

यह पुस्तक मनमोहन सिंह द्वारा लिखी गई थी, जिसमें उन्होंने भारत के आर्थिक सुधारों के बारे में अपनी राय और अनुभव साझा किए। इसमें उन्होंने भारत की विकास यात्रा, आर्थिक नीतियों और सुधारों पर ध्यान केंद्रित किया है, जो उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा में किए थे। यह पुस्तक भारत के आर्थिक विकास की दिशा और उसकी चुनौतियों पर विचार करती है।

"The Courage to Act: A Memoir" (2019)

यह पुस्तक भी एक आत्मकथा के रूप में है, जिसमें मनमोहन सिंह ने अपने जीवन के महत्वपूर्ण क्षणों, राजनीतिक यात्रा, और व्यक्तिगत दृष्टिकोण को साझा किया है। यह किताब उनके जीवन की चुनौतियों, संघर्षों और सफलता की कहानी है। मनमोहन सिंह की इन पुस्तकों ने उनके विचार, नीतियों और निर्णयों को आम लोगों तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम प्रदान किया है। इन किताबों में उनके नेतृत्व, आर्थिक दृष्टिकोण और भारतीय राजनीति पर उनके विचारों को समझने का अवसर मिलता है।

मनमोहन सिंह न केवल एक सक्षम और प्रभावशाली राजनेता थे, बल्कि एक विद्वान अर्थशास्त्री भी थे, जिनकी नीतियों ने भारत की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी। उनके ज्ञान और बुद्धिमत्ता ने उन्हें न केवल भारत, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी एक सम्मानित व्यक्तित्व बना दिया।

आज पुरा भारतवर्ष अपने पूर्व प्रधानमंत्री के स्वर्ग गमन से शोकाकुल है, चाहे कोई किसी भी विचारधारा या किसी भी राजनैतिक पार्टी से जुड़ा हो डॉ. मनमोहन सिंह के जाने से हर भारतवासी दुखी है और जनता है की आज हमने अपना एक अनमोल रतन खो दिया है। डॉ मनमोहन सिंह जी आप हमेशा हम भारतवासियों की अंतः स्मृति में बसे रहेंगे।

गुलाब की खेती

भूमिका

गुलाब अपनी उपयोगिताओं के कारण सभी पुष्पों में महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। आमतौर पर गुलाब का पौधा ऊंचाई में 4-6फुट का होता है। तने में असमान कांटे लगे होते हैं। गुलाब की 5 पत्तियां मिली हुई होती है। बहुत मात्रा में मिलने वाला गुलाब का फूल गुलाबी रंग का होता है। गुलाब का फल अंडाकार होता है। इसका तना कांटेदार, पत्तियां बारी-बारी से घेरे में होती है। पत्तियों के किनारे दांतेदार होती है। फल मांसल बेरी की तरह होता है जिसे 'रोज हिप' कहते हैं। गुलाब का पुष्पवृन्त कोरिम्बोस, पेनीकुलेट या सोलिटरी होता है।

गुलाब एक भारतीय पुष्प है। पूरे भारत में गुलाब के पौधे पाए जाते हैं। गुलाब का वैज्ञानिक नाम रोजा हाइब्रिडा है। देशी गुलाब लाल रंग का होता है। परन्तु कलम करके कई रंगो के गुलाब उगाए जाते हैं। गुलाब एक ऐसा फूल है, जिसके बारे में सब जानते हैं। गुलाब का फूल दिखने में जितना अधिक सुन्दर होता है। उससे कहीं ज़्यादा उसमें औषधीय गुण होते हैं। यह सबसे पुराना सुगन्धित पुष्प है, जो मनुष्य के द्वारा उगाया जाता था। इसके विभिन्न प्रकार के सुन्दर फूल जो कि आर्कषक, आकृति, विभिन्न आकार, मन को लुभाने वाले रंगों और अपने विभिन्न उपयोगिताओं के कारण एक महत्त्वपूर्ण पुष्प माना जाता है।

गुलाब की उपज भूमि की उर्वरा शक्ति फसल की देखरेख एवं प्रजातियों पर निर्भर करती हैढ्ढ फूलों का गुण हैं खिलना, खिल कर महकना, सुगंध बिखेरना, सौंदर्य देना और अपने देखने वाले को शांति प्रदान करना। फूलों की इस खूबसूरत दुनिया में गुलाब का एक ख़ास स्थान है क्योंकि इसे सौंदर्य, सुगंध और खुशहाली का प्रतीक माना गया है। तभी तो इसे 'पुष्प सम्राट' की संज्ञा दी गयी है और 'गुले-आप', यानी फूलों की रौनक भी कहा गया है। इस की भीनीभीनी मनमोहक सुगंध, सुन्दरता, रंगों की विविध किस्मों के कारण हर प्रकृति प्रेमी इसे अपनाना चाहता है।

भारत में गुलाब हर जगह उगाया जाता है। बागबगीचों, खेतों, पार्कों, सरकारी व निजी इमारतों के अहातों में, यहाँ तक कि घरों की ग्रह-वाटिकाओं की क्यारियों और गमलों में भी गुलाब उगा कर उस का आनंद लिया जाता है। गुलाब पूरे उत्तर भारत में, खासकर राजस्थान में तथा बिहार और मध्य प्रदेश में जनवरी से अप्रैल तक खूब खिलता है। दक्षिण भारत में खासतौर पर बंगलौर में और महारास्ट्र और गुजरात में भी गुलाब की भरपूर खेती होती है।

गुलाब को घर पर गमले में खिड़की की मंजूषा में, रसोई बगीचे की क्यारी में, आँगन में उगाने के लिए पर्याप्त धूप का होना एक आवश्यक शर्त है। गुलाब को दिन में कम से कम छः से आठ घंटे की खुली धूप होना आवश्यक है। गुलाब के पौधों के लिए पर्याप्त जीवांशयुक्त मिट्टी अच्छी होती है। बहुत चिकनी मिट्टी इसके अनुकूल नहीं होती है। मिट्टी का जल निकास और वायुसंचार सुचारु होना चाहिए। भूमि में हल्की नमी बनी रहना चाहिए। गुलाब को विश्वभर में पसंद किया जाता है। इस पर व्यापक अनुसंधान एवं विकास कार्य किए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गुलाब प्रेमियों के संगठन हैं, जो नई किस्मों के विकास, परिचिन्हन, मानकीकरण आदि करते हैं। इसके अनुसार पौधों की बनावट, ऊँचाई, फूलों के आकार आदि के आधार पर इन्हें निम्न वर्गों में बाँटा गया है।

गुलाब का व्यवसाय

गुलाब की खेती व्यावसायिक स्तर पर करके काफी लाभ कमाया जा सकता है। गुलाब की खेती बहुत पहले से पूरी दुनिया में की जाती हैढ्ढ इसकी खेती पूरे भारतवर्ष में व्यवसायिक रूप से की जाती हैढ्ढ गुलाब के फूल डाली सहित या कट फ्लावर तथा पंखुड़ी फ्लावर दोनों तरह के बाजार में व्यापारिक रूप से पाये जाते हैढ गलाब की खेती देश व विदेश निर्यात करने के लिए दोनों ही रूप में बहुत महत्वपूर्ण हैढ्ढ गुलाब को कट फ्लावर, गुलाब जल, गुलाब तेल, गुलकंद आदि के लिए उगाया जाता हैढ्ढ गुलाब की खेती मुख्यतः कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्रा, बिहार, पश्चिम बंगाल ,गुजरात, हरियाणा, पंजाब, जम्मू एवं कश्मीर, मध्य प्रदेश, आंध्रा प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश में अधिक की जाती हैढ्ढ

फूल के हाट में गुलाब के गजरे खूब बिकते हैं। गुलाब की पंखुडियों और शक्कर से गुलकन्द बनाया जाता है। गुलाब जल और गुलाब इत्र के कुटीर उद्योग चलते है। उत्तर प्रदेश में कन्नौज, जौनपुर आदि में गुलाब के उत्पाद की उद्योगशाला चलती है। दक्षिण भारत में भी गुलाब के उत्पाद के उद्योग चलते हैं। दक्षिण भारत में गुलाब फूलों का खूब व्यापार होता है। मन्दिरों, मण्डपों, समारोहों, पूजा-स्थलों आदि स्थानों में गुलाब फूलों की भारी खपत होती है। यह अर्थिक लाभ का साधन है। वहाँ हजारों ग्रामीण युवा फूलों को अपनी आय का माध्यम बना लेते हैं।

गुलाब की खेती के लिए आवश्यक सावधानियां

बरसात के मौसम में गमलों और क्यारियों में बहुत देर तक पानी भरा न रहने दें।

हर साल, पौधों की छंटाई कर, गमले के ऊपर की 2-3 इंच मिट्टी निकाल कर उस में उतनी ही गोबर की सड़ी खाद भर दें।

हर 2-3 साल के बाद सम्पूर्ण पौधे को मिट्टी सहित नए गमले में ट्रांसफर कर दें। चाहें तो गमले की मिट्टी बदल कर ताजा मिश्रण भरें।

यह प्रक्रिया सितम्बर-अक्टूबर में करें।

गुलाब की किस्में

भारत में उगाई जाने वाली गुलाब की परम्परागत किस्में हैं, जो देश के अलगअलग इलाकों में उगाई जाते हैं, विदेशों से भी

अलगअलग किस्में मांगा कर उन का 'संकरण' (2 किस्मों के बीच क्रास) कर के अनेक नई व उन्नत किस्में तैयार की गयी हैं, जो अब अपने देश में बहुत लोकप्रिय हैं।

गुलाब की विदेशी किस्में जर्मनी, जापान, फ्रास, इंग्लैण्ड, अमेरिका, आयरलैंड, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया से मंगाई गयी हैं। भारतीय गुलाब विशेषज्ञों ने देशी किस्मों में भी नयी विकसित 'संकर' (हाईब्रिड) किस्में जोड़ कर गुलाब की किस्मों की संख्या में वृद्धि की है। इस दिशा में दिल्ली स्थित भारती कृषि अनुसंधान संस्थान का अनुसंधान कार्य ख़ास उल्लेखनीय है। दक्षिण भारत में भारतीय बागबानी अनुसंधान संसथान, बंगलौर ने भी किस्मों के विकास और वृद्धि में भरपूर कार्य किया है। मात्र शौक और सजावट के लिये गुलाब का पौधा जब गमले में उगाया जाए तो किस्मों का चुनाव भी उसी के अनुसार किया जाना चाहिए। व्यावसायिक स्तर पर गुलाब की खेती करनी हो तो वैसी ही किस्मों का चयन करें। इस बारे में प्राय~ सभी बड़ी नर्सरियों में पूरी जानकारी मिल सकती है। दिल्ली में हों तो भारतीय कृषि अनुसंधान पूसा के पुष्प विज्ञान विभाग से उचित जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

वैसे तो विश्व भर में गुलाब की किस्मों की संख्या लगभग 20 हजार से अधिक है, जिन्हें विशेषज्ञों ने विभिन्न वर्गों में बांटा है लेकिन तक्तीकी तौर पर गुलाब के 5 मुख्य वर्ग हैं, जिन का फूलों के रंग, आकार, सुगंध और प्रयोग के अनुसार विभाजन किया गया है, जो इस प्रकार है~ हाईब्रिड टीज, फ्लोरीबंडा, पोलिएन्था वर्ग, लता वर्ग और मिनिएचर वर्ग।

हाईब्रिड टीज वर्ग

यह बड़े आकार के गुलाबों का एक महत्वपूर्ण वर्ग है, जिस में टहनी के ऊपर या सिरे पर एक ही फूल खिलता है, इस वर्ग की अधिकतर किस्में यूरोप और छीन के 'टी' गुलाबों के 'संकर' (क्रास) से तैयार की गयी है, इस वर्ग की भारतीय किस्में हैं ~ डा.होमी भाभा, चितवन, भीम, चित्रलेखा, चंद्बदीकली, गुलजार, मिलिंद, मृणालिनी, रक्त्गंधा, सोमा, सुरभी, नूरजहाँ, मदहोश, डा. बैंजमन पाल आदि।

हाइब्रिड टी (एचटी),इस वर्ग के पौधे बड़े, ऊँचे व तेजी से बढ़ने वाले होते हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में अर्जुन, जवाहर, रजनी, रक्तगंधा, सिद्धार्थ, सुकन्या आदि हैं। इनके पुष्प शाखा के सिरे पर बड़े आकर्षक लगते हैं। एक शाखा के सिरे पर एक ही फूल आता है।

फ्लोरीबंडा वर्ग

यह हाईब्रिड टीज और पोलिएन्था गुलाबों के संकर (मिलन) से विकसित किये गए गुलाबों का वर्ग है। इस के फूल उपेक्षाकृत छोटे किन्तु गुच्छों में खिलतें हैं और आकार व वजन में बढ़िया होते हैं। इस वर्ग के फूल गृहवाटिका की क्यारियों और गमलों में ज्यादा देखने को मिलते हैं। इस किस्म की विशेषता है कि इन के पौधे कम जगह में ही उगा कर पर्याप्त

फ्लोरीबंडा, इसके पौधे मध्यम लंबाई वाले होते हैं, इनमें फूल भी मध्यम आकार के और कई फूल एक साथ एक ही शाखा पर लगते हैं। इनके फूलों में पंखुड़ियों की संख्या हाइब्रिड टी के फूलों की अपेक्षा कम होती हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में बंजारन, आम्रपाली, ज्वाला, रांगोली, सुषमा आदि हैं।

ग्रेन्डीफ्लोरा

यह उपरोक्त दोनों किस्मों के संयोग से तैयार किया गया है। गुलदानों में इस वर्ग के फूलों को अधिक पसंद किया जाता है। बड़े स्तर पर खेती के लिए इस वर्ग का अधिक उपयोग किया जाता है। गोल्ड स्पॉट, मांटेजुआ, क्वीन एलिजाबेथ इस वर्ग की प्रचलित किस्में हैं।

पॉलिएन्था

इस वर्ग के पौधों को घरेलू बगीचों व गमलों में लगाने के लिए पसंद किया जाता है। क्योंकि इनमें मध्यम आकार के फूल अधिक संख्या में साल में अधिक समय तक आते रहते हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में स्वाति, इको, अंजनी आदि हैं।

मिनिएचर वर्ग

इस के पौधे, पट्टियां और फूल सभी छोटे होते हैं। पौधे कलामों द्वार उगे जाते हैं। यह गमलों, पतियों आदि में उगाने की उपयुक्त किस्म है। गृहवाटिका की क्यारियों के चारों ओर बार्डर लगाने के लिये भी उपयुक्त है। गुलाब के फूल खिलने का मौसम (अक्टूबर से मार्च) में इस किस्म के गुलाब खूब खिलते हैं। विभिन्न रंगों लगते हैं। इन्हें बड़े शहरों में बंगलों, फ्लैटों आदि में छोटे गमलों में लगाया जाना उपयुक्त रहता है, परंतु धूप की आवश्यकता अन्य गुलाबों के समान छः से आठ घंटे आवश्यक है। इस वर्ग की प्रमुख किस्में ड्वार्फ किंग, बेबी डार्लिंग, क्रीकी, रोज मेरिन, सिल्वर टिप्स आदि हैं।

लता वर्ग (क्लैंग्बिंग एंड रैंबलिंग रोज)

इस वर्ग के गुलाब के पौधे लताओं के रोप में बढ़ते हैं और पैराबोला पर या दीवार का सहारा पा कर बढ़ते हैं। ये साल में केवल एक बार खिलते हैं।

ये गुलाब की बेल (लता) वाली किस्में हैं। इन्हें मेहराब या अन्य किसी सहारे के साथ चढ़ाया जा सकता है। इनमें फूल एक से तीन (क्लाइंबर) व गुच्छों (रेम्बलर) में लगते हैं। इस की मुख्य किस्में है सदाबहार, समर स्नो, डा.होमी भाभा, मार्शल नील, दिल्ली वाईट पर्ल आदि।

क्लाइंबर वर्ग की प्रचलित किस्में गोल्डन शावर, कॉकटेल, रायल गोल्ड और रेम्बलर वर्ग की एलवटाइन, एक्सेलसा, डोराथी पार्किंस आदि हैं।

गुलाब में जितने रंगों के फूल देखने को मिलते हैं उतने शायद किसी दूसरे फूल में नहीं। यदि सफ़ेद गुलाब हैं तो पीले, लाल, नारंगीलाल, रक्त्लाल, गुलाबी लेवेंडर रंग के दोरंगे, तीरंगे और यहाँ तक कि अब तो नीले और काले रंग के गुलाब भी पाए जाते है।

गुलाब की खेती के लिए जलवायु और भूमि

गुलाब की खेती उत्तर एवं दक्षिण भारत के मैदानी एवं पहाड़ी क्षेत्रों में जाड़े के दिनों में की जाती हैढ्ढ दिन का तापमान 25 से 30 डिग्री सेंटीग्रेट तथा रात का तापमान 12 से 14 डिग्री सेंटीग्रेट उत्तम माना जाता हैढ्ढ गुलाब की खेती हेतु दोमट मिट्टी तथा अधिक कार्बनिक पदार्थ वाली होनी चाहिएढ्ढ जिसका पी.एच. मान 5.3 से 6.5 तक उपयुक्त माना जाता है।

गुलाब की उन्नतशील प्रजातियां

गुलाब की लगभग 6 प्रकार की प्रजातियां पाई जाती है प्रथम संकर प्रजातियां जिसमे कि क्रिमसन ग्लोरी, मिस्टर लिंकन, लवजान, अफकैनेडी, जवाहर, प्रसिडेंट, राधाकृषणन, फर्स्ट लव , पूजा, सोनिया, गंगा, टाटा सैंटानरी, आर्किड, सुपर स्टार, अमेरिकन हेरिटेज आदि हैढ्ढ दूसरे प्रकार कि पॉलीएन्था इसमे अंजनी, रश्मी, नर्तकी, प्रीत एवं स्वाती आदिढ्ढ तीसरे प्रकार कि फ़ लोरीबण्डा जैसी कि बंजारन, देहली प्रिंसेज, डिम्पल, चन्द्रमा, सदाबहार, सोनोरा, नीलाम्बरी, करिश्मा सूर्यकिरण आदिढ्ढ चौथे प्रकार कि गैंडीफलोरा इसमे क्वींस, मांटेजुमा आदिढ्ढ पांचवे प्रकार कि मिनीपेचर ब्यूटी क्रिकेट, रेड फ्लस, पुसकला, बेबीगोल्ड स्टार, सिल्वर टिप्स आदि और अंत में छठवे प्रकार कि लता गुलाब इसमे काक्लेट, ब्लैक बॉय, लैंड मार्क, पिंक मेराडोन, मेरीकलनील आदि पाई जाती है।

गुलाब के खेतों की तैयारी

सुंदरता की दृष्टि से औपचारिक लेआउट करके खेत को क्यारियों में बाँट लेते है क्यारियों की लम्बाई चौड़ाई 5 मीटर लम्बी 2 मीटर चौड़ी रखते हैढ्ढ दो क्यारियों के बीच में आधा मीटर स्थान छोड़ना चाहिएढ्ढ क्यारियों को अप्रैल मई में एक मीटर की गुड़ाई एक मीटर की गहराई तक खोदे और 15 से 20 दिन तक खुला छोड़ देना चाहिएढ्ढ क्यारियों में 30 सेंटीमीटर तक सूखी पत्तियो को डालकर खोदी गयी मिट्टी से क्यारियों को बंद कर देना चाहिए साथ ही गोबर की सड़ी खाद एक महीने पहले क्यारी में डालना चाहिए इसके बाद क्यारियों को पानी से भर देना चाहिए साथ ही दीमक के बचाव के लिए फ़ालीडाल पाउडर या कार्बोफ्यूरान 3 जी. का प्रयोग करेढ्ढ लगभग 10 से 15 दिन बाद ओठ आने पर इन्ही क्यारियों में कतार बनाते हुए पौधे व् लाइन से लाइन की दूरी 30 गुने 60 सेंटीमीटर रखी जाती हैढ्ढ इस दूरी पर पौधे लगाने पर फूलों की डंडी लम्बी व् कटाई करने में आसानी रहती है।

गुलाब की खेती में खाद और उर्वरकों की आवश्यकता

उत्तम कोटि के फूलों की पैदावार लेने के हेतु प्रूनिंग के बाद प्रति पौधा 10 किलोग्राम गोबर की सड़ी खाद मिट्टी में मिलाकर सिंचाई करनी चाहिएढ्ढ खाद देने के एक सप्ताह बाद जब नई कोपल फूटने लगे तो 200 ग्राम नीम की खली 100 ग्राम हड्डी का चूरा तथा रासायनिक खाद का मिश्रण 50 ग्राम प्रति पौधा देना चाहिएढ्ढ मिश्रण का अनुपात एक अनुपात दो अनुपात एक मतलब यूरिया, सुपर फास्फेट, पोटाश का होना चाहिए।

गुलाब की देखभाल

गुलाब के लिए सिंचाई का प्रबंधन उत्तम होना चाहिएढ्ढ आवश्यकतानुसार गर्मी में 5 से 7 दिनों के बाद तथा सर्दी में 10 से 12 दिनों के बाद सिंचाई करते रहना चाहिए। उत्तर प्रदेश के मैदानी भागो में कटाई-छटाई हेतु अक्टूबर का दूसरा सप्ताह सर्वोत्तम होता है लेकिन उस समय वर्षा नहीं होनी चाहिएढ्ढ पौधे में तीन से पांच मुख्य टहनियों को 30 से 40 सेंटीमीटर रखकर कटाई की जाती हैढ्ढ यह ध्यान रखना चाहिए कि जहाँ आँख हो वहाँ से 5 सेंटीमीटर ऊपर से कटाई करनी चाहिएढ्ढ कटे हुए भाग को कवकनाशी दवाओ से जैसे कि कापर आक्सीक्लोराइड, कार्बेन्डाजिम, ब्रोडोमिश्रण या चौबटिया पेस्ट का लेप लगना आवश्यक होता हैढ्ढ

गमलों के लिये मिट्टी का मिश्रण कुछ इस तरह से रखें। 2 भाग खेत की मिटटी, एक भाग खूब सड़ी गोबर की खाद, एक भाग में सूखी हरी पत्ते की खाद (लीफ मॉल्ड) और लकड़ी का बुरादा मिला लें। सम्भव हो तो कुछ मात्रा में हड्डी का चुरा भी मिला लें। इस से पौधों और जड़ों का अच्छा विकास होता है।

याद रहे कि गमलों में पौधों का रखरखाव वैसा ही हो, जैसी कि क्यारियों में होता है, उन की उचित निराईगुडाई में होता है। मसलन, पौधों को पूरी खुराक मिले, उन की उचित निराईगुडाई और सिंचाई हो, कीट व्याधियों से बचाव हो, गमलों के पौधों को मौसम के अनुसार समय-समय पर पानी दिया जाए और उन की कटाईछंटाई भी की जाए। सप्ताह में एक बार गमलों की दिशा भी अवश्य बदलें और उन के तले से पानी निकलने का चित्र भी उचित रूप से खुला रखें। गुलाब में माहू, दीमक एवं सल्क कीट लगते हैढ्ढ माहू तथा सल्क कीट के दिखाई देने पर तुरंत डाई मिथोएट 1.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में या मोनोक्रोटोफास 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोलकर 2 -3 छिड़काव करना चाहिएढ्ढ दीमक के नियंत्रण हेतु सिंचाई करनी चाहिए तथा फोरेट 10 जी. 3 से 4 ग्राम या फ़ालीडाल 2त्न धुल 10 से 15 ग्राम प्रति पौधा गुड़ाई करके भूमि में अच्छी तरह मिला देना चाहिए।

गुलाब के फूलों की कटाई

सफ़ेद, लाल, गुलाबी रंग के फूलों की अध् खुली पंखुड़ियों में जब ऊपर की पंखुड़ी नीचे की ओर मुड़ना शुरू हो जायें तब फूल काटना चाहिएढ्ढ फूलों को काटते समय एक या दो पत्तियां टहनी पर छोड़ देना चाहिए जिससे पौधों की वहाँ से बढ़वार होने में कोइ परेशानी न हो सकेढ्ढ फूलों की कटाई करते समय किसी बर्तन में पानी साथ में रखना चाहिए जिससे फूलों को काटकर पानी तुरंत रखा जा सकेढ्ढ बर्तन में पानी कम से कम 10 सेंटीमीटर गहरा अवश्य होना चाहिए जिससे फूलों की डंडी पानी में डूबी रहे पानी में प्रिजर्वेटिव भी मिलाते हैढ्ढ फूलों को कम से कम 3 घंटे पानी में रखने के बाद ग्रेडिंग के लिए निकालना चाहिएढ्ढ यदि ग्रेडिंग देर से करनी हो तो फूलों को 1 से 3 डिग्रीसेंटीग्रेट तापक्रम पर कोल्ड स्टोरेज रखना चाहिए जिससे कि फूलों की गुणवत्ता अच्छी रह सके

गुलाब के पौधे गृहवाटिका में मिटटी के गमलों में आसानी से उगे जा सकते हैं, जो कम से कम 30 सेंटीमीटर घेरे के और उतने ही गहरे हों। मिनिएचर गुलाब के लिये 20 से 25 सेंटीमीटर आकार के गमले पर्याप्त हैं। गमलों को स्वच्छ वातावरण में रखा जाए। जैसे ही नयी कोपलें और शाखाएं अंकुरित होने लगें, उन्हें ही सूरज की रोशनी में रखें। दिन भर इन्हें 4-5 घंटे धूप अवश्य मिलनी चाहिए। हाँ, गरमी की कड़कती धूप में 1-2 घंटे ही पर्याप्त हैं।

जब जहाँ भी चारों ओर गुलाब खिलता है तो सब ओर इस की सुरभि व्याप्त हो जाती है। फरवरी-मार्च में गुलाब अपने पूर्ण यौवन और बहार पर होता है। आओ, इसे अपनी गृहवाटिका में उगायें और इस के सौंदर्य और महक का आनंद लें।

गुलाब की खेती करने के लिए पौध तैयार करना

आमतौर पर जुलाई-अगस्त में मानसून आते ही गुलाब लगाया जाता है। सितम्बर-अक्टूबर में तो यह भरपूर उगाया जाता है। गुलाब लगाने की सम्पूर्ण विधि और प्रक्रिया अपनाई जाए तो यह फूल मार्च तक अपने सौंदर्य, सुगंध और रंगों से न केवल हमें सम्मोहित करता है बल्कि लाभ भी देता है। जंगली गुलाब के ऊपर टी बडिंग द्वारा इसकी पौध तैयार होती हैढ्ढ जंगली गुलाब की कलम जून-जुलाई में क्यारियों में लगभग 15 सेंटीमीटर की दूरी पर लगा दी जाती हैढ्ढ नवम्बर से दिसंबर तक इन कलम में टहनियां निकल आती है इन पर से कांटे चाकू से अलग कर दिए जाते हैढ्ढ जनवरी में अच्छे किस्म के गुलाब से टहनी लेकर टी आकार कालिका निकालकर कर जंगली गुलाब की ऊपर टी में लगाकर पालीथीन से कसकर बाँध देते हैढ्ढ ज्यो-ज्यो तापमान बढता है तभी इनमे टहनी निकल आती हैढ्ढ जुलाई अगस्त में रोपाई के लिए पौध तैयार हो जाती है। पौधशाला से सावधानीपूर्वक पौध खोदकर सितम्बर-अक्टूबर तक उत्तर भारत में पौध की रोपाई करनी चाहिएढ्ढ रोपाई करते समय ध्यान दे कि पिंडी से घास फूस हटाकर भूमि की सतह से 15 सेंटीमीटर की ऊंचाई पर पौधों की रोपाई करनी चाहिएढ्ढ पौध लगाने के बाद तुरंत सिंचाई कर देना चाहिए।

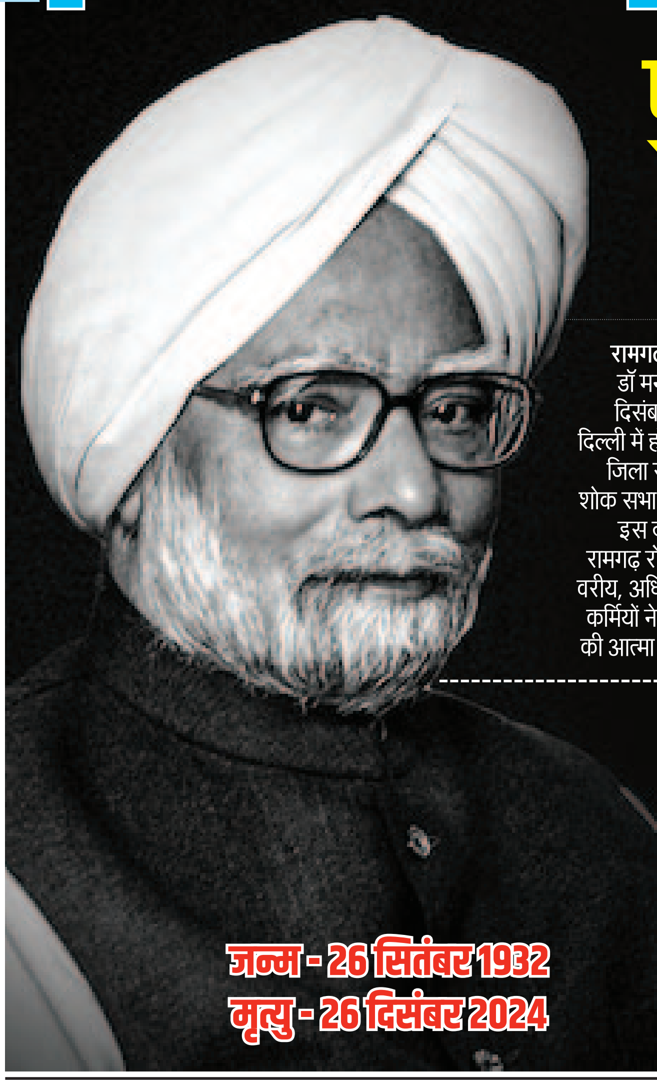

जन्म - 26 सितंबर 1932
मृत्यु - 26 दिसंबर 2024

पुर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर शोक सभा का आयोजन

बिभा संवाददाता

रामगढ़। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह का निधन 26 दिसंबर को एम्स अस्पताल, नई दिल्ली में होने के उपरांत शुक्रवार को जिला समाहरणालय सभाकक्ष में शोक सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान उप विकास आयुक्त रामगढ़ रोबिन टोप्पो सहित जिले के वरीय, अधिकारियों, अधिकारियों एवं कर्मियों ने दिवंगत डॉ मनमोहन सिंह की आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखा। गौरतलब हो कि दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री के सम्मान में भारत सरकार ने 26 दिसंबर से 01 जनवरी तक सात दिवसीय राजकीय शोक मनाने का निर्णय लिया गया है। झारखंड सरकार ने भी सात दिनों के राजकीय शोक का निर्णय लिया है। उक्त अवधि में झारखण्ड राज्य के उन सभी भवनों, जहां नियमित रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराये जाते हैं, पर राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके रहेंगे एवं किसी भी प्रकार के राजकीय समारोह का आयोजन नहीं किया जायेगा। पुर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर रामगढ़ जिला के विभिन्न हिस्सों विभिन्न संगठनों ने शोक सभा का आयोजन किया गया।

सिमडेगा जिला प्रशासन ने की शोक सभा, दी श्रद्धांजलि

सिमडेगा। देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर समाहरणालय सभागार में उपायुक्त सिमडेगा अजय कुमार सिंह की अगुवाई में शोक सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान शोक सभा आयोजित कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन किया गया। मौके पर उप विकास आयुक्त संदीप कुमार, अपर समाहर्ता ज्ञानेन्द्र सहित अन्य पदाधिकारी गण व कर्मी गण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

रफ़्तार का कहर एक की सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

रामगढ़/बिभा संवाददाता। रामगढ़ में शुक्रवार को सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। हादसा छतर मांडू के ओल्ड एज होम के पास एक दस चक्का हाइवा ने बाइक सवार युवक को रौंद दिया। इधर, घटना के बाद ड्राइवर ट्रक लेकर भाग निकला। लोगों ने पीछा कर गाड़ी को पकड़ लिया, पर ड्राइवर भागने में कामयाब रहा। मृतक की पहचान बादल महतो (18) के रूप में की गई। दस चक्का हाइवा ट्रक सीजी 30 डी 0334 गोला से रामगढ़ की ओर आ रहा था। जबकि बादल विपरीत दिशा छतर मांडू से गोला जा रहा था। इसी दौरान ट्रक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। बादल महतो अपनी बुआ के घर जा रहा था।मृतक के पिता दिहाड़ी मजदूरी करते हैं। पुलिस ने वाहन जब्त कर थाने ले गई है तथा शव को पोस्टमार्टम हेतु सादर अस्पताल भेजा गया है।

तमाड़ की बीना कुमारी ने झारखंड प्रांत में प्रथम स्थान प्राप्त किया

तमाड़/बिभा संवाददाता। भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के तत्वाधान में अखिल विश्व गायत्री परिवार सत्र 2024-25 का प्रांत स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह माइकल जॉन ऑडिटोरियम बिस्टुपुर जमशेदपुर में संपन्न हुआ। यह परीक्षा भारत के प्राचीन स्वर्णिम सभ्यता-संस्कृति और ज्ञान पर आधारित होती है। जिसमे तमाड़ प्रखंड अंतर्गत प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय की छात्रा बीना कुमारी ग्राम पुंडीदिरी ने कक्षा नवम वर्ग में पूरे झारखंड प्रांत में प्रथम स्थान प्राप्त किया। जिसके लिए उसे पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्हें नगद पुरस्कार के अलावा प्रशस्ति पत्र व मेडल प्रदान किया गया। गायत्री परिवार प्रज्ञा पीठ तमाड़ की ओर से परिमल अधिकारी, सुखराम सिंह मुंडा एवं अन्य सदस्यों के साथ-साथ विद्यालय के प्रधानाध्यापक सतेन्द्र महतो एवं अन्य शिक्षक गणों ने उन्हें बहुत-बहुत बधाई दी है, एवं उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामनाएं की है।

सड़क हादसे में 15 वर्षीय बालक गंभीर रूप से घायल

चान्हो/बिभा संवाददाता। प्रखंड स्थित बीजू पाड़ा के निकट एन एच 39 पर हुए, सड़क हादसे में कमाती निवासी 15 वर्षीय राजदेव सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार की दोपहर लगभग 2:00 बजे राजदेव सिंह सड़क के किनारे खड़ा था इसी दौरान सामने से अ संतुलित होकर एक बाइक सीधे जाकर उससे टकरा गया गंभीर रूप से घायल राजदेव को प्राथमिक उपचार के लिए रेफरल अस्पताल मांडर ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए, उसे बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर किया गया है ,रेफरल अस्पताल के चिकित्सकों के अनुसार उसके एक पैर की हड्डी टूट चुकी है और और गंभीर स्थिति के कारण उसे रिम्स भेज दिया गया।

सुरसा निवासी रिक्शा चालक अरुण गोप की ठंड से रांची में मौत

मांडर/बिभा संवाददाता। मांडर प्रखंड के सुरसा ग्राम निवासी अरुण गोप पिता मंगरा गोप 32वर्ष की ठंढ लगने से मौत हो गई जानकारी के अनुसार वह पेशे से रिक्शा चालक था, प्रति दिन वह रांची में रिक्शा चलाने के पश्चात कचरी में बने शेड में सो जाता था, फिर सुबह उठ क़र वहीं से रिक्सा चलाने जाता था गुरवार को अहले सुबह ठंड के कारण उसकी वहीं मौत हो गई, उसकी पहचान बसकी के अरुण गोप के रुप होने के तुरंत बाद इसकी सुचना पूर्व बीस सूत्री अध्यक्ष रामबालक ठाकुर को मिली, उन्होंने त्वरित इस पर संज्ञान लेते हुए गाँव के ही रवि ठाकुर, अर्जुन गोप, नरेश गोप को वहाँ भेजा, इसके पश्चात उन्होंने इसकी सुचना संबंधित थाना के थाना प्रभारी रुपेश कुमार को दी थाना प्रभारी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसका पोस्टमार्टम कराया तथा शव को ग्रामीणों को सौंप दिया शव को घर लाया और उसका अंतिम संस्कार ग्रामीणों के सहयोग से कराया, विदित हो की वह बहुत ही गरीब परिवार से आता था, घर में तीन भाईयों में दूसरा था, उसके पिताजी भी विकलांग है और वह भी घर पर नहीं थे, ग्रामीणों द्वारा उसके क्रिया क्रम का जिम्मा अपने ऊपर लें लिया गया, उसके पोस्टमार्टम से लेकर अंतिम संस्कार कराया इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वालों में पूर्व बीस सूत्री अध्यक्ष रामबालक ठाकुर, रवि ठाकुर अर्जुन गोप, नरेश गोप, जितराम गोप, सुबोध साहू, वीरेंद्र गोप, मनोज गोप, राजेंद्र गोप, प्रकाश गोप, सहित अन्य शामिल है।

एसएमडीसी व एसडीएम ने किया बालू घाट का उद्घाटन

सिल्ली/बिभा संवाददाता। झारखंड राज्य खनिज विकास निगम द्वारा खूंटी जिला अंतर्गत मुरहू ब्लॉक के पांडू बालू घाट का उद्घाटन एसएमडीसी डॉ ओम प्रकाश सिंह एंव एसडीएम खूंटी दीपेश कुमारी ने फीता काटकर किया। अधिकारियों ने बताया यह बालू घाट खूंटी जिला का पहला बालू घाट है इस बालू घाट का संचालन होने से झारखंड सरकार को राजस्व की प्राप्ति होगी साथ हीं साथ बालू का किल्लत भी दूर होगा और बालू का अवैध कारोबारियों पर लगाम लग जायेगा। मौके पर डीएमओ रामनरेश सिंह मुरहु सीओ शंकर कुमार विद्यार्थी मुरहू थाना एसआई रोशन कुमार एस आई रामदेव एंव समाजसेवी अनिल सिंह मुंडा राजू कुमार आदि मौजूद थे।

डीडीसी ने धान अधिप्राप्ति कार्यों की समीक्षा की

धान अधिप्राप्ति में शिथिलता बरतने वाले पैक्सों को डी-नोटिफाई करने के निर्देश

बिभा संवाददाता

मेदिनीनगर। जिले के उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद की अध्यक्षता में शुक्रवार को खरीफ विपणन मौसम 2024-25 अंतर्गत पैक्स/व्यापार मंडलों द्वारा किये जा रहे धान अधिप्राप्ति कार्यों की समीक्षात्मक बैठक की गयी।जिला सहकारिता कार्यालय के सभा कक्ष में आयोजित इस बैठक में उप विकास आयुक्त श्री अहमद ने पिछले 12 दिनों में हुए धान खरीद की जानकारी ली,डीएसओ प्रीति किस्कु ने बताया कि अबतक 41 पैक्सों से 18683.94 क्विंटल धान का क्रय किया गया है।इसपर डीडीसी ने चिंता जाहिर करते हुए धान क्रय में तेज़ी लाने की दिशा में सभी संबंधितों को कार्य करने के निर्देश दिये।

धान क्रय की समीक्षा के क्रम में डीडीसी ने अब तक जिन पैक्सों द्वारा पांच से कम किसानों से धान क्रय किया गया है उनकी जानकारी ली।इस दौरान बताया गया कि बिश्रामपुर, सलतुआ, हरिहरगंज पूर्वी, वीकेएसएस अग्रिफार्म एफपीओ, हुसैनाबाद व्यापार मंडल, कंडा, मोहम्मदगंज, तीसीबार कला, पचकेड़िया, उदयपुराटू, करकट्टा एफपीओ पैक्स द्वारा 5 से भी कम किसानों से धान क्रय किया गया है।इस पर उप विकास आयुक्त ने कहा कि 31 दिसंबर तक इन पैक्सों द्वारा धान क्रय में तेज़ी नहीं लायी जाती है तो इन्हें डी-नोटिफाई करने की कार्रवाई करें।

बैठक में उप विकास आयुक्त श्री अहमद ने डीएसओ को किसी भी पैक्स से धान वजन से संबंधित किसी तरह का शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।इसी तरह उन्होंने जिला स्तरीय मॉनिटरिंग सिस्टम को विकसित करने पर बल दिया।वहीं सभी क्रय केंद्रों पर विज़िटिंग रेजिस्टर रखने व प्रत्येक सप्ताह में नोडल पदाधिकारियों संग बैठक करने की बात कही।मौके पर उपरोक्त के अलावे जिला सहकारिता पदाधिकारी उमेश सिन्हा व विभिन्न पैक्सों के अध्यक्ष उपस्थित थे।

आरसेटी सलाहकार समिति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित

बिभा संवाददाता

सिमडेगा। उपायुक्त सिमडेगा अजय कुमार सिंह कि अध्यक्षता में जिला स्तरीय आरसेटी सलाहकार समिति की समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में निदेशक (आरसेटी) शीत बसन्त खलखो द्वारा उपायुक्त महोदय को आरसेटी में दी जाने वाली प्रशिक्षण संबंधी कार्य प्रगति की जानकारी दी। इस दौरान उपायुक्त महोदय ने कहा कि लक्ष्य के अनुरूप प्रशिक्षणार्थियों का चयन कर बेहतर प्रशिक्षण मुहैया करायें। जिस प्रशिक्षणार्थियों का घर नजदीक है तो उसे घर से आने जाने देकर प्रशिक्षण दे। उन्होंने कहा कि आरसेटी प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण देकर उन्हें बैंकों के माध्यम से ऋण दिलवाते हुए स्वरोजगार से जोड़ने का कार्य करें। आरसेटी निदेशक शीत बसंत खलखो ने आरसेटी के प्रशिक्षण कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में 17 प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 455 बेरोजगार युवक युवतियों को प्रशिक्षण दिया गया है। बैठक में डीडीएम नाबार्ड सहित अन्य पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

परमवीर चक्र विजेता लांस नायक अलबर्ट एक्का की जयंती पर जिले में श्रद्धांजलि अर्पित

बिभा संवाददाता

गुमला। परमवीर चक्र विजेता लांस नायक अलबर्ट एक्का की जयंती के अवसर पर गुमला जिले में विभिन्न श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्य कार्यक्रम परमवीर अलबर्ट एक्का स्टेडियम परिसर में आयोजित हुआ, जहां उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी सहित जिले के अन्य अधिकारियों ने उनके प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और श्रद्धांजलि दी। इस दौरान अपर समाहर्ता गुमला, प्रखंड विकास पदाधिकारी गुमला, अंचल अधिकारी गुमला, जिला नजारत उप समाहर्ता, एसडीपीओ , नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। सभी ने बारी-बारी से प्रतिमा पर माल्यार्पण कर वीर अलबर्ट एक्का को श्रद्धांजलि अर्पित की।

उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने इस अवसर पर कहा कि, लांस नायक अलबर्ट एक्का का बलिदान हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनकी जयंती पर हम उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं और यह भी सुनिश्चित करते हैं कि जिले में उनकी जयंती के दिन जनहित के कार्यों में अधिक से अधिक नागरिकों की भागीदारी हो।

उपायुक्त ने आगे कहा कि जिले के जारी प्रखंडों में जिला स्तरीय जन शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया है, जिसमें अधिक से अधिक नागरिकों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी।

ईवीएम वेयर हाउस का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

गुमला। उपायुक्त ने ईवीएम वेयर हाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने भवन अंतर्गत कमरों का अवलोकन किया। साथ ही ईवीएम संग्रहित सील कमरे का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कमरों, छत, परिसर, सीसीटीवी कैमरा आदि की वस्तु स्थिति से अवगत होते हुए विधि-व्यवस्था का भी अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने वेयरहाउस में ईवीएम मशीन के रख-रखाव, सुरक्षा तंत्र सहित परिसर की सुरक्षा के दृष्टिकोण से सभी बिंदुओं का निरीक्षण करते हुए संबंधित उप निर्वाचन पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा लोकतंत्र में ईवीएम की विश्वसनीयता में किसी भी प्रकार का संदेह न रहे, इसे निमित्त वेयर हाउस जहां ईवीएम रखी जाती है समय-समय पर उसकी रख-रखाव और सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया।

लातेहार में वार्ड सदस्य की निर्मम हत्या, उग्रवादियों ने ली जिम्मेदारी

बिभा संवाददाता

लातेहार। बीती रात लातेहार जिले के सदर थाना क्षेत्र के उलगाड़ा गांव के रहने वाले वार्ड सदस्य बाल गोविंद साव की हत्या उग्रवादियों ने कर दी। बाल गोविंद साव उलगाड़ा गांव में औरंगा नदी पर बन रहे पुल निर्माण कार्य में मुंशी का काम करते थे। बताया जा रहा है कि यह हत्या लेवी के लिए की गई है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि पुल निर्माण कार्य के साइडिंग पर बीती रात बाल गोविंद तथा एक अन्य मुंशी रुककर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान लगभग 8 की संख्या में झारखंड संघर्ष जन्म मुक्ति मोर्चा के उग्रवादी पहुंचे और मुंशी बाल गोविंद को पकड़ कर अपने साथ नदी के किनारे ले गए। उग्रवादियों ने वहां बाल गोविंद साव की जमकर पिटाई की। उसके बाद धारदार हथियार से मारकर उसकी हत्या कर दी। उग्रवादियों ने घटनास्थल पर प्रदीप सिंह के नाम से एक पर्चा भी फेंका है और घटना की जिम्मेदारी ली है।

पर्चा में साफ-साफ लिखा हुआ है कि ठेकेदार की गलती के कारण मुंशी की हत्या की गई है।

मृतक के बेटे अरविंद साहू ने बताया कि उनके पिता से उग्रवादियों के द्वारा रंगदारी की मांग की जा रही थी। धमकी के बाद घर वालों ने उन्हें मुंशी का काम छोड़ने की बात कही थी। दिसंबर माह के बाद मुंशी का काम छोड़ देते, लेकिन बीती रात उग्रवादियों ने उनकी हत्या कर दी। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस को मृतक के शव को घटना स्थल से उठाने पर रोक लगा दी। ग्रामीणों का कहना था कि मृतक के परिजनों को सरकारी नौकरी के साथ 10 लाख रुपए मुआवजा दिया जाए।

डबल मर्डर केस का खुलासा, चार आरोपितों को भेजा गया जेल

चतरा। प्रतापपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए डबल मर्डर केस का खुलासा करते हुए चार आरोपितों को गिरफ्तार कर शुक्रवार को जेल भेज दिया हैं। पांच आरओपित अब भी फरार चल रहे हैं। गिरफ्तार आरोपितों में बामी गांव निवासी विकास भारती , विश्वनाथ भारती , संतोष भारती और जोरी थाना क्षेत्र के गाँव करैलीबार निवासी समीर मियां शामिल है। प्रतापपुर थाना प्रभारी ने बताया कि बामी जंगल में मिले युवक और महिला के शव के मामले में एसआईटी का गठन किया गया था। इसका नेतृत्व आईपीएस रितिक कर रहे थे। टीम में एसडीपीओ संदीप सुमन, इंस्पेक्टर वशीम रज्जा, अमरदीप कुमार और प्रतापपुर थाना प्रभारी कासिम अंसारी शामिल थे। प्रतापपुर थाना प्रभारी कासिम अंसारी ने बताया कि मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा हुआ हैं। इसमें कुल नौ लोगों पर प्राथमिकी दर्ज हैं। इसमें चार आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया हैं।

जन शिकायत शिविर में नागरिकों को मिला योजनाओं का लाभ

बिभा संवाददाता

गुमला। गुमला जिले के जारी प्रखंड में आज लांस नायक अल्बर्ट एक्का की जयंती के अवसर पर जिला स्तरीय जन शिकायत शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देशानुसार आयोजित हुआ। इस अवसर पर जिला उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए शिविर में सभी विभागीय अधिकारियों और नागरिकों से संवाद किया। शिविर में पहुंच कर उपायुक्त ने एक एक स्टॉल्स का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए।

शिविर में विभिन्न विभागों ने अपने स्टॉल लगाकर नागरिकों को योजनाओं की जानकारी दी और मौके पर ही लाभ प्रदान किया। शिविर में कृषि, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, शिक्षा, पेयजल एवं स्वच्छता, बैंकिंग, मनरेगा, पशुपालन, मत्स्य, ग्रामीण विकास, एवं उद्योग विभाग सहित कई विभागों ने भाग लिया। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि आज प्राप्त सभी शिकायतों और आवेदनों का निस्तारण शीघ्र किया जाए। स्वास्थ्य विभाग ने इस दौरान नागरिकों की विभिन्न स्वास्थ्य जांच की, जिसमें सिकल सेल एनीमिया जांच को विशेष प्राथमिकता दी गई। JSLPS के स्वयं सहायता समूह (SHG) द्वारा लगाए गए स्टॉल में उपायुक्त ने महिलाओं को उनके उत्पादों को बेहतर ढंग से विपणन करने और रोजगार को मजबूत करने के लिए प्रेरित किया। शिविर में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग को प्रखंड के सभी खराब जलमीनारों की सूची तैयार कर उन्हें सुधारने का निर्देश दिया गया। बैंक ऑफ इंडिया द्वारा केवाईसी और केसीसी के कार्यों को तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने जारी प्रखंड कार्यालय परिसर में निर्मित अल्बर्ट एक्का पुस्तकालय और नव निर्मित पीएचसी सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने इन भवनों का शीघ्र उद्घाटन कर प्रखंडवासियों को सुपुर्द करने का निर्देश दिया। इसके पश्चात उपायुक्त ने जारी ग्राम में स्थित परमवीर चक्र विजेता लांस नायक अल्बर्ट एक्का की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस कार्यक्रम से जारी प्रखंड के सैकड़ों नागरिक लाभान्वित हुए और उन्हें योजनाओं के तहत विभिन्न प्रकार की सहायता प्राप्त हुई। इस दौरान 60 विद्यार्थियों के बीच साइकिल का वितरण किया गया, वहीं एक PVTG नागरिक के बीच ट्रैक्टर का वितरण किया गया। इसके अतिरिक्त अन्य कई योजनाओं से लाभुकों को ऑन द स्पॉट लाभान्वित किया गया। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, निदेशक DRDA, SDO चैनपुर, DCLR गुमला, चैनपुर भू अर्जन पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी सहित अन्य अधिकारी और कर्मी उपस्थित रहे।

विधायक के पहल पर दो बर्ष से खराब पड़े ट्रांसफार्मर को बदला गया, लोगों में खुशी

बिभा संवाददाता

सिल्ली। विधायक अमित महतो के पहल पर विधानसभा क्षेत्र के राहे प्रखंड अंतर्गत बनसिया पंचायत के सुदूर गांव तानागड़ा में बीते 2 बर्ष से खराब पड़े ट्रांसफार्मर को बदला गया। नए ट्रांसफार्मर का उद्घाटन झामुमो के वरिष्ठ नेता रोहिताश चौधरी और प्रोफेसर मृत्युंजय महतो ने फीता काटकर उद्घाटन किया। बिजली बहाल होते ही लोगों ने खुशी देखते ही बन रहा था। झामुमो नेताओं ने कहा विधानसभा क्षेत्र में जहां भी इस तरह की समस्याएं है अवगत कराये समाधान की चिंता विधायक अमित महतो पर छोड़े।

तीसरी तिमाही में बढ़ेगी अर्थव्यवस्था की रफ्तार

- ग्रामीण मांग मजबूत, पर नई चुनौतियों से खतरा

नई दिल्ली ।

नई चुनौतियों के बीच आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने के लिए सभी संबंधित पक्षों को मिलकर काम करने की जरूरत है। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर बेहतर रहने की उम्मीद है। वित्त मंत्रालय ने एक मासिक रिपोर्ट जारी कर कहा` कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में नरमी के बाद तीसरी तिमाही का परिदृश्य बेहतर दिखाई दे रहा है। इसका पता अक्टूबर व नवंबर के लिए महत्वपूर्ण आंकड़ों (जीएसटी संग्रह, पीएमआई आदि) से चलता है। इसके अलावा ग्रामीण मांग मजबूत है। अक्टूबर-नवंबर, 2024 में दोपहिया-तिपहिया वाहनों की बिक्री 23.2 फीसदी बढ़ी है। ट्रैक्टर और यात्री वाहनों की बिक्री में क्रमशः 9.8 फीसदी व 13.4 फीसदी तेजी रही है। रबी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि, जलाशय में जल स्तर का अधिक होना और पर्याप्त उर्वरक उपलब्धता रबी बुवाई के लिए अच्छा संकेत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि शेयर बाजार का ऊंचा स्तर बड़ा जोखिम पैदा कर रहा है। डॉलर की मजबूती और अमेरिका में नीतिगत दर पर पुनर्विचार ने उभरते बाजार की मुद्राओं को दबाव में ला दिया है। इससे उभरती अर्थव्यवस्थाओं में मौद्रिक नीति-निर्माताओं को नीतिगत दरों के बारे में और अधिक गहराई से सोचने की जरूरत है। इसमें आगे कहा गया है कि कृषि क्षेत्र का दृष्टिकोण आशावादी है। इससे उम्मीद बंधी है कि खाद्य कीमतों का दबाव धीरे-धीरे कम होगा।

बढ़ रहा क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म का आकर्षण

- औसतन दिल्ली के हर ग्राहक ने एक साल में खर्चे 20 लाख रुपये

नई दिल्ली ।

त्वरित डिलीवरी सुविधाओं के माध्यम से ऑनलाइन खरीदारी का माहौल बदल रहा है। क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर लोग अब सिर्फ खाद्य आइटम नहीं बल्कि अन्य उत्पादों की भी खरीदारी कर रहे हैं। स्विगी इंस्टामार्ट की रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली और देहरादून के ग्राहकों ने प्रति दिन औसतन 20 लाख रुपये से अधिक की खरीदारी की है। वैलेंटाइन्स डे पर गुलाब फूल के 307 ऑर्डर प्रतिमिनट आने वाले हैं। दिवाली के दिन भी 45 लाख रुपये से अधिक की झाड़ू की बिक्री हुई। रक्षा बंधन के दौरान 8,00,000 राखियों के ऑर्डर प्लेस किए गए। देशभर में दूध, दही, डोसा बैटर, चिप्स, और सॉफ्ट ड्रिंक जैसे उत्पादों की खरीदारी में वृद्धि हुई है। विशेष रूप से दिल्लीवाले ने इंस्टेंट नूडल्स पर 60 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। एक स्पेसिव खरीदारी की ओर देखते हुए अहमदाबाद में सोने के सिक्के, चेन्नई में इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण और हैदराबाद में आम खरीदने पर भी भारी राशि खर्च की गई है। त्वरित डिलीवरी के चलते लोग अब अपने खर्च करने के अंदाज में भी बदलाव देख रहे हैं। ऑनलाइन खरीदारी की यह तेजी जारी रहे तो यह समय दिखाएगा कि इसमें और क्या बदलाव आएंगे।

फुटवियर कंपनी रेडटेप ने किया बोनस इश्यू और डिविडेंड का ऐलान

कंपनी 3:1 के रेश्यों में बोनस शेयर जारी करेगी

नई दिल्ली ।

किफायती फुटवियर ब्रांड रेडटेप ने नये साल पहले अपने शेयरधारकों को बोनस इश्यू और डिविडेंड का ऐलान किया है। कंपनी ने कहा कि वह 3:1 के रेश्यों में बोनस शेयर जारी करेगी। इसके साथ ही 2 रुपये प्रति शेयर अंतरिम डिविडेंड भी जारी करेगी। बोनस शेयर यानी हर 1 शेयर रखने वाले निवेशक को 3 नए शेयर मुफ्त में दिए जाएंगे। हालांकि अभी शेयरधारकों की मंजूरी बाकी है।

कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि अंतरिम डिविडेंड के लिए पात्र शेयरधारकों की पहचान के लिए रिकॉर्ड तारीख 3 जनवरी तय की गई है। वहीं बोनस शेयरों के लिए अभी तक रिकॉर्ड डेट नहीं निर्धारित की गई है, जिसके लिए कंपनी बाद में अपडेट जारी करेगी। ऐसे में जिन शेयरधारकों का नाम रिकॉर्ड डेट तक कंपनी के रजिस्टर में शामिल होगा, उन्हें डिविडेंड का लाभ मिलेगा। वहीं डिविडेंड का लाभ उठाने के लिए निवेशकों के पास 2 जनवरी 2025 तक शेयर खरीदना मौका है। रेडटेप का यह कदम उसकी इक्विटी कैपिटल में भारी बढ़ोतरी करेगा। मौजूदा समय में कंपनी की पेड-अप इक्विटी शेयर कैपिटल 27.64 करोड़ है, जो 13.82 करोड़ शेयरों में विभाजित है। बोनस शेयर इश्यू के बाद यह पूंजी बढ़कर 110.56 करोड़ रुपये हो जाएगी और कुल शेयरों की संख्या 55.28 करोड़ हो जाएगी। गौरतलब है कि यह रेडटेप का पहला बोनस शेयर इश्यू है, कंपनी ने इससे पहले कभी बोनस इश्यू नहीं जारी किया है।

बोइंग और एयरबस को टक्कर दे रही एंब्रेयर, जल्द ही दुनिया की दूसरी बड़ी एयरक्राफ्ट कंपनी होगी

लंदन ।

अजरबैजान एयरलाइंस का एक विमान कजाखस्तान में हादसे का शिकार हुआ। इसमें 38 यात्रियों की मौत हुई, जबकि 29 लोग घायल हो गए। यह विमान बाकू से रूस के ग्रोज्नी जा रहा था। विमान में कुल 62 यात्री और पांच क्रू मेंबर चालक दल के सदस्य थे। विमान के पक्षियों के झुंड के टकराने के कारण पायलट को एमरजेंसी लैंडिंग का फैसला लेना पड़ा। इस दौरान विमान में आग लग गई और वह दो टुकड़ों में टूट गया। विमान से दो बच्चों सहित 29 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

कजाखस्तान में दुर्घटनाग्रस्त हुआ अजरबैजान एयरलाइंस का विमान एंब्रेयर कंपनी का था। यह कंपनी का ईआरजे-190 विमान था जो 11 साल पुराना था। जब भी एयरक्राफ्ट बनाने वाली कंपनियों की चर्चा होती हैं, तब सबके जेहन में बोइंग और एयरबस का नाम आता है। बोइंग अमेरिका की कंपनी है, जबकि एयरबस यूरोपीय। लेकिन हाल के वर्षों में ब्राजील की एक कंपनी ने बोइंग और एयरबस से लोहा ले रही है। इस कंपनी का नाम एंब्रेयर है। हाल के वर्षों में बोइंग के विमानों के साथ कई तरह की समस्याएं आई हैं। इस कारण एंब्रेयर को अपना मार्केट बढ़ाने का मौका मिला है।

बताया जा रहा हैं कि जल्दी ही यह बोइंग को पछाड़कर दुनिया की दूसरी बड़ी एयरक्राफ्ट मेकर कंपनी बनेगी। इसकी वजह यह है कि अमेरिका की कई बड़ी एयरलाइन कंपनियां भी अब एंब्रेयर के विमान खरीद रही है। इतना ही नहीं सिंगापुर एयरलाइन सहित दुनियाभर की कई एयरलाइंस भी एंब्रेयर के विमानों पर दांव लगा रही हैं। भारतीय वायु सेना को मीडियम ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट की आपूर्ति के लिए एंब्रेयर ने इस साल फरवरी में महिंद्रा से हाथ मिलाया था। अभी भारतीय एयरलाइन कंपनियों, चार्टर्ड कंपनियों और डिफेंस फोर्सेज के पास 44 एंब्रेयर विमान हैं। कंपनी भारत में मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट लगाने के लिए मोदी सरकार और दिग्गज कंपनियों से बातचीत कर रही है। इसकी वजह यह है कि देश में अगले कुछ वर्षों में विमानों को मांग में काफी तेजी आने की उम्मीद है।

पेट्रोल 95 और डीजल 88 रुपए लीटर

- ब्रेंट क्रूड का भाव फिसलकर 73.19 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार चढ़ाव देखा जा रहा है। जिसका सीधा असर पेट्रोल-डीजल पर पड़ता है। वैश्विक बाजार में शुक्रवार को कच्चे तेल की कीमतों में मामूली गिरावट देखने को मिली है, जिसके बाद देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी आई है।

हालांकि, दिल्ली-मुंबई जैसे शहरों में तेल के दाम स्थिर बने हुए हैं। शुक्रवार को सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी किए गए नए भाव के अनुसार यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 34 पैसे सस्ता होकर 94.71 रुपए लीटर बिक रहा है।

जबकि डीजल भी 38 पैसे गिरा और 87.81 रुपए लीटर पहुंच गया है। वहीं बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 58 पैसे गिरावट के साथ 105.53 रुपए लीटर तो डीजल 55 पैसे टूटकर 92.37 रुपए लीटर बिक रहा है।

इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में भी पेट्रोल 7 पैसे गिरकर 99.64 रुपए लीटर हो गया, जबकि डीजल 6 पैसे टूटकर 84.82 रुपए लीटर हो गया है। कच्चे तेल की कीमतों में भी मामूली गिरावट दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव फिसलकर 73.19 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी बढ़त के साथ 69.57 डॉलर प्रति बैरल हो गया है।

वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर है। श्रीनगर में पेट्रोल 99.64 रुपए और डीजल 84.82 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 94.71 रुपए और डीजल 87.81 रुपए प्रति लीटर और पटना में पेट्रोल 105.53 रुपए और डीजल 92.37 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

रुपया सबसे निचले स्तर पर बंद

मुंबई ।

अअमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को रुपया 23 पैसे टूटकर सबसे निचले स्तर 85.50 पर बंद हुअ। इससे पहले मुद्रा के मजबूत रुख और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के बीच रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में रुपया आठ पैसे टूटकर अपने सर्वकालिक निचले स्तर 85.35 पहुंच गया। विश्लेषकों के अनुसार महीने तथा साल के अंत में भुगतान दायित्वों के लिए आयातकों द्वारा डॉलर की बढ़ती मांग से डॉलर को मजबूती मिली जिससे स्थानीय मुद्रा पर दबाव पड़ा। हालांकि, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और घरेलू बाजारों से सकारात्मक संकेतों ने भारतीय मुद्रा की गिरावट को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया कमजोर रुख के साथ 85.31 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 85.35 प्रति डॉलर के अपने नए सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से आठ पैसे की गिरावट दिखाता है। वहीं रुपया गुरुवार को 12 पैसे की गिरावट के साथ 85.27 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 107.93 पर रहा।

ममता मशीनरी का शेयर अपने निर्गम मूल्य से 147 प्रतिशत उछाल के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली । पैकेजिंग मशीन बनाने वाली कंपनी ममता मशीनरी का शेयर अपने निर्गम मूल्य 243 से करीब 147 प्रतिशत उछाल के साथ शुक्रवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर कंपनी का शेयर 146.91 प्रतिशत की बढ़त के साथ 600 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। इसके बाद यह 159.23 प्रतिशत चढ़कर 629.95 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर इसने 600 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 1,550.17 करोड़ रुपये रहा। ममता मशीनरी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पेशकश के` पिछले सोमवार तक कुल 194.95 गुना अभिदान मिल था। कंपनी के 179 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा 230-243 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। आईपीओ पूरी तरह से बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित था। ममता मशीनरी पैकेजिंग उद्योग के लिए विनिर्माण समाधान प्रदान करती है। कंपनी अपनी मशीनें 'वेगा' और 'विन' ब्रांड नामों के तहत बेचती है।

एयर इंडिया में बदलाव के प्रयास- कैंपबेल विल्सन

कंपनी में 2025 तक विभिन्न प्रमुख पहलों पर प्रगति देखने को मिलेगी

नई दिल्ली । एयर इंडिया के प्रमुख कैंपबेल विल्सन ने शुक्रवार को एक बड़ा आलोचनात्मक बयान जारी` किया, जिसमें उन्होंने दावा किया कि कंपनी में 2025 तक विभिन्न प्रमुख पहलों पर प्रगति देखने को मिलेगी। इसके अंतर्गत चौड़े तथा छोटे आकार के विमानों की मरम्मत भी शामिल है। ताजा सूचनाओं के अनुसार, टाटा समूह ने एयर इंडिया को हाल ही में खरीदा और अब कंपनी को पटरी पर लाने के लिए महत्वाकांक्षी परिवर्तन योजना पर काम कर रहा है। जिसके तहत इसने हाल ही में 100 विमानों के लिए भी ऑर्डर दिया है। विल्सन ने कर्मचारियों को 2024 में होने वाली महत्वपूर्ण उपलब्धियों के बारे में संदेश दिया और कहा` कि हमारा उद्देश्य है कि एयर इंडिया 2024 में प्रमुख परिवर्तनों में एक अग्रणी भूमिका निभाएगा। इस समय कंपनी का वित्त भी मजबूत है, वहीं एयर इंडिया के विमानों का कारोबार पिछले वर्ष से 23.69 फीसदी बढ़कर 38,812 करोड़ रुपये हो गया है। विल्सन ने अपने विचारों में यह भी कहा कि कंपनी के आने वाले वर्ष में अपनी कार्यप्रणाली को सुदृढ़ बनाकर मुनाफे में आने की कोशिश की जाएगी।

अल्ट्राटेक 851 करोड़ में खरीदेगी प्रवर्तकों से स्टार सीमेंट में हिस्सेदारी

स्टार सीमेंट की स्थापित क्षमता 77 लाख टन प्रति वर्ष है

नई दिल्ली । प्रमुख सीमेंट उत्पादक अल्ट्राटेक सीमेंट ने मेघालय के प्रमुख सीमेंट कंपनी स्टार सीमेंट के प्रवर्तकों से 8.69 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण की घोषणा की है। इस अल्पांश का मूल्य 851 करोड़ रुपये है। स्टार सीमेंट की स्थापित क्षमता 77 लाख टन प्रति वर्ष है और यह पूर्वोत्तर भारत के बाजार में प्रस्तुत है। अल्ट्राटेक ने मेघालय में दक्षिण के स्टार सीमेंट कंपनी की अनुषंगी कंपनी बनने के लिए यह अधिग्रहण किया है। भारतीय वित्तीय वार्षिक रिक्तियों 9 सितंबर को मान्यता प्राप्त की थी। अल्ट्राटेक ने इस अधिग्रहण के लिए 3.70 करोड़ शेयरों की अल्पांश हिस्सेदारी को खरीदने का निर्णय लिया है। अल्ट्राटेक ने यह भी दावा किया है कि अधिग्रहण की लागत 235 रुपये प्रति शेयर से ज्यादा नहीं होगी। इसमें एसटीटी, स्टांप ड्यूटी और अन्य शुल्क शामिल नहीं होंगे। अल्ट्राटेक के अनुसार स्टार सीमेंट के कुछ प्रवर्तक और प्रवर्तक समूह इकाइयां उनकी हिस्सेदारी बेचने का प्रस्ताव दे रही हैं और कंपनी से संपर्क किया है। अल्ट्राटेक ने यह भी कहा कि इस अधिग्रहण की कीमत एसटीटी को छोड़कर 851 करोड़ रुपये से अधिक नहीं होगी।

UltraTech CEMENT
The Engineer's Choice

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

मुम्बई ।

शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के अंत में 30 शेयरों वाला बंबई शेयर बाजार का प्रमुख संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 226.59 करीब 0.29 फीसदी की बढ़त के साथ ही 78,699.07 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 63.20 अंक तकरीबन 0.27 फीसदी ऊपर आकर 23,813.40 अंक पर बंद हुआ.

आज बीएसई सेंसेक्स के 19 शेयर तेजी के साथ बंद हुए। कारोबार के दौरान महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस, टाटा मोटर्स, बजाज फिनसर्व, सनफार्मा, नेस्ले इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, इन्फोसिस, मारुति सुजुकी और आईटीसी के शेयरों में उछाल आया। वहीं भारतीय स्टेट बैंक, टाटा स्टील, अदाणी पोर्ट्स जोमैटो, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, लार्सन एंड टुब्रो और टाइटन के शेयरों में गिरावट रही।

दूसरी ओर निफ्टी के 30 शेयर बढ़त पर रहे जबकि 20 शेयरों में गिरावट रही । बजाज ऑटो, आयशर मोटर्स, टाटा मोटर्स, इंडसइंड बैंक और डॉ रेड्डी में उछाया आया जबकि हिंडाल्को, भारतीय स्टेट बैंक, कोल इंडिया, ओएनजीसी और भारत इलेक्ट्रिक लिमिटेड के शेयर गिरे हैं।

गत दिवस बाजार सपाट बंद हुआ था। दूसरी ओर एशियाई बाजारों की बात करें, तो जापान के निक्केई और चीन के शंघाई कंपोजिट में बढ़त रही जबकि हांगकांग के हैंगसेंग और दक्षिण कोरिया के कॉस्पी में गिरावट आई। एशियाई बाजारों में उछाल रहा जबकि अमेरिकी बाजारों में गत दिवस गिरावट रही।

इससे पहले आज सुबह घरेलू बाजार की ठोस शुरुआत हुई। सुबह सेंसेक्स 242.78 अंक की बढ़त के साथ 78,715.26 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी तेजी के साथ 23,801.40 अंक पर खुला।

एनटीपीसी आरईएल की सादला सौर परियोजना से 37.50 मेगावाट वाणिज्यिक आपूर्ति शुरू

एनटीपीसी का लक्ष्य 2032 तक 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली उत्पादन क्षमता हासिल करना

नई दिल्ली ।

एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड ने गुजरात के सादुला में स्थित सौर पीवी परियोजना की 200 मेगावाट क्षमता में से 37.50 मेगावाट की वाणिज्यिक आपूर्ति शुरू कर दी है। यह एक महत्वपूर्ण कदम है जो एनटीपीसी की स्थापित और वाणिज्यिक क्षमता को 76,598.18 मेगावाट तक पहुँचा देता है।

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के माध्यम से गुजरात में स्थित सादुला परियोजना के 37.50 मेगावाट की नई क्षमता का वाणिज्यिक आपूर्ति शुरू होने के साथ ही एनटीपीसी का लक्ष्य है 2032 तक 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित बिजली उत्पादन क्षमता हासिल करना। उनका और एक लक्ष्य है 2032 तक 60 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता हासिल करना। एनटीपीसी के इस कदम से एनटीपीसी के एक अधिकारी ने कहा कि हमारा लक्ष्य है पर्यावरण को सुरक्षित बनाने और मानव समुदाय को उचित ऊर्जा उपलब्ध कराने के लिए अधिक सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता हासिल करना। इसके साथ ही उन्होंने इस समाधान को भी साझा किया कि उनका लक्ष्य है भारत को स्वच्छ और सस्ती ऊर्जा प्रणाली प्रदान करना। एनटीपीसी अपने प्रयासों के माध्यम से भारत का ऊर्जा स्वावलंबन बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। इस कदम से एनटीपीसी ने अक्षय ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण के मामले में एक अच्छी दिशा में कदम रखा है।

ट्रांसरेल लाइटिंग का शेयर 37 प्रतिशत उछाल के साथ सूचीबद्ध

शेयर अपने निर्गम मूल्य 432 रुपये से करीब 37 प्रतिशत तक उछला

नई दिल्ली । ट्रांसरेल लाइटिंग का शेयर अपने निर्गम मूल्य 432 रुपये से करीब 37 प्रतिशत चढ़कर शुक्रवार को सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 585.15 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य से 35.45 प्रतिशत की बढ़त दर्शाता है। बाद में यह 39.81 प्रतिशत चढ़कर 604 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर शेयर ने 36.57 प्रतिशत की बढ़त के साथ 590 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 7,757.31 करोड़ रुपये था। ट्रांसरेल लाइटिंग के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पेशकश के अंतिम दिन सोमवार को 80.80 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 839 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 410-432 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया था। ट्रांसरेल लाइटिंग देश की अग्रणी इंजीनियरिंग, खरीद व निर्माण (ईपीसी) कंपनियों में से एक है। इसकी 58 से अधिक देशों में मौजूदगी है।

कोयला सेक्टर में 2025 में अनेक गतिविधियां की संभावना

गैसीकरण क्षेत्र में भी सरकार अधिक काम करने की बना रही योजना

नई दिल्ली । कोयला सेक्टर में आगामी वर्ष 2025 में भारत में कई महत्वपूर्ण गतिविधियां होने की संभावना है। इसमें सरकार की कोल एक्सचेंज की शुरुआत सहित अनेक पहल सम्मिलित हैं। कोयले के व्यापार को सुगम बनाने के लिए एक कोल एक्सचेंज की शुरुआत की जा रही है, जिससे अर्थव्यवस्था की मांग पूरी की जा सके। कोयला गैसीकरण क्षेत्र में भी सरकार अधिक काम करने की योजना बना रही है, क्योंकि यह ऊर्जा बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कोयले की मांग के बढ़ने के साथ, कोयले अतिरिक्त सचिव ने बताया कि सरकार कोयले के उत्पादन को बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। सार्वजनिक क्षेत्र की खदानों में उत्पादन दर में उत्कृष्ट वृद्धि की गई है। उम्मीद है कि 2025 में इस वृद्धि जारी रहेगी। विभिन्न स्रोतों से बिजली की मांग में वृद्धि के कारण, थर्मल कोयले का उत्पादन संभावित है कि 8-10 प्रतिशत बढ़े। यह वृद्धि निजी खदानों द्वारा संचालित होने की उम्मीद है। कोयले के सेक्टर में इन गतिविधियों की संभावना से विभिन्न क्षेत्रों में विकास की सामर्थ्य बढ़ेगी और देश की अर्थव्यवस्था मिलकर मजबूत होगी।

दीप्ति के शानदार प्रदर्शन से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने तीसरे एकदिवसीय में वेस्टइंडीज को हराकर सीरीज 3-0 से जीती

वड़ोदरा (एजेंसी)। दीप्ति शर्मा के ऑलराउंड प्रदर्शन की सहायता से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने तीसरे एकदिवसीय मैच में भी वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराकर 3-0 से सीरीज जीती है। इस मैच में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 162 रन बनाये। इस प्रकार भारतीय टीम को जीत के लिए 163 रनों का लक्ष्य मिला जिसे भारतीय टीम ने 28.2 ओवरों में ही 167 रन बनाकर हासिल कर लिय। भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक नाबाद 39 रन दीप्ति ने बनाये। वहीं इससे पहले गेंदबाजी के दौरान भी दीप्ति ने छह विकेट लिए थे।

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 23 रनों के अंदर ही अपने दो विकेट खो दिए। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना केवल 4 रन रनों पर ही पेवेलियन लौट गयीं। वहीं हरलीन देओल के रन ही बना पायीं। इसके बाद प्रतिका रावल ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ स्कोर आगे बढ़ाया। प्रतिका 10वें ओवर में 18 रन बनाकर हेली मैथ्यूज का शिकार बनी। इसके बाद हरमनप्रीत कौर भी 32 रन बनाकर आउट हो गयीं।

ऐसे में जेमिमाह रॉड्रिग्स और दीप्ति ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने पांचवें विकेट के लिये 56 रन बनायेई। जेमिमाह 29 बनकार आउट हुईं। इसके बाद भी दीप्ति डटी रहीं उन्होंने ऋचा घोष के साथ बल्लेबाजी करते हुए टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। दीप्ति शर्मा ने 48 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाकर नाबाद 39 रन बनाये। वहीं ऋचा घोष ने 11 गेंदों में एक चौका और तीन छक्के लगाते हुए तेजी से नाबाद 23 रन बनाये। इस प्रकार भारतीय टीम ने 28.2 ओवरों में ही 167 रन बनाकर मुकाबला 3-0 से जीत लिया। वेस्टइंडीज की ओर से डिएंड्रा डॉटिन, आलिया ऑलेन, हेली मैथ्यूज, करिश्मा रामहैक और ऐफी फ्लेचर ने एक-एक विकेट लिया।

वहीं इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज करते हुए वेस्टइंडीज टीम भारतीय गेंदबालों का सामना नहीं कर पायी। दीप्ति शर्मा ने छह विकेट जबकि रेणुका सिंह ने चार विकेट लिए। वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने केवल नौ रन के स्कोर पर अपने तीन विकेट गवां दिये। इसके बाद शमैन कैंपबेल और शिनेल हेनरी की जोड़ी ने पारी को संभाला। शिनेल हेनरी ने 72 गेंदों में 5 चौके और तीन छक्के लगाते हुए सबसे अधिक 61 रन बनाये। वहीं आलिया ऑलेन ने 21 रन बनाये बाकि बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पायीं।

पोटिंग सहित कई पूर्व दिग्गजों ने रोहित के शॉट चयन पर सवाल उठाये

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी सीरीज के चौथे क्रिकेट टेस्ट की पहली पारी में भी असफल रहे और केवल तीन रन ही बना पाये। इसी को लेकर कई दिग्गज क्रिकेटरों ने रोहित के शॉट चयन पर सवाल उठाये हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा कि जिस प्रकार पैट कमिंस की एक अच्छी गेंद को भारतीय कप्तान ने खेला वह निराशाजनक था। पोंटिंग के अनुसानर मजबूत गेंदबाजी लाइन-अप का सामना करते समय आपको हमेशा तैयार रहने के साथ ही सही फैसले लेने चाहिए।

रोहित इस सीरीज में पहली बार पारी की शुरुआत करने उतरे थे पर वह उसमें विफल रहे। इससे पहले दूसरे और तीसरे टेस्ट में वह मध्यक्रम पर उतरे थे लेकिन वहां भी वह रन नहीं बना पाये। इस बार रोहित ने पारी की शुरुआत करते हुए कमिंस की गेंद पर एक पुल शॉट खेला पर गेंद ठीक से बल्ले पर नहीं आयी और वह कैच हो गये। इस शॉट की आलोचना करते हुए पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा कि ये एक बेमन से लगाया शॉट था जिसके लिए रोहित ने ठीक से प्रयास नहीं किया। उन्होंने अपनी जगह पर खड़े-खड़े खेलने का प्रयास किया।

इस प्रकार के शॉ को प्रतिबद्ध होकर लगाया नहीं कहा जा सकता है। वह आक्रामक भी नहीं लग रहे थे। वह बस गेंद को किसी प्रकार दिशा देने का प्रयास करते हुए दिखे। अगर आप इस तरस से ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण का सामना करते हैं तो आपको सावधान रहना होगा और अच्छे निर्णय लेने होंगे। वहीं अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो वे हर बार अपना विकेट गंवा देंगे।

इसी प्रकार के विचार ऑस्ट्रेलिया के ही पूर्व क्रिकेटर डेरेन लेहमैन ने व्यक्त किये हैं। उन्होंने कहा, अगर हिट करने जा रहे हैं तो उसे हिट करें रोहित। आप एक क्लास खिलाड़ी हैं, आपको वास्तव में इसे स्वीकार करना चाहिए। आउटफील्ड में बहुत जगह है, इसे स्वीकार करें और शॉट खेलें। इसके अलावा इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी रोहित के आलसी रवैये की आलोचना की। उन्होंने कहा, यह वास्तव में एक बड़ी गलती है, यह एक बेकार शॉट था। वह पारी की शुरुआत में ही गति और उछाल जाने बिना ही गेंद को हिट करने का प्रयास करता है जो सही नहीं है। रोहित पिछले कुछ सयम से लगातार खराब दौर से गुजर रहे हैं। इससे पहले न्यूजीलैड के खिलाफ घरेलू सीरीज में भी वह रन नहीं बना पाये थे।

हम अभी भी वापसी कर सकते हैं और लड़ाई जारी रख सकते हैं : वाशिंगटन सुंदर

मेलबर्न (एजेंसी)। ज्यादातर मजबूत बल्लेबाजों के पवेलियन लौटने के बाद भारत को उम्मीद होगी वाशिंगटन सुंदर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट में बल्ले से अच्छा प्रदर्शन करेंगे और तमिलनाडु का यह ऑलराउंडर भी एमसीजी पर अपनी टीम के लिए योगदान देने के लिए दृढ़ है। वाशिंगटन अच्छी तरह से समझते हैं कि भारतीय टीम प्रबंधन आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए उससे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद कर रहा है।

ऋषभ पंत (6) और रविंद्र जडेजा (4) भारत की पहली पारी को पांच विकेट पर 164 रन से आगे बढ़ाएंगे जबकि वाशिंगटन अगले नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरेंगे। वाशिंगटन से जब पूछा गया कि टीम प्रबंधन की उम्मीदों के अनुकूल प्रदर्शन करने के लिए वह अपने खुद को किस तरह तैयार करते हैं तो उन्होंने कहा, 'क्या यह शानदार नहीं है कि टीम चाहती है कि मैं खेल के तीनों पहलुओं में अच्छा प्रदर्शन करूं। यह मेरे लिए एक शानदार मौका है।'

उन्होंने कहा, 'टीम की जो भी जरूरत होगी उसे पूरा करना बहुत महत्वपूर्ण होगा। मैं चाहे मैच के दौरान किसी भी स्थिति में क्यों नहीं रहूं, यह मैदान पर डटे रहने और सही ऊर्जा से खेलने तथा टीम के लिए काम करने के बारे में है।' उन्होंने स्वीकार किया कि वे अच्छी स्थिति में नहीं हैं लेकिन उन्होंने यह मानने से इनकार कर दिया कि वे चुनौती नहीं दे सकते। उन्होंने कहा, 'हम बड़ा स्कोर बनाने के लिए अच्छी स्थिति में थे लेकिन हम वापसी करेंगे और कल सुबह संघर्ष जारी रखेंगे।'

भारतीय टीम ने यशस्वी के अर्धशतक से पहली पारी में बनाये 164/5

–स्मिथ के शतक से ऑस्ट्रेलिया ने बनाये 474

मेलबर्न (एजेंसी)। यशस्वी जायसवाल की 82 रनों की शानदार पारी की सहायता से भारतीय टीम ने मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर सीरीज के चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन अपनी पहली पारी में पांच विकेट पर 164 रन बनाये। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय ऋषभ पंत 6 और रविन्द्र जडेजा 4 रनों पर खेल रहे थे। वही इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए हैं। ऐसे में भारतीय टीम अब भी उससे 310 रनों से पीछ है। दूसरे दिन के खेल में मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम हावी रही। बल्लेबाजी के दौरान जहां स्टीव स्मिथ ने 140 रनों की शतकीय पारी खेली। वहीं इसके बाद उसके गेंदबाजों ने आधी भारतीय टीम को पेवेलिन भेज दिया।

अंतिम सत्र में मेजबान टीम हावी हो गयी। 474 रनों का पीछ करते हुए एक समय भारतीय टीम ने दो विकेट पर 153 रन बनाये थे। इसके बाद छह रनों के अंददर ही भारतीय टीम ने तीन और विकेट खो दिए। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल बदकिस्मती से रन आउट हो गये। यशस्वी ने कोहली के साथ 102 रन की साझेदारी की। यशस्वी के रन आउट होते ही भारतीय टीम दबाव में आ गयी। यशस्वी 82 रन बना सके जबकि विराट कोहली ने 36 रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए उतरे आकाश दीप भी शून्य पर ही आउट हो गये।

भारतीय पारी की शुरुआत बेहद खराब रही और कप्तान रोहित शर्मा तीन रन और केएल राहुल 24 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने दो-दो विकेट लिए। इससे पहले आज सुबह ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले दिन के 6 विकेट पर 311 रनों से आगे खेलते हुए अपनी पहली पारी में 474 रन बनाये। स्टीव स्मिथ ने 140 रनों की शतकीय पारी खेली। वहीं भारतीय टीम की ओर से जसप्रीत बुमराह ने सबसे अधिक चार विकेट लिए। मेजबान टीम की पहली पारी में शीर्ष क्रम के सभी 4 बल्लेबाजों ने 50 से अधिक रन बनाये जबकि स्मि?थ ने 140 रन बनाकर सीरीज का अपना दूसरा शतक लगाया। भारतीय टीम की ओर से बुमराह के 4 विकेट के अलावा रवींद्र जडेजा ने 3 विकेट लिए। आकाश दीप को 2, वाशिंगटन सुंदर को 1 विकेट मिला।

इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी रही। 19 साल के सैम कोंस्टास ने अपने डेब्यू मैच में ही अर्धशतक लगाकर टीम को शानदार शुरुआत दी। फिर कोंस्टास ने 11वें ओवर में बुमराह की गेंदों पर कुल 18 रन बनाये। कोंस्टास ने तूफानी बल्लेबाजी जारी रखी और सिर्फ 52 गेंदों पर अर्धशतक लगा दिया। इसके बाद उस्मान ख्वाजा और मार्नस लाबुशेन ने संभलकर खेले और दोनों ने 65 रनों की साझेदारी बनायी। 237 के स्कोर पर जहां लाबुशेन 72 रन बनाकर आउट हुए। वहीं ट्रेविस हेड 0 पर बुमराह की गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गए। आकाश दीप ने एलेक्स कैरी को 31 रन पर पेवेलिसन भेजा।

दूसरे दिन के खेल के पहले सत्र का आकर्षण स्मिथ की शानदार पारी रही। स्मिथ ने 9 चौके और दो छक्के की मदद से 167 गेंदों पर अपना शतक लगाया। स्मिथ का ये लगातार दूसरा शतक रहा स्मिथ ने टेस्ट करियर का यह 34वां और भारत के खिलाफ 11वां टेस्ट शतक बनाया। स्मिथ अब भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। स्मिथ और पैट कमिंस के बीच सातवें विकेट के लिए 112 रनों की साझेदारी हुई। कमिंस 49 रन बनाकर रवींद्र जडेजा की गेंद पर नीतीश रेड्डी के हाथों कैच हुए। आठवें विकेट मिचेल स्टार्क का गिरा। मिचेल ने 15 रन बनाये। इसके बाद स्मि?थ भी 150 रन बनाकर आउट हो गये। अंतिम विकेट नाथन लॉयन 13 का गिरा जबकि स्कॉट बोलैंड 6 रन बनाकर नाबाद रहे।

पूर्व प्रधान मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर क्रिकेटरों ने शोक जताया

नई दिल्ली । पूर्व प्रधान मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर पूर्व क्रिकेटरों ने भी शोक व्यक्त किया है। पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने सोशल मीडिया में लिखा, पूर्व प्रधान मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह एक सज्जन व्यक्ति और एक दूरदर्शी नेता थे, उनके आकस्मिक निधन की खबर से दुखी हूं। संकट के समय में उनका शांत और स्थिर नेतृत्व, जटिल राजनीतिक हालातों से निपटने की उनकी क्षमता उन्हें औरों से अलग करती थी। राष्ट्र डॉ. साहब को उनके योगदान के लिए सदैव याद रखेगा। उनके परिवार और रिश्तेदारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। सतनाम वाहेगुरु। वहीं सुरेश रैना ने लिखा, उनकी आत्मा को शांति मिले। वहीं वीरेंद्र सहवाग ने लिखा, हमारे पूर्व प्रधान मंत्री श्री मनमोहन सिंह जी के निधन पर मेरी हार्दिक संवेदना। ॐ शांति

पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने लिखा, डॉ. मनमोहन सिंह एक दूरदर्शी नेता और आर्थिक सुधारों के वास्तुकार थे जिन्होंने आधुनिक भारत को आकार दिया। उनकी बुद्धिमत्ता, विनम्रता और राष्ट्र के प्रति समर्पण को हमेशा याद रखा जाएगा। इसके अलावा भी कई अन्य क्रिकेटरों ने संवेदानाएं जतायी हैं।

मेलबर्न क्रिकेट क्लब ने सचिन तेंदुलकर को किया क्लब सदस्यता से सम्मानित

मेलबर्न - मेलबर्न क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने शुक्रवार को कहा कि महान भारतीय खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर ने इस प्रतिष्ठित संस्था का मानद सदस्य बनने का उसका निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। ऑस्ट्रेलिया के सबसे पुराने खेल क्लबों में से एक एमसीसी की स्थापना 1838 में हुई थी। यह खेल के प्रमुख स्थानों में से एक मेलबर्न क्रिकेट मैदान (एमसीजी) के प्रबंधन और विकास के लिए जिम्मेदार है। एमसीसी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'एक 'आइकन' को सम्मानित किया गया। एमसीसी को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि पूर्व भारतीय कप्तान सचिन तेंदुलकर ने खेल में उनके उत्कृष्ट योगदान को स्वीकार करते हुए मानद क्रिकेट सदस्यता स्वीकार कर ली है।' तेंदुलकर एमसीजी में सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज है। उनके नाम इस मैदान में पांच टेस्ट मैचों में 44.90 के औसत और 58.69 के स्ट्राइक रेट से 449 रन है। उन्होंने इस मैदान पर एक शतक और तीन अर्द्धशतक जड़े हैं। इससे पहले 2012 में तेंदुलकर को देश के सर्वोच्च सम्मानों में से एक 'ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया' से सम्मानित किया गया था। एमसीजी वर्तमान में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की श्रृंखला के चौथे टेस्ट मैच की मेजबानी कर रहा है।

एडेन मारक्रम ने पस्त किए पाकिस्तान गेंदबाजी, टीम को मिली 90 रन की बढ़त

सेंचुरियन (एजेंसी)। एडेन मारक्रम (89) और कॉर्बिन बॉश (नाबाद 81) की शानदार अर्धशतकीय पारियों की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को 301 रनों का स्कोर खड़ा कर पाकिस्तान के खिलाफ 90 रनों की बढ़त ले ली है। दक्षिण अफ्रीका ने कल के 3 विकेट पर 82 रन से आगे खेलना शुरु किया। दक्षिण अफ्रीका का चौथा विकेट कप्तान तेम्बा बवूमा (31) के रूप में गिरा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये डेविड बेडिंघम ने एडन मारक्रम के साथ पारी को संभाला। नसीम शाह ने बेडिंघम (30) को आउट कर इस बढ़ रही साझेदारी को तोड़ा। काइल वेरेन और माकर यानसन (दो-दो) रन बनाकर आउट हुए। ऐसे संकट के समय में बल्लेबाजी करने आए कॉर्बिन बॉश शानदार बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए तेजी के साथ रन बटोरे।

56वें ओवर में खुरर्म शहजाद ने एडन मारक्रम को रिजवान के हाथों कैच आउट करा दिया। मारक्रम ने 144 गेंदों में (89) रनों की पारी खेली। सैम अयूब ने डेन पैटरसन (12) को आउट कर दक्षिण अफ्रीकी पारी का अंत किया। कॉर्बिन बॉश (81) रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका ने 73.4 ओवर में 301 रनों का स्कोर खड़ा करते हुए पाकिस्तान की पहली पारी के आधार पर 90 रनों की बढ़त ले ली है। पाकिस्तान की ओर से खुरर्म शहजाद और नसीम शाह ने तीन-तीन विकेट लिए और मोहम्मद अब्बास और सैम अयूब को 1-1 विकेट मिला। आमेर जमाल ने 2 बल्लेबाजों को आउट किया। इससे पहले पाकिस्तान ने पहली पारी में 211 रन बनाए थे।

सिमोना हालेप ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वालीफाइंग से हटीं

मेलबर्न (ऑस्ट्रेलिया) । दो बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन सिमोना हालेप ने घुटने और कंधे में दर्द के कारण बृहस्पतिवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वालीफाइंग और तैयारी के लिए न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में होने वाले टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया। हालेप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि अबुधाबी में एक प्रदर्शनी मैच में भाग लेने के बाद वह अस्वस्थ महसूस कर रही थीं। हालेप ने लिखा कि अपनी टीम के साथ लंबी चर्चा करने के बाद हम इस बात पर सहमत हुए कि सत्र की शुरुआत में देरी करना समझदारी है। मैं यह नहीं चाहती थी। रोमानिया की इस 33 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि वह अपने देश में ट्रांसिल्वेनिया ओपन में भाग लेने की योजना बना रही हैं जो तीन फरवरी से शुरू होगा। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वालीफाइंग मैच छह जनवरी से शुरू होंगे और मुख्य 12 जनवरी से आरंभ होगा। इससे प्रतिबंधित पदार्थ के निलंबन के से उनकी वापसी में फिर बाधा पैदा हुई।

जिम्बाब्वे के 3 प्लेयरों ने ठोके शतक, स्कोर 586, खूब पिटे अफगानी स्पिनर

बुलावायो (एजेंसी)। शॉन विलियम्स (154), कप्तान क्रेग एर्विन (104) और ब्रायन बेनेट (नाबाद 110) रनों की शतकीय पारियों की बदौलत जिम्बाब्वे ने पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को दूसरे सत्र की समाप्ति पर 586 रनों विशाल स्कोर बना लिया। जिम्बाब्वे ने आज 4 विकेट पर 363 रन के कल के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। अभी टीम के स्कोर में 20 रन और जुड़े थे कि नवीद जदरान शॉन विलियम्स को आउटकर पवेलियन भेज दिया। विलियम्स ने 174 गेंदों में (154) रन बनाए। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए ब्रायन बेनेट ने कप्तान एर्विन का बखूबी साथ निभाया।

इसी दौरान एर्विन ने अपना शतक पूरा किया। 465 के स्कोर पर जिया उर रहमान ने एर्विन (104) को आउट किया। न्यूमैन न्यामहुरी (26), ब्लेसिंग मुजराबानी (19) और ट्रेवर ग्वांडू (3) रन बनाकर आउट हुए। जिम्बाब्वे ने 135.2 ओवर में 586 रनों का स्कोर खड़ा किया। ब्रायन बेनेट 124 गेंदों में (110) रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले दिन गुरुवार को जिम्बाब्वे की जॉयलॉर्ड गंबी और बेन करर्न की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिये 43 रन जोड़े। 9वें ओवर में नवीद जदरान ने जॉयलॉर्ड गंबी (9) को आउट कर अफगानिस्तान को पहली सफलता दिलाई थी। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए टी काइटानो ने बेन करर्न के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 26वें ओवर में ए एम गजनफर ने अर्धशतक बना चुके बेन करर्न को बोल्ड कर जिम्बाब्वे को बड़ा झटका दिया। करर्न ने 74 गेंदों में 11 चौके लगाते हुए (68) रनों की पारी खेली।

इसके बाद टी काइटानो और शॉन विलियम्स ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 78 रनों की साझेदारी हुई। 45वें ओवर में जहीर खान ने टी काइटानो को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। काइटानो ने 115 गेंदों में (46) रन बनाए। इसके बाद गजनफर ने डिओन मेयर्स (27) को अपना शिकार बना लिया। अफगानिस्तान की ओर से एएम गजनफर ने 3 विकेट लिए। नवीद जदरान, जहीर खान और जिया उर रहमान ने दो-दो बल्लेबाज को आउट किया। अजमतउल्लाह ओमरजई को एक विकेट मिला।

रन नहीं बना पाने और फॉर्म से बाहर होने में अंतर है : स्टीव स्मिथ

मेलबर्न - ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी के मुख्य स्तंभ स्टीव स्मिथ को पता था कि वह रन नहीं बना पा रहे हैं लेकिन कभी भी फॉर्म से बाहर नहीं हुए और उन्होंने 18 महीने के अंतराल के बाद एक हफ्ते के अंदर भारत के खिलाफ लगातार दो टेस्ट शतक जड़ दिए। ब्रिसबेन में अपना 33वां शतक बनाने के बाद स्मिथ ने शुक्रवार को एमसीजी में चौथे टेस्ट के दूसरे दिन सुनील गावस्कर के 34 शतकों के तत्कालीन विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की। यह पूछे जाने पर कि जब आसानी से रन नहीं बन रहे थे तब वह इतने दिनों तक कैसे डटे रहे, तो स्मिथ ने यहां दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद कहा, 'कभी-कभी आप गेंद पर अच्छी तरह से शॉट लगा सकते हैं जो मुझे लगता है कि मैंने आप सभी से तब कहा था जब मैं रन नहीं बना रहा था। मुझे वास्तव में ऐसा लग रहा था कि मैं काफी अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं। और मुझे लगता है कि फॉर्म से बाहर होने और रन नहीं बना पाने में अंतर है। मुझे लगा कि मैं गेंद को अच्छी तरह से मार रहा हूं।' स्मिथ ने कहा, 'मेरा मतलब है कि आपको भरोसा रखना होगा। आप जो करने की कोशिश कर रहे हैं, उस पर आपको थोड़ा भरोसा रखना होगा। मैं अब तक काफी समय से खेल रहा हूं और मुझे पता है कि उतार-चढ़ाव हो सकते हैं। पर थोड़ा भरोसा रखिए।' स्मिथ के पांच मैचों की श्रृंखला समाप्त होने से पहले 10,000 टेस्ट रन बनाने की उम्मीद है।

विश्व मुक्केबाजी ने नयी एशियाई संस्था बनायी; लवलीना एथलीट आयोग में, अजय सिंह बोर्ड सदस्य नामित

नयी दिल्ली (एजेंसी)। तोक्यो ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन को मुक्केबाजी की अलग वैश्विक संस्था 'विश्व मुक्केबाजी' के एथलीट आयोग में शामिल किया गया है जबकि अध्यक्ष अजय सिंह सहित भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के छह अधिकारी नवगठित अंतरिम एशियाई निकाय का हिस्सा होंगे। भारत इस नयी संरचना के भीतर एशियाई मुक्केबाजी के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जिसमें बीएफआई से जुड़े अधिकारियों को सात अहम समितियों में शामिल किया गया है। सिंह को बोर्ड सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। बोरगोहेन एशियाई और वैश्विक मुक्केबाजी में खिलाड़ियों से जुड़े मुद्दे उठायेंगी।

बीएफआई महासचिव हेमंत कुमार कलिता और कोषाध्यक्ष दिग्विजय सिंह सहित को क्रमश- ओलंपिक आयोग और वित्त एवं लेखा जांच समिति में अहम भूमिका मिली है। सिंह के हवाले से एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा गया, ''एशियाई मुक्केबाजी का निर्माण विश्व मुक्केबाजी के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है कि मुक्केबाजी एलए 2028 और उसके बाद ओलंपिक खेलों का हिस्सा बनी रहे।'' उन्होंने कहा, ''भारत को इस परिवर्तनकारी पहल के केंद्र में होने पर गर्व है, जो मुक्केबाजी के ओलंपिक भविष्य को सुरक्षित करने की प्रक्रिया में योगदान दे रहा है।''

सिंह ने एशिया की अंतरिम निकाय के गठन पर बीएफआई की भूमिका कहा, ''प्रमुख आयोगों में मजबूत प्रतिनिधित्व के साथ भारत प्रमुख नीतियों को प्रभावित करने, भारतीय मुक्केबाजी के विकास को आगे बढ़ाने और न केवल देश के भीतर बल्कि पूरे एशिया में खेल के विकास और प्रमुखता को बढ़ावा देने के लिए रणनीतिक रूप से तैयार है।''

एथलीट आयोग के तीन सदस्यों में से एक, बोरगोहेन ने पूरे एशिया में एथलीटों के लिए बेहतर बुनियादी ढांचे, उचित अवसरों और सहायता प्रणालियों की वकालत करने के लिए मंच के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''एशियाई मुक्केबाजी में एथलीट आयोग के सदस्य के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करना सम्मान की बात है। यह सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है कि खिलाड़ियों की आवाज सुनी जाए और निर्णय लेने की प्रक्रिया में प्राथमिकता दी जाए।''

उन्होंने कहा, ''मेरा ध्यान पूरे एशिया में बेहतर प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे, निष्पक्ष अवसरों और मजबूत समर्थन प्रणालियों की वकालत करने पर होगा जो मुक्केबाजों को वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता हासिल करने के लिए सशक्त बनाते हैं।''

बीएफआई अधिकारी नरेंद्र कुमार निर्वाण और डीपी भट्ट क्रमशः संविधान और खेल एवं प्रतिस्पर्धा आयोग में काम करेंगे, जबकि डॉ. करणजीत सिंह चिकित्सा आयोग में शामिल होंगे। यह घोषणा भारत को नवंबर 2025 में विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल की मेजबानी का अधिकार मिलने के एक सप्ताह बाद आई है। देश इसके साथ ही विश्व मुक्केबाजी कांग्रेस की भी मेजबानी करेगा। भारत इस साल की शुरुआत में डब्ल्यूबी में शामिल हुआ था।

संक्षिप्त खबरें

मनमोहन सिंह के निधन पर प्रदीप प्रसाद ने गहरी संवेदना प्रकट की

हजारीबाग/बिभा संवाददाता। हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और प्रख्यात अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भारतीय राजनीति और आर्थिक क्षेत्र का स्तंभ बताया। विधायक ने कहा, डॉ. मनमोहन सिंह का जीवन सादगी, निष्ठा और सेवा का अद्वितीय उदाहरण है उनका योगदान न केवल भारत की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में था, बल्कि उन्होंने वैश्विक मंच पर भारत की साख को भी मजबूत किया। उनके नेतृत्व में देश ने उदारीकरण और आर्थिक सुधारों की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाए। डॉ. सिंह की सादगी, ईमानदारी और विद्वत्ता की प्रशंसा करते हुए विधायक ने कहा कि उन्होंने राजनीति में एक ऐसा मानदंड स्थापित किया जिसे आने वाली पीढ़ियां याद रखेंगी। उनके शांत और विचारशील नेतृत्व ने देश को कई कठिन दौर से उबारा। उनकी नीतियों और दूरदर्शिता ने करोड़ों भारतीयों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि डॉ. सिंह के निधन से न केवल भारतीय राजनीति बल्कि पूरे समाज को गहरी क्षति हुई है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए कहा मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वे डॉ. मनमोहन सिंह जी की आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिवारजनों तथा शुभचिंतकों को इस कठिन समय में धैर्य और साहस प्रदान करें। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायक रहेगा। डॉ. मनमोहन सिंह ने 2004 से 2014 तक भारत के प्रधानमंत्री के रूप में सेवा दी। वे भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री थे जो एक प्रख्यात अर्थशास्त्री भी थे। उन्होंने 1991 में भारत के आर्थिक सुधारों की शुरुआत की, जिसके तहत देश को वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ जोड़ा गया। उनकी विनम्रता, विद्वत्ता और दूरदर्शिता हमेशा याद रखी जाएगी।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को दिल्ली पहुंचकर अंबा प्रसाद ने दी श्रद्धांजलि

हजारीबाग/बिभा संवाददाता। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय सचिव सह पश्चिम बंगाल सह प्रभारी बड़कागांव की पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह को दिल्ली स्थित आवास पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस दुख की घड़ी में अंबा प्रसाद ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आर्थिक सुधारों के पुरोधा, विश्व विख्यात अर्थशास्त्री व भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद हैं। अंबा प्रसाद ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें व शोक-संतप्त परिजनों को संबल प्रदान करने की कामना की।

डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर रोहित बजाज ने जताया शोक

हजारीबाग/बिभा संवाददाता। पूर्व प्रधानमंत्री और प्रख्यात अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर हजारीबाग यूथ विंग के कार्यकारिणी सदस्य रोहित बजाज ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने डॉ. सिंह को भारतीय राजनीति और आर्थिक सुधारों का स्तंभ बताते हुए कहा कि उनका जीवन सादगी, ईमानदारी और निष्ठा का प्रतीक था। रोहित बजाज ने बताया कि डॉ. मनमोहन सिंह ने न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया, बल्कि अपने नेतृत्व में भारत को वैश्विक मंच पर सशक्त पहचान दिलाई। उनके कार्यकाल में किए गए आर्थिक सुधार और उदारीकरण के कदम आज भी भारत की प्रगति की मजबूत नींव हैं। उन्होंने डॉ. सिंह के शांत और विद्वत्तापूर्ण स्वभाव की सराहना करते हुए कहा, उनकी नीतियां और दूरदर्शिता ने करोड़ों भारतीयों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए।

चरही के 15 माईल में हो रही थी नकली शराब की पैकिंग, छह शराब तस्कर गिरफ्तार

हजारीबाग/बिभा संवाददाता। रामगढ़ और हजारीबाग के बॉर्डर पर चरही थाना क्षेत्र अंतर्गत 15 माईल में नकली शराब की पूरी फैक्ट्री संचालित हो रही थी। यहां स्प्रिट से नकली शराब बनाया जा रहा था। इसका खुलासा तब हुआ जब चरही पुलिस ने 15 माईल के गोदाम में शुक्रवार को छापेमारी की। छापेमारी के दौरान यहां स्प्रिट का एक बड़ा खेप बरामद हुआ है। साथ ही छह शराब तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। वहां लोडर, पिकअप वैन और हाईवा जैसी गाड़ियां जब्त की गई है। इन सभी गाड़ियों में स्प्रिट भरकर गोदाम में लाया जाता था और नकली शराब की खेप उन्हीं गाड़ियों से झारखंड और बिहार राज्य के विभिन्न जिलों में खपाया जाता था। छापेमारी के दौरान गोदाम में एक हाईवा गाड़ी (बीआर 06 जीबी 9028) जब्त किया गया। पुलिस ने उसकी तलाशी ली, तो वहां 150 गैलन में भरा हुआ स्पीरिट पाया गया। इसके अलावा वहां गोदाम में 650 प्लास्टिक के जार भी स्पीरिट से भरे मिले हैं। प्रत्येक जार में 40 लीटर स्पीरिट भरा हुआ था। इसके अलावा लोडर गाड़ी (बीआर 31 जीबी 6578) और पिकअप वैन (बीआर 06 एम 2374) को भी जब्त किया गया है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने वहां से छह शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। जिसमें पंजाब राज्य के पटियाला जिला अंतर्गत राजपुरा सिटी थाना क्षेत्र अंतर्गत राजपुरा निवासी मनप्रीत, सिंहगढ़वा जिले के रेहला थाना क्षेत्र अंतर्गत सबोना गांव निवासी रियाजुद्दीन अंसारी, बिहार राज्य के समस्तीपुर जिला अंतर्गत खानपुर थाना क्षेत्र के मसना गांव निवासी राजो महतो, मुजफ्फरपुर जिले के बोचहा गांव निवासी मल्हा मांझी,कन्हाई मांझी और उमेश ठाकुर शामिल हैं।

सदर एसडीओ अशोक कुमार के खिलाफ थाना में शिकायत, पत्नी के भाई ने दर्ज कराया मामला

प्रमोद खंडेलवाल

हजारीबाग। सदर एसडीओ अशोक कुमार के खिलाफ लोहसिंघना थाना में शिकायत पहुंच गई है। सदर एसडीओ की पत्नी अनीता देवी के भाई राजकुमार गुप्ता शुक्रवार को शाम मामला थाना पहुंचे। समाचार लिखे जिला जाने तक सदर एसडीओ के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के कार्यवाई की जा रही थी। पुलिस को दर्ज कराये गये आवेदन में कहा गया है कि उनकी बहन अनीता कुमारी को पति अशोक कुमार ससुर दुर्योधन साहू देवर शिवनंदन कुमार एवं छोटी गोतनी रिंकू देवी ने जान से मारने के नियत से जला दिया है। राजू कुमार गुप्ता पिता ज्ञानी चन्द्र गुप्ता पता कृष्णा नगर उत्तरी शिवपुरी थाना पेलावल ने कहा है कि 26 दिसम्बर गुरुवार को सुबह 08.45 बजे पूर्वाहन मेरी छोटी बहन अनीता कुमारी पति अशोक कुमार (अनुमंडल पदाधिकारी सदर हजारीबाग उम्र 34 वर्ष पता अनुमंडल पदाधिकारी सदर के सरकारी आवास झील रोड़, थाना लोहसिंघना अशोक कुमार का छोटा भाई शिवनंदन कुमार पिता दुर्योधन साव उम्र 38 वर्ष ने फोन के माध्यम से सूचना दी की उनकी बहन जल गई है। इतना कहकर फोन काट दिया। आनन-फानन में पुनः फोन किया तो पता चला कि आरोग्यम हॉस्पिटल हजारीबाग से रेफर कर दिया है। जो बोकारो बीजीएच हॉस्पिटल ले के जा रहे है। बीच रास्ते में है। जबकि घटना कैसे हुआ। कब हुआ सो नही बताया गया। घटना के बारे में पता करने में पता चला कि यह घटना सुबह सात बजे पूर्वाहन की है। जब हमलोग सब मिलकर बाकोरो बीजीएच हॉस्पिटल पहुँचे तो देखा कि उनकी बहन का शरीर और मुँह काफी जल गया है। हास्पिटल के डॉक्टर से मिलने पर बताया गया कि अनीता कुमारी का 65 प्रतिशत भाग जल चूका है। उनकी बहन को तारपीन तेल से छिड़ककर पति अशोक कुमार, भाई शिवनदंन कुमार दोनो पिता दुर्योधन साव, रिंकु देवी पति शिवनंदन कुमार एवं दुर्योधन साव पिता नामालुम ने षंड्यंत्र रच कर जान मारने की नियत से शरीर पर तारपीन तेल छिड़ककर जलाने का प्रयास किया है। क्योंकि उनकी बहन बार-बार बोलती थी कि पति अशोक कुमार का किसी दूसरी महिला से अवैध संबंध था। इसी बात को लेकर दोनो के बीच विवाद होता रहता था। एक बार इस मामले में हम सब परिवार एवं अशोक कुमार के परिवार बैठक कर बातचीत किया गया। जिसमें अशोक कुमार ने कहा था कि अगले बार से शिकायत का मौका नही मिलेगा। फिर इसी विषय पर दोनो पति-पत्नी में विवाद हुआ तो फिर उनके यहाँ पहुँचे तो अशोक कुमार ने बोला कि जहाँ जाना जाओ तुमलोग मुझे फर्क नही पड़ता। वह खुद अपने अनुमंडल पदाधिकारी हैं। तुमलोग सब को बर्बाद कर दूगाँ। यही बात इनके पिता दुर्योधन साव, भाई शिवनंदन कुमार एवं रिंकु देवी ने भी धमकी दिया कि तुमलोग को जहाँ जाना है। अनीता कुमारी जैसी अशोक कुमार को बहुत सारा लड़की मिल जाएगी। उनकी बहन अनीता कुमारी का विवाह हिन्दु रितिवाज से दिनांक-20 नवंबर 2011 में हुई थी , इनके दो बच्चे अलौकीक किसलय उर्फ टिकु उम्र नौ वर्ष बेटा आरोही कश्यप उर्फ लाड़ो है। वर्तमान समय में उनकी बहन का इलाज बोकारो बीजीएच हॉस्पिटल से रेफर कर देवकमल हॉस्पिटल राँची में हो रहा है। वह जिदंगी और मौत से जूझ रही है। उन्हें पूर्ण विश्वास है कि मेरी बहन अनीता कुमारी के पति अशोक कुमार, ससूर दूर्योधन साव, छोटा देवर शिवनंदन कुमार एवं छोटी गोतनी रिंकु देवी ने मिलकर षडयंत्र के तहत तारपीन तेल से छिड़ककर जान मारने के नियत से आग लगा दिया गया है। इस घटना के बारे में जब मैं पता करने का प्रयास किया तो इन्हे जलाया जा रहा था तो मेरी बहन जान बचाने के लिए इधन-उधर भाग रही थी और काफी चिल्ला रही थी। काफी हो-हल्ला हो रहा है। मगर इनके पति अशोक कुमार, ससूर दूर्योधन साव, छोटा देवर शिवनंदन कुमार एवं छोटी गोतनी रिंकु देवी ने पकड़कर उसे जलाया था। जब इनलोग को लगा कि अब मर जाएगी तो आनन फानन में हॉस्पिटल ले गये। उपरोक्त तथ्यों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए कानुनी कार्रवाई करने की कृपा की जाए।

क्या कहते हैं लोहसिंघना थाना प्रभारी

लोहसिंघना थाना प्रभारी संदीप कुमार से जब इस घटना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है, विधि सम्मत करवाई जरूर होगी।

हजारीबाग का मौसम पर्यटकों के लिए अनुकूल पर्यटन के क्षेत्र में है असीम संभावनाएं: उपायुक्त

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के जिला मुख्यालय हजारीबाग में पर्यटन की असीम संभावनाएं है। बावजूद इसके पर्यटन के मानचित्र पर इसकी उपस्थिति अत्यंत कम है। वर्ष 2019 की बात की जाए तो झारखंड राज्य पर्यटक स्थल/प्रक्षेत्र के रूप में घोषित केवल सात स्थल ही मात्र थे। जिसमें (ए)श्रेणी के अंतरराष्ट्रीय स्तर में हजारीबाग नेशनल पार्क,सूरजकुंड बरकट्ठा थे। वहीं राष्ट्रीय महत्व को दर्शाती हुई (बी) श्रेणी के मेगालिथ साइट, बड़कागांव एवं (सी) श्रेणी में राज्य स्तरीय महत्व के चार जिसमें इस्को गुफा, कनहरी हिल,पद्मा का किला एवं बुढ़वा महादेव मंदिर बड़कागांव पर्यटक स्थलों के रूप में अधिसूचित थे। उपायुक्त नैंसी सहाय के कुशल मार्गदर्शन,प्रयासों तथा पर्यटन के क्षेत्र में जिला के महत्वपूर्ण रमणीक स्थलों को पर्यटन के लिहाज से अग्रणी सूची में शामिल करने के लिए कई उल्लेखनीय पहल की है। उपायुक्त के प्रयासों का ही परिणाम है कि वर्ष 2024 में 13 नए पर्यटक स्थलों के रूप अधिसूचित करने में सफलता मिली है। इस प्रकार अब कोनार डैम,नरसिंह स्थान, छडवा डैम, जगन्नाथ धाम मंदिर सिलवार, हजारीबाग झील, बुढ़वा महादेव मंदिर सदर, बरसो पानी बड़कागांव एवं माता चम्पेश्वरी मंदिर इचाक, पुनाई मंदिर इचाक, शिव मंदिर ताजपुर चौपारण, बुढ़िया माता मंदिर इचाक, जवाहर घाटी बरही को पर्यटक स्थलों के रूप अधिसूचित किया गया है। उपायुक्त नैंसी सहाय ने बताया कि इस सभी पर्यटक स्थलों में विकास की संभावनाओं को देखते हुए इन जगहों पर विकसित करने की योजनाओं का प्रारूप तैयार किया जा रहा है,नए वर्ष 2025 में इन स्थलों पर काम शुरू किया जाएगा। जिसके अंतर्गत सामुदायिक शौचालय, पार्क निमार्ण, सामुदायिक भवन, मोटर वोटिंग, लाइट तथा सुंदरीकरण के कार्य किए जाएंगे। ऐतिहासिक धरोहर स्थल मेगालिथ साइट पर इसके रखरखाव तथा इसके संरक्षण के लिए बाउंड्री वाल तथा पार्क का निर्माण किया जाएगा जिसकी स्वीकृति दी जा चुकी है। वर्षों से छडवा डैम स्थानीय लोगों के लिए जीवनदायिनी बना हुआ है, इस स्थल पर पार्क, सामुदायिक भवन के साथ साथ डैम में मोटर वोटिंग सुविधा मुहैया कराने के लिए सारी औचारिकताएं पूर्ण कर ली गई है जल्द ही इन सुविधाओं का लाभ स्थानियों को मिलने लगेगा।

मनमोहन सिंह के निधन पर कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह ने जताया शोक

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। पूर्व प्रधानमंत्री और प्रख्यात अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने डॉ. सिंह को भारतीय राजनीति और आर्थिक सुधारों का स्तंभ बताते हुए कहा कि उनका जीवन सादगी, ईमानदारी और निष्ठा का प्रतीक था। मुन्ना सिंह ने अपने बयान में कहा, डॉ. मनमोहन सिंह ने न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया, बल्कि अपने नेतृत्व में भारत को वैश्विक मंच पर सशक्त पहचान दिलाई। उनके कार्यकाल में किए गए आर्थिक सुधार और उदारीकरण के कदम आज भी भारत की प्रगति की मजबूत नींव हैं। उन्होंने डॉ. सिंह के शांत और विद्वत्तापूर्ण स्वभाव की सराहना करते हुए कहा, उनकी नीतियां और दूरदर्शिता ने करोड़ों भारतीयों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए। उनका नेतृत्व राजनीति में एक मानक बन गया, जिसे आने वाली पीढ़ियां याद रखेंगी। मुन्ना ने आगे कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह का निधन न केवल कांग्रेस पार्टी बल्कि पूरे देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा, डॉ. सिंह का योगदान हमारे देश की आर्थिक और राजनीतिक संरचना में हमेशा याद रखा जाएगा। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा। डॉ. सिंह के परिवार और शुभचिंतकों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि डॉ. सिंह की आत्मा को शांति मिले और उनके परिवार को इस कठिन समय में धैर्य और साहस प्राप्त हो। आपकों बता दें कि डॉ. मनमोहन सिंह ने 2004 से 2014 तक भारत के प्रधानमंत्री के रूप में अपनी सेवाएं दीं। 1991 में उनके आर्थिक सुधारों ने भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बना दिया। उनकी नीतियां, विनम्रता और दूरदर्शिता भारतीय राजनीति और समाज को हमेशा प्रेरित करती रहेंगी।

श्री श्याम समर्पण महोत्सव का ऐतिहासिक भव्य समापन

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग में पहली बार श्री श्याम टाबरिया द्वारा आयोजित श्री श्याम समर्पण महोत्सव अपने ऐतिहासिक और भव्य रूप में संपन्न हुआ। इस महोत्सव ने न केवल क्षेत्र में भक्ति और समर्पण की भावना को प्रोत्साहित किया, बल्कि श्याम भक्तों के बीच एक नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया।बाबा श्याम का दरबार अद्भुत और आकर्षक सजावट के साथ मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। कच्चे फूलों की भीनी-भीनी सुगंध, भक्ति संगीत की मधुर ध्वनि और अलौकिक सजावट ने भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बाबा के दरबार में उमड़ी श्रद्धालु भक्तों की भीड़ ने प्रेम, भक्ति और आध्यात्म का ऐसा माहौल बनाया, जो लंबे समय तक याद रहेगा। महोत्सव के समापन से पूर्व 251 महिलाओं ने एक साथ बाबा श्याम की आरती उतारी। यह दृश्य न केवल अद्वितीय था, बल्कि इसने पूरे आयोजन को भक्ति रस से सराबोर कर दिया। यह क्षण हजारीबाग के धार्मिक आयोजनों के इतिहास में एक नई पहचान बन गया।भजन संध्या का आयोजन भजन गायकों ने अपने सुरों के माध्यम से बाबा श्याम के प्रति भक्ति की लहर प्रवाहित की। भक्तों ने भजनों की मधुर धुन पर झूमते हुए अपने समर्पण का परिचय दिया। बाबा के गुणगान में डूबे श्रद्धालुओं ने अपनी भावनाओं को भजनों के माध्यम से व्यक्त किया। उपस्थिति महोत्सव में राजनीतिक दलों के सदस्यों, समाजसेवियों और विभिन्न क्षेत्रों से पधारे गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने बाबा की ज्योत लेकर अपने परिवार और समाज के लिए आशीर्वाद मांगा श्याम प्रेमियों का समर्पण देशभर से आए श्याम भक्तों ने आयोजन की शोभा बढ़ाई। उनकी उपस्थिति और उत्साह ने इस महोत्सव को एक अभूतपूर्व सफलता दिलाई।

आईसेक्ट विश्वविद्यालय में एकदिवसीय सेमिनार का आयोजन

मानसिक स्वास्थ्य के लिए सही दिनचर्या और जीवनशैली को ठीक रखना आवश्यक : डॉ मुनीष

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। आईसेक्ट विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के सहयोग एवं मनोविज्ञान विभाग की ओर से शुक्रवार को मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के मद्देनजर एकदिवसीय सेमिनार का आयोजन विश्वविद्यालय सभागार में किया गया। सेमिनार की शुरुआत संरक्षक व आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो पीके नायक, सह-संरक्षक व आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद, मुख्य अतिथि नैदानिक मनोवैज्ञानिक व सीमहंस, छत्तीसगढ़ के सहायक प्राध्यापक डॉ रोहित कुमार तूरी, हजारीबाग सिविल कोर्ट की अधिवक्ता व मानसिक रोग परामर्शदाता प्रगति शर्मा, बीसीसीएल, धनबाद के कम्युनिकेशन स्किल ट्रेनर डॉ रविंद्र विश्वकर्मा, एम्स देवघर के टेक्निकल ऑफिसर खगेश्वर कुमार, डीएसडब्ल्यू प्रमुख डॉ एसआर रथ, डीन एकेडमिक डॉ एमके मिश्रा, विधि विभाग डीन डॉ जयदीप सान्याल सहित अन्य के हाथों दीप प्रज्वलित कर किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि समेत सभी अतिथियों को मनोविज्ञान की सह प्राध्यापिका प्रीति वर्मा ने बुके भेंट कर कार्यक्रम में स्वागत किया। बतौर मुख्य अतिथि डॉ रोहित कुमार तूरी ने कहा कि हमें शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं संवेदनात्मक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि विद्यार्थी जीवन के लिए मानसिक स्वास्थ्य बहुत जरूरी है। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य को मानव स्वास्थ्य की नींव बताते हुए मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के तरीकों पर प्रकाश डाला। आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने कहा कि इसमें कोई दो राय नहीं कि हमें मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना चाहिए। हालांकि उन्होंने इसके लिए जागरूकता फैलाने को लेकर कई स्तरों पर ठोस पहल की आवश्यकता बताई। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य के लिए सही दिनचर्या और जीवनशैली को ठीक रखने के साथ साथ नियमित रूप से योग करने पर भी बल दिया। कार्यक्रम के संरक्षक व आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो पीके नायक ने मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य परिदृश्य को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है कि विद्यार्थी सोशल मीडिया के आदि ना बनें बल्कि जरूरत के लिहाज़ से सीमित समय तक ही उसका उपयोग करें। मौके पर कई प्राध्यापक-प्रध्यापिकाओं व कर्मियों के साथ साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद थे।

झारखण्ड प्राइवेट स्कूल संगठन की जिला स्तरीय बैठक संपन्न

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। झारखण्ड प्राइवेट स्कूल संगठन की एक जिला स्तरीय बैठक अध्यक्ष विनोद भगत की अध्यक्षता में हुई जिसमें सभी प्रखंडों से लगभग 300 से अधिक यूडीआईएसई प्राप्त स्कूल संचालक एवं प्राचार्य उपस्थित हुए! बैठक का मूख्य उदेश्य यूडीआईएसई प्राप्त तथा गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों पर सरकार द्वारा होने वाले कारवाई और झारखण्ड के माननीय उच्च न्यायालय में चल रहे मामले पर विचार-विमर्श करके शिक्षा मंत्री तक अपनी बातों को पहुँचाना है! मामला यह है कि भारत सरकार के द्वारा 04/08/2009 को निशुल्क शिक्षा अधिकार अधिनियम आरटीई एसीटी पारित किया गया और झारखण्ड में इसे 2011 में लागू किया गया और मूख्य रूप से प्राइवेट स्कूलों को कक्षा-1 में 25% बच्चों को निशूल्क शिक्षा देने का निर्देश दिया गया जिसका पालन अधिकांश स्कूल करते चले आ रहे है! 2012 में सभी स्कूलों को प्रपत्र- 1 भरवाया गया और हजारीबाग जिला से जाँच के उपरांत चयनित 100 स्कूलों की सूची जैक भेजी गई और बिना स्पष्टीकरण के रद कर दिया गया! 2017 में फिर कुछ नए नियम के साथ प्रपत्र 1 भरवाया गया और फिर 2019 मेंआर टी ई ए सी टी पारित संसोधित नियमावली 2019 झारखण्ड सरकार के द्वारा पारित किया गया जिसमें ऐसे कठोर और कडे नियम बनाए गए जिसे छोटे-छोटे निम्न स्तर के विद्यालय पूरा नही कर सकते है! जैसे- शहरी क्षेत्र के लिए 75 डी जमीन का होना, कमरे का साईज 18×22 का होना, तडित चालक, फायर एन ओ सी इत्यादि शामिल है ऐसी स्थिति में प्राइवेट स्कूलों के द्वारा 2019 नियमावली को निरस्त करने के लिए रीट याचिका दायर की गई! माननीय उच्च न्यायालय ने इस मामले को गंभीरता से देखते हुए तत्काल स्थगन आदेश लागू कर दिया गया और अभी मामला न्यायालय के अधीन चल रहा है। आश्चर्य की बात यह है कि झारखण्ड स्कूली शिक्षा विभाग के द्वारा न्यायालय में दिए गए आंकडों के अनुसार कक्षा आठ तक चलने वाले 80% विद्यालय 0.75 डी से कम भूमि पर संचालित है! ऐसे दोहरे मापदंड तैयार करके प्राइवेट स्कूलों को पडताडित किया जा रहा है! मान्यता के नाम पर 12 वर्षों से शोषण किया जा रहा है! ऐसी स्थिति में माननीय उच्च न्यायालय के अंतिम आदेश आने तक किसी प्रकार की कारवाई करना उचित नहीं है! इससे कोट की अवहेलना हो सकती है! आज की बैठक में सर्व सम्मती से यह निर्णय लिया गया की संगठन का एक प्रतिनिधी मंडल जल्द से जल्द शिक्षा मंत्री से मिलकर इन सारी बातों से अवगत कराएगें ! हमारी यह मॉग है कि सरकार U-Dise प्राप्त स्कूलों को बिना शर्त मान्यता दे और 2019 नियमावली को निरस्त करे, अन्यथा पूरे राज्य में उग्र आंदोलन होगा! तब तक के लिए कोई भी स्कूल मान्यता के लिए आवेदन नही करेगें।

मौके पर अध्यक्ष विनोद भगत, सचिन प्रभु दयाल कुशवाहा, उपाध्यक्ष मकसीर आलम, सहसचिव प्रवेश आलम, उपाध्याय छोटेलाल साव, सहसचिव अमीर आफताब हुसैन, संयोजक मधुप मनोहर, सहसंयोजक मनोज कुमार राय, संगठन मंत्री मधुसूदन मेहता, कोषाध्यक्ष सोहेल अहमद, मीडिया प्रभारी सागर सर, प्रखंड अध्यक्ष राजन कुमार, प्रेम कुमार, अमरजीत वर्णवाल, मिथिलेश कुमार, अभिषेक कुमार, सुनील कुमार सिंह, कुंदन कुमार सिंह, राजेश कुमार, नंदकिशोर सिंह, बैजनाथ गोप, बालेश्वर गोप राम,अवतार रजक, विकास पांडे सुनील सिन्हा, लक्ष्मण कुमार, नितीश कुमार सहित कई लोग मौजूद रहें।

राष्ट्रीय आदिवासी छात्र संघ ने आदिवासी कल्याण मंत्री से की मुलाकात, सौंपा ज्ञापन

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। राष्ट्रीय आदिवासी छात्र संघ के नेता विक्की कुमार धान शुक्रवार को आदिवासी कल्याण मंत्री चमरा लिंडा से मिला और हजारीबाग जिले में आदिवासियों को जाति आवासीय प्रमाणपत्र बनवाने में हो रही परेशानियों को लेकर ज्ञापन सौंपा। संघ के केंद्रीय महासचिव विक्की कुमार धान ने मंत्री को बताया कि हजारीबाग जिले में आदिवासी समुदाय के लोग 2-3 पीढ़ियों से निवास कर रहे हैं और उनके पास जमीन से संबंधित वैध दस्तावेज जैसे वन पट्टा, भूमि दान के प्रमाणपत्र, अमीन फर्द रिपोर्ट और पर्चा उपलब्ध हैं। इसके बावजूद उनका जाति आवासीय प्रमाणपत्र नहीं बन पा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि पूर्व में इस समस्या को लेकर उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल की आयुक्त सुमन कैथरिन किस्पोट्टा से मुलाकात की गई थी और इसकी प्रतिलिपि राज्यपाल और मुख्यमंत्री को भी भेजी गई थी। हालांकि, अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। प्रतिनिधिमंडल ने हजारीबाग के कटकमदाग प्रखंड के अधिकारियों पर आरोप लगाते हुए कहा कि वे जाति आवासीय प्रमाणपत्र बनवाने के लिए ओरिजनल खतियान की मांग करते हैं। खतियान न दिखाने पर आवेदन खारिज कर दिया जाता है। इस कारण आदिवासी युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है और वे अबुआ आवास जैसी योजनाओं का लाभ उठाने में भी असमर्थ हैं।

संक्षिप्त खबरें

आनंद मार्ग धर्म महासम्मेलन के मद्देनजर पुनदाग स्टेशन पर 02 जोड़ी ट्रेनों का अस्थायी ठहराव 4 तक

हाजीपुर(बिभा): यात्रियों की सुविधा हेतु आनंद मार्ग धर्म महासम्मेलन के मद्देनजर दिनांक 27.12.2024 से 04.01.2025 तक 02 जोड़ी एक्सप्रेस ट्रेनों का अस्थायी रूप से पुनदाग स्टेशन पर एक-एक मिनट का ठहराव दिया गया है ।गाड़ी संख्या 18105 राउरकेला-जयनगर एक्सप्रेस का पुनदाग स्टेशन पर आगमन समय 22.21 बजे तथा प्रस्थान समय 22.22 बजे निर्धारित किया गया है । जबकि गाड़ी संख्या 18106 जयनगर-राउरकेला एक्सप्रेस का आगमन समय 08.05 बजे तथा प्रस्थान समय एक मिनट बाद 08.06 बजे निर्धारित किया गया है ।इसी तरह गाड़ी संख्या 18621 पटना-हटिया एक्सप्रेस का आगमन समय 02.16 बजे एवं प्रस्थान समय 02.17 बजे तथा 18622 हटिया-पटना एक्सप्रेस का पुनदाग स्टेशन पर आगमन समय 00.14 बजे तथा प्रस्थान समय 00.15 बजे निर्धारित किया गया है।

यात्रियों की सुविधा के लिए अतिरिक्त 04 जोड़ी कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन का परिचालन एक से

हाजीपुर(बिभा): रेलवे द्वारा महाकुंभ-2025 के अवसर पर श्रद्धालु यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर कई कुंभ मेला स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है ।इसी कड़ी में अतिरिक्त 04 जोड़ी महाकुंभ मेला स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जाएगा । गाड़ी सं. 08425/08426 भुवनेश्वर-टुंडला-भुवनेश्वर कुंभ मेला स्पेशल - गाड़ी सं. 08425 भुवनेश्वर-टुंडला जंक्शन कुंभ मेला स्पेशल 01, 08 एवं 22 जनवरी तथा 05, 19 एवं 26 फरवरी, 2025 (बुधवार) को भुवनेश्वर से 12.30 बजे खुलकर विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए गुरूवार को 20.15 बजे टुंडला पहुंचेगी ।यहां से वापसी में गाड़ी सं. 08426 टुंडला जंक्शन-भुवनेश्वर कुंभ मेला स्पेशल 03, 10 एवं 24 जनवरी तथा 07, 21 एवं 28 फरवरी, 2025 (शुक्रवार) को टुंडला जंक्शन से 03.00 बजे खुलकर शनिवार को 07.00 बजे भुवनेश्वर पहुंचेगी ।इस ट्रेन का परिचालन कटक, मुरी, बोकारो स्टील सिटी, राजाबेरा, चंद्रपुरा, नेसुबो गोमो, पारसनाथ, कोडरमा, गया, सासाराम, भभुआ रोड, चंदौली मझवार, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, मिजार्पुर, प्रयागराज के रास्ते किया जाएगा ।गाड़ी सं. 08417/08418 पुरी-टुंडला-पुरी कुंभ मेला स्पेशल - गाड़ी सं. 08417 पुरी-टुंडला कुंभ मेला स्पेशल 06 एवं 20 जनवरी तथा 17 फरवरी, 2025 (सोमवार) को पुरी से 12.30 बजे खुलकर विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए मंगलवार को 20.15 बजे टुंडला जंक्शन पहुंचेगी । यहां से वापसी में गाड़ी सं. 08418 टुंडला जंक्शन-पुरी कुंभ मेला स्पेशल 08 एवं 22 जनवरी तथा 19 फरवरी, 2025 (बुधवार) को टुंडला जंक्शन से 03.00 बजे खुलकर गुरूवार को 09.45 बजे पुरी पहुंचेगी ।इस ट्रेन का परिचालन कटक, अद्रा, भोजुडीह, नेसुबो गोमो, पारसनाथ, कोडरमा, गया, डेहरी ऑन सोन, सासाराम, भभुआ रोड, चंदौली मझवार, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, मिजार्पुर, प्रयागराज के रास्ते किया जाएगा । गाड़ी सं. 08314/08313 तितलागढ़-टुंडला-तितलागढ़ कुंभ मेला स्पेशल - गाड़ी सं. 08314 तितलागढ़-टुंडला जंक्शन कुंभ मेला स्पेशल 09, 16 एवं 23 जनवरी तथा 06, 20 एवं 27 फरवरी, 2025 (गुरूवार) को तितलागढ़ से 17.00 बजे खुलकर विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए शनिवार को 02.30 बजे टुंडला जंक्शन पहुंचेगी ।यहां से वापसी में गाड़ी सं. 08313 टुंडला जंक्शन-तितलागढ़ कुंभ मेला स्पेशल 11, 18 एवं 25 जनवरी तथा 08, 22 फरवरी एवं 01 मार्च, 2025 (शनिवार) को टुंडला जंक्शन से 05.00 बजे खुलकर रविवार को 11.00 बजे तितलागढ़ पहुंचेगी ।इस ट्रेन का परिचालन राउरकेला, हटिया, रांची, मुरी, बरकाकाना, टोरी, बड़वाडीह, डाल्टेनगंज, गढ़वा रोड, जपला, डेहरी ऑन सोन, सासाराम, भभुआ रोड, चंदौली मझवार, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, मिजार्पुर, प्रयागराज के रास्ते किया जाएगा । गाड़ी सं. 08530/08529 विशाखापत्तनम-पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं.-विशाखापत्तनम कुंभ मेला स्पेशल - गाड़ी सं. 08530 विशाखापत्तनम-पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन कुंभ मेला स्पेशल 09, 16 एवं 23 जनवरी तथा 06, 20 एवं 27 फरवरी, 2025 (गुरूवार) को विशाखापत्तनम.से 17.35 बजे खुलकर विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए शनिवार को 04.30 बजे पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन पहुंचेगी । यहां से वापसी में गाड़ी सं. 08529 पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन-विशाखापत्तनम कुंभ मेला स्पेशल 11, 18 एवं 25 जनवरी तथा 08, 22 फरवरी एवं 01 मार्च, 2025 (शनिवार) को पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन से 20.10 बजे खुलकर सोमवार को 03.25 बजे विशाखापत्तनम पहुंचेगी ।इस ट्रेन का परिचालन रायपुर, कटनी, सतना, प्रयागराज छिवकी, मिजार्पुर, चुनार के रास्ते किया जाएगा ।

हैदराबाद-रक्सौल स्पेशल ट्रेन के परिचालन अवधि में वृद्धि

हाजीपुर(बिभा): यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर वर्तमान में हैदराबाद/सिकंदराबाद एवं रक्सौल के मध्य संचालित की जा रही 07051/07052 रक्सौल-हैदराबाद/सिकंदराबाद -रक्सौल स्पेशल ट्रेन के परिचालन अवधि में वृद्धि करते हुए अब इसका परिचालन 01.04.2025 तक किया जाएगा । गाड़ी संख्या 07051 हैदराबाद-रक्सौल साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन का परिचालन दिनांक 28.12.2024 के बदले विस्तारित अवधि के साथ 29.03.2025 तक किया जाएगा । इसी तरह गाड़ी संख्या 07052 रक्सौल-सिकंदराबाद साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन के परिचालन अवधि में वृद्धि करते हुए अब इसका परिचालन 31.12.2024 के बदले 01.04.2025 तक किया जाएगा ।

पैसेंजर ट्रेनों के नंबर को नियमित ट्रेन नंबर के रूप में किया जाएगा पुनः क्रमांकित

धनबाद(बिभा): उत्तर रेलवे, उत्तर पूर्व रेलवे, दक्षिण पूर्व रेलवे एवं पूर्व रेलवे के '0' से शुरू होने वाली निम्नलिखित पैसेंजर ट्रेनों का दिनांक 01.01.2025 से नियमित ट्रेन नंबर के रूप में पुनः क्रमांकित किया जाएगा जिनका विवरण इस प्रकार है -

1.	03359	63557	बरकाकाना- वाराणसी पैसेंजर
2.	03360	63558	वाराणसी- बरकाकाना पैसेंजर
3.	03541	635541	आसनसोल- गोमो पैसेंजर
4.	03542	63542	गोमो- आसनसोल पैसेंजर
5.	03543	63543	आसनसोल- गोमो पैसेंजर
6.	03544	63544	गोमो- आसनसोल पैसेंजर
7.	03555	63555	आसनसोल- बरकाकाना पैसेंजर
8.	03556	63556	बरकाकाना- आसनसोल पैसेंजर
9.	08151	58023	टाटा- बरकाकाना पैसेंजर
10.	08152	58024	बरकाकाना- टाटा पैसेंजर
11.	08607	58663	हटिया- शाँकी पैसेंजर
12.	08608	58664	शाँकी- हटिया पैसेंजर
13.	08617	58665	हटिया- शाँकी पैसेंजर
14.	08618	58666	शाँकी- हटिया पैसेंजर
15.	08641	68041	आद्रा- बरकाकान पैसेंजर
16.	08642	68042	बरकाकाना- आद्रा पैसेंजर
17.	08665	68079	भोजूडीह- चन्द्रपुरा पैसेंजर
18.	08666	68080	चन्द्रपुरा- भोजूडीह पैसेंजर
19.	08677	68087	बिष्णुपुर- धनबाद पैसेंजर
20.	08678	68088	धनबाद- बांकुड़ा पैसेंजर
21.	08689	68027	रांची- टोरी पैसेंजर
22.	08690	68028	टोरी- रांची पैसेंजर

खादी एव सरस महोत्सव के आठवें दिन लगभग 14 हजार लोगों ने मेले में की शिरकत

डिजिटल गैजेट्स की बजाय खिलौनों की आवश्यकताः रेखा

रांची : रेखा दीदी की लकड़ी के खिलौनों के साथ बचपन की यादें ताजा हो रही हैं। रेखा देवी, जो झिरी गांव, रातु प्रखंड, रांची जिले की निवासी हैं, 2022 में सखी महिला मंडल से जुड़ीं और अब पुराने लकड़ी के खिलौनों के जरिए खोई हुई यादों को फिर से जी रही हैं। आजकल मोबाइल और तकनीकी खिलौनों के दौर में, बच्चे मिट्टी और लकड़ी के खिलौनों से कहां खेल पाते हैं? आज के बच्चों को इन खिलौनों और उनकी महत्वता के बारे में बहुत कम जानकारी है, कि कैसे ये खिलौने उनके शारीरिक और मानसिक विकास में मदद करते हैं।

रेखा दीदी कहती हैं, मुझे बचपन से ही मिट्टी और लकड़ी के खिलौनों से बहुत लगाव था। मुझे लगा कि अगर इन पुरानी यादों को फिर से ताजा किया जाए तो बहुत अच्छा होगा। इसलिए मैंने एक कारीगर को बुलाकर प्रशिक्षण लिया और लकड़ी के खिलौने बनाने शुरू किए। हम दीदी लोग खुद से इन खिलौनों पर पेंटिंग करते हैं, और इन्हें लाह से पेंट करते हैं ताकि अगर बच्चे इन्हें मुंह में भी लें, तो कोई नुकसान न हो।

वर्तमान में रेखा दीदी रांची के सरस मेले में स्टॉल नंबर उ-5 पर अपने हाथों से बनाए गए लकड़ी के खिलौनों का प्रदर्शन कर रही हैं, जैसे हंस का जोड़ा, किरकिरिया, एरोप्लेन, सिंदूर का किया, योयो, चटनी, फीडफिडी, लटटू, गणेश जी, चूड़ी स्टैंड, रशियन डॉल, तोता, तबलची, रामढ़ेलुआ, राधा कृष्ण, किसान सेट और किचन सेट। इन खिलौनों की कीमत 30 से 1000 रुपये तक है, और वे इन खिलौनों को अच्छे दामों में बेच रही हैं। आठवें दिन तक उन्हें 35 से 40 हजार रुपये की बिक्री हो चुकी है। उनका स्टॉल ग्राहकों के आकर्षण का केंद्र बन गया है, और बच्चे अपनी जिद पर इन खिलौनों को खरीदकर अपने बचपन को ताजा कर रहे हैं। सभी को रेखा दीदी के खिलौने बहुत पसंद आ रहे हैं।

पत्रकार दीदी - उषा देवी ,
राष्ट्रीय खाद्य एवं सरस महोत्सव ,रांची से।

पलाश दीदी कैफेः तोरपा से एक प्रेरणादायक कहानी

रांची : खूंटी जिले के तोरपा ब्लॉक स्थित पंचायत मरचा के कारा मरचा मीशो टोली में, गुलाब आजीविका सखी मंडल की सदस्य सोलियानो सोपोनो ने 2018 में स्वयं सहायता समूह से जुड़कर अपनी यात्रा की शुरूआत की। सीसीएल क्रेडिट लिंकेज के माध्यम से 50,000 का ऋण लेकर उन्होंने ₹पलाश दीदी कैफे₹ की शुरूआत की। उनकी दुकान में स्वादिष्ट चावल, दाल, रोटी, आलू का पराठा, झारखंड की विशेष व्यंजन, पारंपरिक खाद्य पदार्थ जैसे चावल का छिलका, मड़वा का छिलका, पकोड़ा जैसी विभिन्न खाद्य सामग्री बेची जाती है। उनका खाना इतना स्वादिष्ट होता है कि उनके स्टॉल पर हमेशा ग्राहकों की भीड़ रहती है। सोलियानो दीदी हर साल सरस मेला में भी अपनी दुकान लगाती हैं।

उनका स्टोर नंबर ल्ट4 है और सातवें दिन तक उनकी आमदनी 80,000 तक पहुँच चुकी है। यह कहानी एक प्रेरणा है कि मेहनत और सही दिशा में कदम बढ़ाने से किस तरह किसी भी महिला को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है।

पत्रकार दीदी - माला कुमारी,
राष्ट्रीय खाद्य एवं सरस महोत्सव ,रांची से।

सुपरस्टार रजनीकांत ने विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश को भेंट की परमहंस योगानन्द की ऑटोबायोग्राफी ऑफ ए योगी

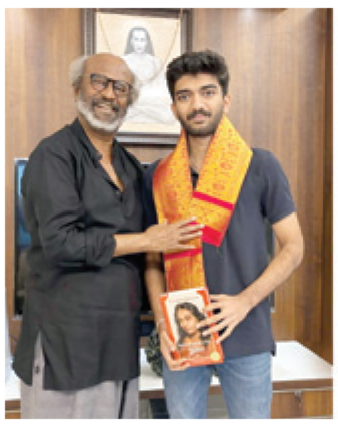

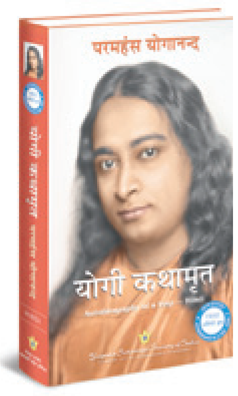

बिभा संवाददाता

रांची : सुपरस्टार रजनीकांत ने विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश को भेंट की परमहंस योगानन्द की ऑटोबायोग्राफी ऑफ ए योगी (योगी कथामृत)।हाल ही में विश्व शतरंज चैंपियन बने डी गुकेश जब अपने परिवार के साथ भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार रजनीकांत से मिले तो उन्हें परमहंस योगानन्दजी की ऑटोबायोग्राफी ऑफ ए योगी पुस्तक भेंट में मिली।

अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर, 18 वर्षीय गुकेश दोम्माराजू ने साझा किया : सुपरस्टार @रजनीकांत सर को आपकी हार्दिक शुभकामनाओं और आमंत्रित करने, समय बिताने और हमारे साथ अपना ज्ञान साझा करने के लिए धन्यवाद!

सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन गुकेश की यह पोस्ट वायरल हो गई है। इसमें गुकेश सुपरस्टार रजनीकांत के साथ खड़े योगानन्दजी की ऑटोबायोग्राफी ऑफ ए योगी हाथ में लिए नजर आते हैं।

ऑटोबायोग्राफी ऑफ ए योगी के बारे में : योगानन्दजी की पुस्तक योगी कथामृत—विश्व के सर्वाधिक प्रशंसित आध्यात्मिक गौरव ग्रन्थों में से एक – सन 1946 में प्रकाशित की गयी थी और जिसकी 75वीं जयन्ती मनाई जा चुकी है। 14 भारतीय भाषाओं सहित सम्पूर्ण विश्व की 50 से अधिक भाषाओं में अनुवादित, श्री श्री परमहंस योगानन्द का जीवन वृत्तान्त, आधुनिक युग की एक महान आध्यात्मिक विभूति का चित्ताकर्षक वर्णन होने के साथ-साथ प्राचीन दर्शन एवं योग विज्ञान और ध्यान की परम्परा का एक गहन परिचय भी है। इस पुस्तक और परमहंस योगानंद की जीवन-परिवर्तनकारी योग-ध्यान शिक्षाओं के बारे में यहाँ और जानें: yssi.org/AY

तीसरी भगवान बिरसा मुंडा ट्रॉफी ओपन नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप का शुभारंभ

बिभा संवाददाता

रांची : ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वाधान में झारखंड ताइक्वांडो संघ की मेजबानी में 27 से 29 दिसंबर तक चलने वाली तीसरी भगवान बिरसा मुंडा ट्रॉफी ओपन नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2024 का शुभारंभ मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, रांची में हुआ।

उद्घाटन समारोह के कार्यक्रम राष्ट्रीय शोक के कारण स्थगित कर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की याद में 2 मिनट का मौन रखा गए जिसके उपरांत सादे समारोह में राज्य सभा सांसद महुआ माजी ने प्रतियोगिता का उद्घाटन प्रतियोगिता शुरू करने की घोषणा करते हुए किया। समारोह में विशिष्ट अतिथि कांके के रूप में विधायक सुरेश कुमार बैठा, विशिष्ट अतिथि ई डी एंड एस एच (बी एस ओ) संजीव कुमार चौधरी, एरिया महाप्रबंधक आई ओ सी एल रांची समीर सिन्हा, विशिष्ट युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव राजेश सिंहा सन्नी, इस मौके पर ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष फीरोज अहमद, महासचिव प्रभात कुमार शर्मा, झारखंड ताइक्वांडो संघ के महासचिव सह आयोजन अध्यक्ष संजय कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष सह आयोजन सचिव मिथलेश कुमार सिंह, उपाध्यक्ष गोपाल कुमार, मुख्य रेफरी मास्टर इमरादुल हक, रेफरी इंचार्ज संतोष श्रीरंगम, चेयरमैन, टूनार्मेंट तकनिकी बोर्ड मन मोहन भांजा, युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष कुलदीप रवि, एम मोदस्सर समेत अभिभावक एवं खेल प्रेमी उपस्थित थे।

एशिया हॉकी महासंघ के उपाध्यक्ष भोलानाथ सिंह, शेखर जे मनोहरण एवम इंडिया हॉकी टीम के डॉ आर पी सिंह पहुंचे सिमडेगा

निमार्णाधीन अंतर्राष्ट्रीय एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम का किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

रांची : राउरकेला के बिरसा मुंडा अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में हॉकी इंडिया लीग का आगाज हो रहा है, जिसमे देश विदेश के हॉकी खिलाड़ियों के नामी गिरामी हॉकी के पदाधिकारियों का आवागमन हो रहा है, जिनमे से कई पदाधिकारी रांची एयरपोर्ट से उतरकर सड़क मार्ग से भाया सिमडेगा राउरकेला आवागमन करेंगे। आज भी हॉकी से जुड़े कई हस्तियां इसी मार्ग से राउरकेला रवाजा हुए ।जिनमे से प्रमुख रूप एशिया हॉकी महासंघ के उपाध्यक्ष सह हॉकी इंडिया के महासचिव श्री भोलानाथ सिंह, हॉकी इंडिया के कोषाध्यक्ष श्री शेखर जे मनोहरण, भारतीय हॉकी टीम के सेलेशन समिति के चेयर मैन सह उत्तरप्रदेश सरकार के खेल निदेशक ओलंपियन डॉ आर पी सिंह जी सिमडेगा में रुके और सिमडेगा में निर्माणधीन अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम तथा सिमडेगा पूर्व से निर्मित स्टेडियम का निरीक्षण किए।

सिमडेगा पहुंचने पर जिला खेल पदाधिकारी श्री प्रवीण कुमार,हॉकी सिमडेगा के अध्यक्ष मनोज कोनबेगी, पंखरासियूस टोप्पो, बसंत बा, करिश्मा परवार,अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी ब्यूटी डुंगडुंग एवम अन्य पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया और उन्हे सिमडेगा के बुनकरों द्वारा निर्मित अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया।

दोनो हॉकी स्टेडियम के निरीक्षण के उपरांत उक्त पदाधिकारियों ने कहा कि जब नए एस्ट्रोटर्फ का गैलरी इत्यादि का सारा कार्य पूर्ण हो जायेगा तो यन्हा पर एक और बड़ा मैच का आयोजन किया जाएगा और झारखंड के हॉकी के विकास में दिल खोल कर सहयोग करने वाले झारखड के मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन जी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जायेगा।आज उनके ही सहयोग से यह एस्ट्रोटर्फ सहित राज्य कई और एस्ट्रोटर्फ का निर्माण हुआ है। साथ ही उन्होंने एस्ट्रोटर्फ निर्माणकर्ता के अभियंता को निर्देश दिया का इसका हस्तांतरण से पूर्व टर्फ की सफाई करा ले, वे खेल पदाधिकारी और हॉकी सिमडेगा के अध्यक्ष को भी कहा की कोई भी परेशानी हो तो हमे तुरंत सूचित करे। साथ ही हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह जी ने सिमडेगा में पूर्व से निर्मित टर्फ की जरूरत को देखते हुए , कहा कि हॉकी इंडिया की ओर से यहां सफाई महीन भेजकर इसकी भी सफाई करवाई जायेगी, उन्होंने ग्राउंड से हॉकी इंडिया के कर्मचारियों को फोन कर निर्देश दिया की सिमडेगा में सफाई मशीन भेजकर इस टर्फ का सफाई जल्द करा दे , उन्होंने हॉकी सिमडेगा के मनोज कोनबेगी कहा कि हॉकी इंडिया से टर्फ सफाई मशीन आएगा आप अपनी उपस्थिति में इस टर्फ का अच्छा से सफाई करा लीजिए।

हरियाणा, उत्तराखंड व सौराष्ट्र की आसान जीत

सुपर ओवर में आंध्र प्रदेश ने केरल को हराया

बीसीसीआई अंडर- 23 स्टेट ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट

बिभा संवाददाता

रांची। बीसीसीआई अंडर - 23 स्टेट ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के तहत यहां खेले गए । मैचों में आज हरियाणा , उत्तराखंड और सौराष्ट्र ने अपने- अपने में आसानी से जीत लिए। जबकि ओवल में खेले गए एक रोमांचक मैच में आंध्र प्रदेश ने ?सुपर ओवर में केरल को हराया।

जेएससीए स्टेडियम में खेले गए मैच में सौराष्ट्र ने अर्श रंगा के शानदार शतक की बदौलत दिल्ली को चार विकेट से हरा दिया । इस मैच में दिल्ली ने पहले खेलते हुए निर्धारित 50 ओवर में 9 विकेट पर 312 रन बनाए ।मयंक ने 63, अर्पित राणा ने 50, अंकित राजेश कुमार ने 59 एवं आयुष ने 50 रन बनाए। हरियाणा की ओर से भुवन ने तीन एवं पीयूष ने दो विकेट लिए। जवाब में हरियाणा ने 37 . 2 ओवर में छह विकेट पर आवश्यक रन बना लिए। अर्श रंग ने सात छक्के व 11 चौके की मदद से 120, यशोवर्धन ने दो छक्के एवं 10 चौके की मदद से 60 एवं सामंत जाखड़ ने 49 रन बनाए।

ओवल मैदान में आंध्र प्रदेश एवं केरल के बीच खेला गया मैच काफी संघर्षपूर्ण रहा। अंतिम ओवर में केरल ने 213 रन पूरा कर आंध्र प्रदेश के स्कोर की बराबरी कर ली। तब फैसले के लिए सुपर ओवर कराया गया।सुपर ओवर में केरल ने पहले खेलते हुए एक ओवर में दो विकेट पर 11 रन बनाए। जवाब में आंध्र प्रदेश ने केवल पांच गेंद में 15 रन बनाकर मैच जीत लिया ।

इससे पहले केरल ने निर्धारित 50 ओवर में सभी विकेट खोकर 213 रन बनाए। वरुण नायर ने दो छक्के एवं सात चौके की मदद से 87, गोविंद ने 45 और निखिल ने 27 रन बनाए ।इससे पूर्व आंध्र प्रदेश ने भी 9 विकेट पर 213 रन बनाए थे । केआर रेड्डी ने 25, साईं सरवन ने 20, के एस राजू ने 32, एस प्रसाद ने 44 एवं साकेत राम में 28 रन बनाए थे। केरल की ओर से अनिथ प्रवीण ने चार एवं जेरीन पीएस ने दो विकेट लिए।

मेकन ग्राउंड में खेले गए मैच में उत्तराखंड में आसानी से नागालैंड को आठ विकेट से हरा दिया। नागालैंड ने पहले खेलते हुए 23.5 में मात्र 102 रन बनाए। अर्जुन ने 15 , जापाटु ने 20 एवं ओडि लांबा ने 10 रनों का योगदान किया। उत्तराखंड की ओर से रविंद्र , रोहि, कुशाग्र एवं आयुष ने दो-दो विकेट लिए। जवाब में उत्तराखंड की टीम ने 17.2 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर आवश्यक रन बना लिए ।शिवांश ने एक छक्के एवं नौ चौके की मदद से नाबाद 61 एवं सूर्यवंशी ने नाबाद 27 रन बनाए ?नागालैंड की ओर से अनिल ने एक विकेट लिया।

उषा मार्टिन मैदान में खेले गए मैच में सौराष्ट्र ने मणिपुर को 144 रन से हराया। इस मैच में सौराष्ट्र में पहले खेलते हुए 9 विकेट पर 277 रन बनाए। रामदेव ने 54 , एच कोटक में 51व रक्षित मेहता ने 50 रन बनाए । मणिपुर की ओर से संजीत ने चार एवं कल्याण ने दो विकेट लिए ।जवाब में मणिपुर की टीम 133 रन ही बना सकी।

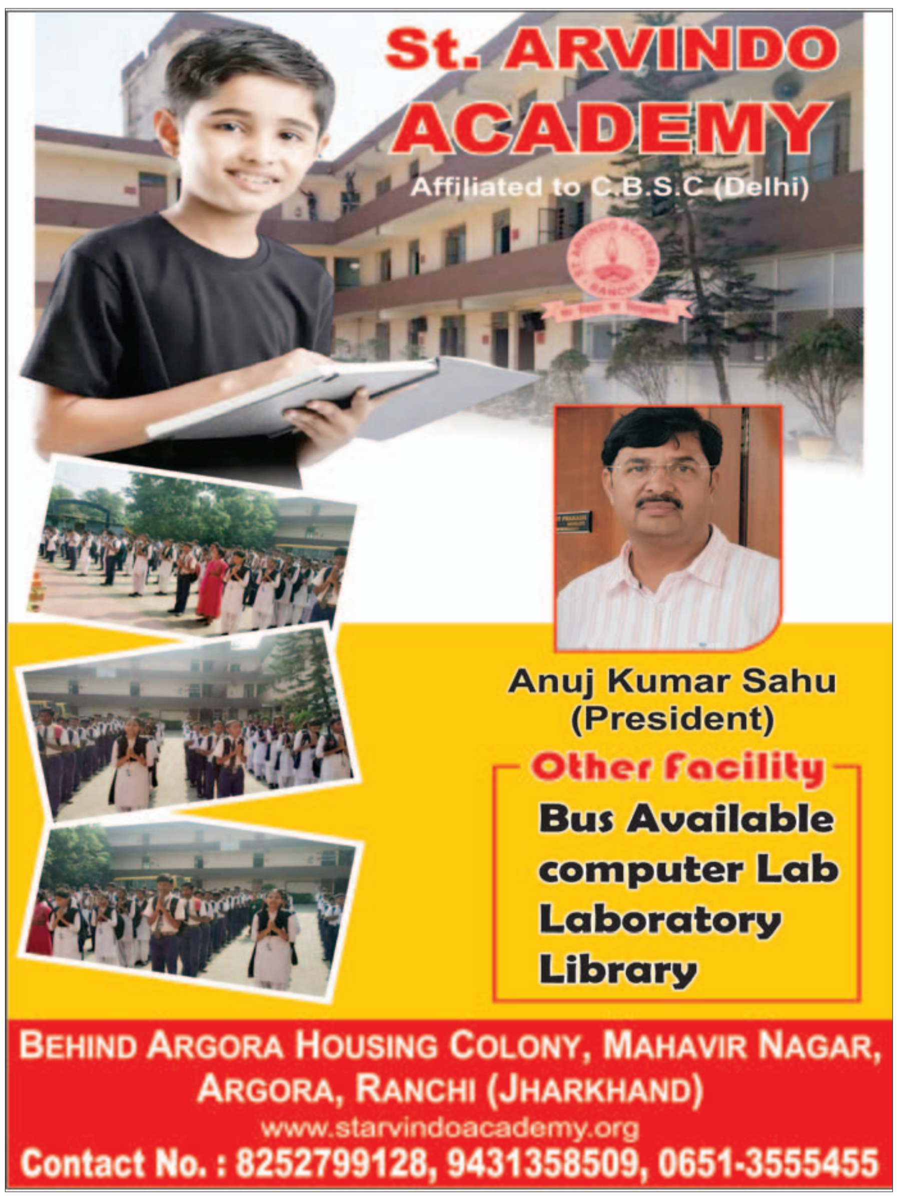

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि., काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक कविता साहू***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार । Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com